



# वार्षिक रिपोर्ट

A R

N E

N P

U O

A R

L T



2007-2008

भारतीय डाक



भारतीय डाक विभाग  
DEPARTMENT OF POSTS, INDIA

# मेघदूत पुरस्कार , 2006

दिनांक, 24 सितम्बर 2007

## Meghdoot Awards, 2006



श्री ए. राजा, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, नई दिल्ली में 24 सितम्बर, 2007 को आयोजित मेघदूत पुरस्कार समारोह में ।

Thiru A. Raja, Hon'ble Minister of Communications & IT at the Meghdoot Award Function held on 24th September, 2007 in New Delhi.



डा. शकील अहमद, माननीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री रांची, झारखण्ड में 12 वीं अखिल भारतीय डाक कैरम प्रतियोगिता 2007 के अवसर पर स्मारिका जारी करते हुए ।

Release of Souvenir by Dr. Shakeel Ahmad, Hon'ble Minister of State for Communications and IT at Ranchi, Jharkhand on the occasion of 12th All India Postal Carrom Competition, 2007.

वार्षिक रिपोर्ट  
**ANNUAL REPORT**  
**2007-2008**



डाक विभाग  
(संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय)

भारत सरकार

**DEPARTMENT OF POSTS**  
**(MINISTRY OF COMMUNICATIONS**  
**AND INFORMATION TECHNOLOGY)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

# विषय सूची

## भाग-1

### वार्षिक रिपोर्ट

(1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2007 तक)

		पृष्ठ सं.
	विभाग की संकल्पना	1
अध्याय 1	पुनरीक्षा	2
अध्याय 2	संगठनात्मक ढांचा	8
अध्याय 3	प्रौद्योगिकी	14
अध्याय 4	डाक प्रचालन	16
अध्याय 5	व्यवसाय विकास एवं विपणन निदेशालय	24
अध्याय 6	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	30
अध्याय 7	फिलैटली	38
अध्याय 8	वित्तीय सेवाएं	42
अध्याय 9	वित्तीय प्रबंधन	48
अध्याय 10	मानव संसाधन विकास	56
अध्याय 11	सतर्कता कार्यकलाप	60
अध्याय 12	महिलाओं से संबंधित मुद्दे	62
अध्याय 13	शारीरिक विकलांग	64
अध्याय 14	पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकासात्मक कार्यकलाप	66
अध्याय 15	अन्य कार्यकलाप	72

## भाग - II

कार्यकलाप

(अप्रैल - दिसम्बर, 2007)

86

# CONTENTS

## PART-1

### ANNUAL REPORT

(1<sup>st</sup> April 2006 to 31<sup>st</sup> March 2007)

		Page No.
	<b>Vision of the Department</b>	1
Chapter 1	Overview	3
Chapter 2	Organisational Structure	9
Chapter 3	Technology	15
Chapter 4	Postal Operations	17
Chapter 5	Business Development and Marketing Directorate	25
Chapter 6	International Relations	31
Chapter 7	Philately	39
Chapter 8	Financial Services	43
Chapter 9	Financial Management	49
Chapter 10	Human Resource Development	57
Chapter 11	Vigilance Activities	61
Chapter 12	Gender Issues	63
Chapter 13	Physically Challenged	65
Chapter 14	Development Activities in North Eastern Region	67
Chapter 15	Other Activities	73

## PART-II

### Activities

(April - December 2007)

87



कोलकाता ( पश्चिम बंगाल ) में 29 अगस्त, 2007 को मालवाही विमान सेवा का समावेशन ।  
Induction of Freighter Aircraft Service on 29th August, 2007 at Kolkata (West Bengal).



इदुक्की जिला ( केरल ) के मुन्नार में "सम्पूर्ण केरल में स्पीड पोस्ट" का शुभारम्भ।  
Launching of "Speed Post Across Kerala" In Munnar in Idukki District (Kerala).



## विभाग की संकल्पना

“भारतीय डाक-सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध,  
प्रौद्योगिकी परिचालित,  
व्यावसायिक दृष्टि से संचालित तथा  
प्रगतिशील संगठन”

## VISION OF THE DEPARTMENT

*“India Post a socially  
committed, technology driven,  
professionally managed &  
forward looking Organisation”*

## अध्याय 1 पु-रीजा

1.1 डाकघर अप-नी साधारज छवि के साथ 150 वर्षों से अधिज समय से राष्ट्र जो सेवाएं प्रदा-ना जर रहा है। सामुदायिज जीव-ना में संचार जे एज प्रमुज जे-द्र जे रूप में इस समय डाकघर जो प्रौद्योजिजी जे -वी-ातम माध्यमों से जड़ी प्रतिस्पर्धा जर-नी पड़ रही है जि-होंने 'ज-नेक्टिविटी' जो पु-नारिभाषित जिया है। जड़ी प्रतिस्पर्द्धा जे बावजूद सामाजिज प्रतिबद्धता जो पूरा जर-ने जी दिशा में हम निर-तर प्रयासरत हैं।

1.2 भारतीय डाक हमारे मस्तिष्क में समूचे देश जे डाकघरों जे जटिल -ोटवर्ज जी एज वृहद् तस्वीर प्रस्तुत जर देता है। यह -ोटवर्ज विश्व जी सबसे बड़ी डाक प्रजाली है जिसमें लजभज 1.55 लाज डाकघर हैं। संज्या जी दृष्टि से यह अ-य सभी डाक प्रजालियों में सबसे बड़ी है। 1.55 लाज डाकघरों जे अलावा 5926 पंचायत संचार सेवा जे-द्र हैं जो ज़ामीज जेत्रों में बुनियादी डाक सेवाएं प्रदा-ना जरते हैं। जेवल आजार और संज्या जी दृष्टि से ही -हीं, बल्कि ऐतिहासिज रूप में भी भारतीय डाक जो विश्व में सबसे पुरा-ना संजठ-ना हो-ने जा श्रेय प्राप्त है। भारतीय डाक -ने वर्ष 2005 में अप-नी स्थाप-ना जे 150 वर्ष पूरे जर-ने पर महोत्सव जा आयोज-ना जिया।

1.3 इ-ना 150 वर्षों में डाकघर -ने 'संचार जा साध-ना' हो-ने जे अलावा अ-य जार्यों में भी अप-ना सहयोज दिया है। इस-ने राष्ट्र निर्माज तथा देश जे विभिन्न जेत्रों और लोजों जो जोड़-ने में अप-ना योजदा-ना जिया है। देजा जाए तो डाकघर -ने भारत जो अजंड स्वरूप प्रदा-ना जर-ने में सहायता जी है। भारतीय डाक भारत जे लोजों जे जीव-ना से जई प्रजार से जुड़ा हुआ है। इस-ने मात्र संदेश भेज-ने से लेजर लोजों जी सामाजिज आर्थिज बेहतरी जे लिए अ-नेज प्रजार जी सेवाएं उपलब्ध जर-ने तज एज लम्बा सफर तय जिया है।

1.4 भारतीय डाक द्वारा प्रदा-ना जी जाने वाली सेवाओं जे चार मुज्य जेत्र निम्ना-नुसार हैं :-

1. संचार सेवाएं - पत्र, पोस्टजार्ड आदि
2. ढुलाई सेवाएं - पार्सल, लॉजिस्टिज पोस्ट आदि
3. वित्तीय सेवाएं - बचत बैंज, म-नीआर्डर, बीमा, आदि
4. मूल्यवर्धित सेवाएं - स्पीड पोस्ट सेवा, व्यवसाय डाक, डायरेक्ट पोस्ट आदि

1.5 एज लम्बे एवं उतार-चढ़ाव से भरपूर इतिहास और व्यापज डाक -ोटवर्ज -ने भारतीय डाक जो जिसी अ-य सार्वजनिज निजय जी तुल-ना में देश जे -नाजरिजों जा सिरमौर ब-ना दिया है। इससे विभाज जी जिम्मेदारियां बढ़ जई हैं जि-हें वह अच्छी तरह से पूरा जर रहा है। हमारी सर्वव्यापी -नीति जा उद्देश्य डाकघर जे जरिए देश जे सभी -नाजरिजों जो यथासंभव डाक सेवाएं सुलभ जर-ना है। चूंकि डाकघर निर्धारित मा-जों जे आधार पर जोले जाते हैं इसलिए विभाज जो -ए डाकघरों जे लिए मांज और वित्तीय औचित्य जे बीच संतुल-ना स्थापित जर-ने जा जार्य जर-ना होता है। इसजे होते हुए भी, मौजूदा स्थिति जो ही ज-नाता जो डाकघरों जा आसा-नी से सुलभ हो-ना एज बैरोमीटर मा-ना जाता है : औसत-ना एज डाकघर 21.2 वर्ज जि.मी. जेत्र जो जवर जरता है तथा 7166 लोजों जो सेवाएं प्रदा-ना जरता है। इस संबंध में इसजी तुल-ना अमेरिजा से जी जा सजती है जहां एज डाकघर 259.25 वर्ज जि.मी. जेत्र जो जवर जरता है और 8029 लोजों जो सेवाएं प्रदा-ना जरता है तथा ची-न जहां एज डाकघर 145.59 वर्ज जि.मी. जेत्र जो जवर जरता है और 19,962 लोजों जो सेवाएं प्रदा-ना जरता है। -ोटवर्ज जा और विस्तार जर-ने जे लिए आजामी पंचवर्षीय योज-ना जे दौर-ना ज़ामीज जेत्रों में 3000 शाजा डाकघर जोल-ने हेतु योज-नाएं विचाराधी-ना हैं। इसजे अलावा, ज़ामीज और शहरी दो-नों जेत्रों में डाकघरों जी आवश्यकता जा मूल्यांज-ना जर-ने हेतु एज सर्वेजज भी जिया जा रहा है।





## Chapter 1

# OVERVIEW

1.1 The humble Post Office has been at the service of the nation for over 150 years now. Positioned as the nerve centre of communication in community life, today, the Post Office faces tough competition from newer modes of technology, which have redefined 'connectivity'. Even in the face of tough competition, the focus towards fulfilling our social commitment continues unabated.

1.2 India Post-brings to the mind a universe of intricate network of post offices in the length and breadth of the country. This network forms the largest postal system in the world with an array of about 1.55 lakh of post offices, it dwarfs all other postal systems in sheer numbers. There are 5926 Panchayat Sanchar Sewa Kendras to provide basic postal services in the rural areas, in addition to 1.55 lakh post offices. Not only in sheer size and numbers, historically too, India Post has the distinction of being the oldest organization in the world. The year 2005 marked the sesquicentennial centenary celebrations of India Post.

1.3 In these 150 years the post office has been more than a 'means of communications' – it has helped in nation building and connecting the diverse regions and populace of the country. In retrospect, the post office has helped in making India a unified entity. India Post touches the lives of Indians in more ways than one. It has indeed come a long way from merely transmitting messages, to providing a wide range of services for the socio - economic betterment of the people.

1.4 The four main areas of services offered by India Post are as follows-

1. Communication services – Letters, Post Cards, etc.
2. Transportation services – Parcel, Logistics, etc.
3. Financial services – Savings Bank, Money Order, Insurance, etc.
4. Value added services – Speed Post Service, Business Post, Direct Post, etc.

1.5 A long chequered history and an extensive postal network have given India Post the enviable position of being closer to the citizens of the country, than any other public body. This has meant more responsibilities which the Department has taken promptly. Our overarching policy has been to provide a post office and, thereby, postal services, within easy reach, as far as possible, to all citizens in the country. As post offices are opened on the basis of specific norms, the Department has to do a fine balancing act between demand for new post offices and providing financial justification. Notwithstanding this, the present position still is a barometer of easy accessibility of post offices by the public: on an average, a post office covers an area of 21.2 sq. km and serves 7166 people. This compares favourably with USA, where a post office covers an area of 259.25 sq. km. and serves 8029 people, and China where a post office covers an area of 145.59 sq. km. and serves 19962 people. To further augment the network, plans are on the anvil for opening 3000 Branch Post Offices in the rural areas, in the upcoming Five Year Plan. Furthermore, a survey is also underway to assess the requirement of post offices in both rural and urban areas.

## दायित्व

1.6 वैश्वीकरण और भारत में बाजार तंत्र के सुदृढीकरण के आत्मनिर्भरता के मंत्र को प्रमजता प्रदान की है। सामान्यतः इससे पीछे सिद्धांत यह है कि आत्मनिर्भरता और समाज सेवा दोनों अलज-अलज हैं। डाक विभाग के अपने कार्य-निष्पादन के माध्यम से यह प्रदर्शित किया है कि इस प्रक्रिया के पृथक्करण बीते समय की बात हो गया है; वस्तुतः आत्मनिर्भरता और समाज सेवा साथ-साथ चल सकते हैं। इस प्रक्रिया, जहां तक समूचे देश में, भू-भाग को ध्यान में रखते हुए, सस्ती कीमतों पर बुनियादी डाक सेवाएं प्रदान करने का संबंध है, भारतीय डाक सार्वभौमिक सेवा दायित्व को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध है। इस दायित्व को पूरा करने के लिए विभाग के पास, 31.3.2007 की स्थिति के अनुसार, 1,55,204 डाकघरों का एक विस्तृत नेटवर्क है जिन्हें से 1,25,439 शाखा डाकघर हैं जो पूरी तरह ग्रामीण इलाकों की जरूरतों को पूरा करते हैं।

## चुनौतियां और कार्य-नीतियां

1.7 इस समय विभाग को प्राइवेट डुरियर उद्योग तथा संचार प्रौद्योगिकी, विशेषकर मोबाइल टेलीफोनी और विश्वव्यापी वेब में हो रहे विकास के कारण दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यह जानते हुए कि अलज-थलज रह कर अपना अस्तित्व बनाए रखने का प्रयास किसी भी संजठन के लिए घातक हो सकता है, विभाग के इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक ठोस कार्य-नीति तैयार की है। संजठन-आत्मिक परिवर्तन में प्रायः परिणाम उद्देश्यों के अनुरूप नहीं होते। अतः कारणों के अलावा इसका एक मुख्य कारण परिवर्तन के संबंध में उचित मॉडलिंग का अभाव होता है। विभाग के परिवर्तन के एक विस्तृत मॉडल की योजना बनाई है। इस मॉडलिंग के लिए इस तथ्य को आधार बनाया गया है कि परिवर्तन एक बहु-आयामी प्रक्रिया है और इसलिए विभाग में परिवर्तन लाने के लिए कई स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए। तदनुसार परिवर्तन को सही दिशा प्रदान करने के लिए एक बहु-उद्देशीय कार्य-नीति तैयार की गई है ताकि हमारी सेवाओं में और सुधार किया जा सके।

## कार्य/एजेंड/मा-व संसाधन:

- विभाग के लिए अपना स्वयं का स्टाफ अत्यधिक महत्वपूर्ण संसाधन है। इसलिए, विभाग के पुनर्गठन की प्रक्रिया में उठाए जाने वाले किसी भी कदम में सर्वाधिक प्राथमिकता मा-व संसाधन को दी जानी चाहिए। इस कारण से स्टाफ की सभी श्रेणियों को अच्छा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ज्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में लक्ष्य 100 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है।

## संरचनात्मक स्तर :

- विभाग के समग्र आ रही चुनौतियों का सामना करने तथा विशेषकर विपणन और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए संवर्धन का पुनर्गठन करने के मुख्य उद्देश्य से वर्ष 2007 में संवर्धन समीक्षा की गई।
- निम्नलिखित के संबंध में व्यवसाय प्रोसेस पुनर्गठन किया जा रहा है (क) बचत बैंक एवं बीमा (ii) मेल प्रचालन (iii) ई-जम सेवाएं एवं लाजिस्टिक्स पोस्ट सहित व्यवसाय विकास संबंधी कार्य-लाप (iv) मा-व संसाधन एवं स्थापना, तथा (v) लेजा, वित्त एवं लेजापरीक्षा।
- केवल ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सेवाएं प्रदान करने के लिए एक ग्रामीण डिवीजन की स्थापना करने हेतु योजनाओं पर विचार किया जा रहा है।
- प्रौद्योगिकी के माध्यम से पुनर्गठन।
- डाक जीवन बीमा निधि और ग्रामीण डाक जीवन बीमा निधि का प्रचालन।

## Responsibilities

1.6 Globalization and the deepening of market mechanism in India have brought to the fore the mantra of self-sufficiency. Usually, a corollary of this is to see self-sufficiency as mutually exclusive from social service. The Department of Posts has demonstrated through action that this dichotomization is outdated; in point of fact, self-sufficiency and social service can go hand in hand. As such, India Post is committed to fulfil the Universal Service Obligation for providing basic postal service throughout the country, irrespective of terrain, at an affordable price. To fulfil this obligation, the Department has, an elaborate network of 1,55,204 Post Offices (as on 31.3.2007); of these, 1,25,439 are Branch Post Offices catering exclusively to the rural areas.

## Challenges and Strategies

1.7 The Department, at the present juncture, faces the twin challenges posed by the private courier industry and continuing advances in communication technology, especially mobile telephony and the world wide web. Being aware that an organization can exist in isolation at its own peril, the Department has devised a sound strategy to meet these challenges. Oftentimes, in organizational transformation, a mismatch occurs between objectives and outcomes. Amongst other factors, this is on the count that a proper modeling of transformation is lacking. The Department has planned out a comprehensive model of transformation. This modeling is predicated upon the fact that transformation is a multi-dimensional process and, hence, any attempt at changing the Department must be at multiple levels. Accordingly, a multi-pronged strategy has been devised to augur transformation and further improve upon our services:

## Personnel/ Agential/ Human Resource:

- The Department cherishes its own staff as the most significant resource. Hence, any step towards repositioning the Department has to be first and foremost at the level of Human Resource. As such, an outlay of Rs.100 crore approx. has been earmarked in the Eleventh Five Year Plan for providing quality training to all categories of staff.

## Structural level:

- Cadre Review was conducted in 2007 with the prime aim of restructuring the cadre to meet the challenges to the Department, and especially to cater to marketing and business development.
- Business process restructuring is underway for (a) Savings Bank & Insurance (ii) Mail Operations (iii) E-enabled services and BD activities including logistics post (iv) Human Resource and Establishment, and (v) Accounting, Finance & Audit.
- Plans are on anvil for setting-up of an exclusive Rural Division to cater to the populace of rural areas.
- Restructuring through technology.
- Operationalization of Postal Life Insurance Fund and Rural Postal Life Insurance Fund.

### -ई संज ल्प-ाओं/व्यवस्थाओं जी शुरुआत:

- सेवोत्तम मॉडल - डाक एवं तार विभाज द्वारा विजसित सर्विस डिलीवरी एक्सेलेंस मॉडल जा उपयोग लोज शिजायतों जे प्रति हमें और अधिज अ-गुज्रियाशील ब-ाने जे लिए जिया जा रहा है।
- डाक वित्त मार्ट (पीएफएम) जा उद्देश्य सुव्यवस्थित डाक घरों में एजल जिडजी जे जरिए विभि-ा वित्तीय सेवाएं प्रदा-ा ज-रा है। पोस्टल वित्त मार्ट जिसा-ा विजस पत्र, मासिज आय योज-ा, राष्ट्रीय बचत पत्र, आवर्ती जमा, बचत बैंज, एससीएसएस, आवधिज जमा जैसी डाक घर बचत बैंज सेवाएं तथा डाक जीव-ा बीमा, जामीज डाक जीव-ा बीमा जैसी अ-य वित्तीय सेवाएं प्रदा-ा ज-रता है। इसजे अलावा डाक वित्त मार्ट द्वारा प्रदा-ा जी जा रही -ई/अ-य सेवाओं में जैर-जीव-ा बीमा, म्युचुअल फंड एवं बॉड, सरजारी प्रतिभूतियां, पेंश-ा योज-ाएं, अंतर्राष्ट्रीय ध-ा अंतरज, म-नीआर्डर आदि शामिल है। चूंजि जुछ -ई सेवाओं जे लिए वित्तीय मामलों में विशेषज्ञता अपेजित है, इसलिए डाक वित्त मार्ट ऐसे जर्मचारियों द्वारा संचालित जिए जाते हैं जो उपभोक्ताओं जे निवेश जे संबंध में सलाह दे-े जे लिए एसोसिएश-ा ऑफ म्युचुअल फंड ऑफ इंडिया (एएमएफआई) तथा बीमा संबंधी योज्यता रजते हैं। इस समय देश में 313 डाक वित्त मार्ट जार्यरत है।

### -ई सेवाओं जी शुरुआत:

- हाल जे वर्षों में जुछ -ई सेवाएं प्रारंभ जी जई हैं जि-में बिज-ोस पोस्ट, एक्सप्रेस पार्सल पोस्ट, बधाई डाक, स्पीड पोस्ट पासपोर्ट सेवा, बिल मेल पोस्ट, ई-पोस्ट और ई-बिल पोस्ट शामिल हैं।
- अब तज विभाज -े डाक आदि जे वितरज जे उद्देश्य से ज्राहजों जे घर तज अप-नी पहुंच ब-ाई हुई थी। अप-ने ज्राहजों जे लिए इसे और अधिज सुविधाज-ज ब-ाने जे लिए विभाज -े ज्राहजों जे घर तज डाक पिज-अप सुविधा भी शुरु जी है। डाक पिज-अप सुविधा जी शुरुआत 18 जुलाई, 2005 जे जी जई थी : इस सुविधा जे अंतर्जत डाक वितरज जे समय ही डाजिया साधारज डाक, स्पीड पोस्ट वस्तुएं पिज अप ज-र लेजा और ज्राहजों जे उ-जे घर पर ही डाक-टिजट और डाक लेज-ा सामज्री जा विज्य जरेजा।

### अप-ने ज्राहजों/प्रयोक्ताओं जे बेहतर सेवा प्रदा-ा ज-र-ने जे लिए अप-नी जार्य-नीतियों जे -या स्वरूप दे-ा।

- 1.8 पिज-अप मेल सुविधा, ई-जम सेवाएं, (इलेक्ट्रानिज तौर पर प्रचालित सेवाएं) समर्पित मालवाही सेवा विमा-ा एवं तज्जाल म-नीआर्डर जैसी सेवा और ऐसी ही अ-य सेवाएं प्रारंभ जी जई हैं ताजि अप-नी जार्य-नीतियों जे -या स्वरूप प्रदा-ा ज-रजे ज्राहजों जे अधिज तम संतुष्टि दी जा सजे।



### **Introducing new concepts/ practices:**

- *Sevottam* model - a Service Delivery Excellence Model developed by the DOP&T is being utilized to improve our response to public grievances.
- Postal Finance Marts (PFMs) aim at providing various financial services through a single window in ergonomically improved post offices. The PFMs provide Post Office Savings Bank (POSB) services like KVP, MIS, NSC, RD, SB, SCSS, TD, as well as other financial services like Postal Life Insurance, Rural Postal Life Insurance. Also, new/other services being provided from PFMs include Non-life Insurance, Mutual Funds & Bonds, Government Securities, Pension Schemes, International Money Transfer, Money Orders, etc. As some of the new services require expertise in financial matters, the PFMs are manned by staff having Association of Mutual Funds of India (AMFI) and insurance qualification for offering investment advice to customers. At present 313 PFMs are functioning in the country.

### **Launching new services:**

- Launched over a period of time, these include Business Post, Express Parcel Post, Greetings Post, Speed Post Passport Service, Bill Mail Post, e-Post and e-Bill Post.
- Hitherto, the Department has its reach right up to the doorstep of the customers for the purpose of delivery of mail, etc. To make it more convenient for our customers, the Department has brought pick-up facility, too, right up to the doorstep of the customers. 'Pick Up Mail Facility' was launched on 18<sup>th</sup> July, 2005: the postmen while delivering the Dak, pick-up ordinary mails, Speed Post articles, and also sell postage stamps & stationery at the doorstep of customers.

### **Re-orienting our strategy to provide better service to our customers/users:**

1.8 Pick-up mail facility, e-Enabled Services (electronically enabled services), a dedicated freighter service or else the Instant Money Order – these and many other similar initiatives have been undertaken to re-orient our strategy towards providing greater satisfaction to our customers.

## अध्याय-2

# संजठ-आत्मज ढांचा

### संजठ-1

2.1 डाक विभाज संचार एवं सूच-आ प्रौद्योजिजी मंत्रालय जा एज विभाज है। यह विभाज श्री ए. राजा, संचार एवं सूच-आ प्रौद्योजिजी मंत्री जे अधी-आ जाम जर रहा है। डॉ. शजील अहमद संचार एवं सूच-आ प्रौद्योजिजी राज्य मंत्री हैं। श्री आई.एम.जी जा-आ, सचिव, डाक विभाज जे साथ-साथ महानिदेशज, भारतीय डाक और अध्यक्ष, डाक सेवा बोर्ड हैं।

### मुज्यालय में योज-आ एवं -नीति संबंधी जार्य

2.2 डाक सेवा बोर्ड इस विभाज जा शीर्ष प्रबंध निजाय है। इसमें अध्यक्ष और ती-आ सदस्य हैं। बोर्ड जे ती-आ सदस्यों जे पास प्रचाल-आ और विपज-आ, बुनियादी संरच-आ तथा वित्तीय सेवाएं एवं जार्मिज प्रजार्यात्मज विभाज हैं। विभाज जे संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहज्जर इस बोर्ड जे स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। बोर्ड जे सचिव, डाक सेवा बोर्ड सहयोज प्रदाना जरते हैं। मुज्यालय में उप महानिदेशज, निदेशज तथा सहायज महानिदेशज बोर्ड जे आवश्यक सहयोज देते हैं।

### डाक सर्जिल

2.3 डाक सेवाएं प्रदाना जरने जे लिए पूरे देश जे 22 डाक सर्जिलों में बांटा जया है। सर्जिल सामा-यतः राज्यों जे जे-टर्मि-आस होते हैं। लेजि-आ जुजरात सर्जिल जिसमें दम-आ एवं दीव, दादर एवं -आजर हवेली, जेरल सर्जिल जिसमें लजद्वीप संघ राज्य जेत्र; महाराष्ट्र सर्जिल जिसमें जोवा; पूर्वोत्तर सर्जिल जिसमें अरुजाचल प्रदेश, मजिपुर, मेघालय, मिजोरम, -आजालैज्जड और त्रिपुरा, पंजाब सर्जिल जिसमें चंडीजद संघ जेत्र, तमिल-आडु सर्जिल जिसमें पांडिचेरी, पश्चिम बंजाल सर्जिल जिसमें सिक्किम और अंडमाना एवं निजोबार द्वीप समूह शामिल हैं, इसजे अपवाद हैं। प्रत्येज सर्जिल प्रधा-आ मुज्य पोस्टमास्टर ज-आरल/ मुज्य पोस्टमास्टर ज-आरल जे अधी-आ है। प्रत्येज सर्जिल जे परिजेत्रों में बांटा जया है जिसमें फील्ड यूनिटें होती हैं, जि-हें डिवीज-आ (डाक/रेल डाक सेवा डिवीज-आ) जहा जाता है। प्रत्येज परिजेत्र पोस्टमास्टर ज-आरल जे अधी-आ है जो उस जेत्र जा डाक प्रबंधज होता है। सर्जिलों और परिजेत्रों में जार्य संचाल-आ

में सहयोज देने जे लिए स्टैम्प डिपो, डाक भंडार डिपो तथा मेल मोटर सेवा आदि जैसी अ-य संभार यूनिटें भी होती हैं।

### संजठ-आत्मज परिवर्त-आ

2.4 प्रौद्योजिजी जी शुरुआत जे जारज सामने आई चु-नीतियों जे प्रत्युत्तर जे रूप में हाल में डाक विभाज जे संजठ-आत्मज स्वरूप जा पु-आर्जठ-आ जिया जा रहा है। जार्यात्मज पु-आर्जठ-आ इस प्रजार जिया जया है ताजि उच्च प्रबंध-आ जी सम-वय एवं मॉ-नीटरिज जी भूमिजा जो यथोचित महत्व देते हुए परिवर्त-आ जी संजमजजाली-आ जठि-आइयों से निपटा जा सजे। प्रबंध-आ जी सहायता जे लिए परम्पराजत पिरामिडीय प्रजाली जो डेस्ज प्रजाली में बदल-ने जे लिए जदम उठाए जए हैं। इ-आ सुधारों जी शुरुआत एज उत्तरदायी, संवेद-आशील एवं जार्यजुशल प्रबंध-आ स्थापित जरने जे लिए जरूरी सज्रियता जे साथ इस प्रजाली जो जतिशील ब-आने जे लिए जी जई है।

### प्रचाल-आ यूनिट

2.5 देश भर में डाक घरों जो प्रधा-आ, उप तथा शाजा डाक घरों जे रूप में वर्जीजृत जिया जया है। शाजा डाक घर, ज्जामीज जेत्रों में हैं। उप डाक घर विभाजीय डाक घर हैं जो ज्जामीज तथा शहरी दो-नों जेत्रों में हैं। प्रधा-आ डाक घरों जो उ-आजे जार्यभार तथा जर्मचारियों जी संज्या जे अ-जुसार चार श्रेजियों में विभक्त जिया जया है। ये चार श्रेजियां हैं : (i) श्रेजी-। एचओ (ii) श्रेजी-।। एचओ (iii) एचएसजी-। एचओ और (iv) एचएसजी-।। एचओ।

### से-आ डाक सेवा

2.6 इ-आ 22 सर्जिलों जे अलावा, सशस्त्र से-आओं जी संचार संबंधी आवश्यकताओं जो पूरा जरने जे लिए एज बेस सर्जिल भी है। बेस सर्जिल अपर महानिदेशज, से-आ डाक सेवा जे अधी-आ है। से-आ डाक सेवा जे अधिजारी संवर्ज में भारतीय डाक सेवा से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिजारी होते हैं। से-आ डाक सेवा जे अ-य रेंजों जे लिए भी 75 प्रतिशत जार्मिज डाक विभाज से लिए जाते हैं और शेष जार्मिज से-आ द्वारा भर्ती जिए जाते हैं।



## Chapter 2

# ORGANISATIONAL STRUCTURE

2.1 The Department of Posts, under the Ministry of Communications and Information Technology has Thiru A. Raja as Minister-in-charge with Dr. Shakeel Ahmad as Minister of State. Shri IMG Khan is Secretary, Department of Posts, Director General, Department of Posts and Chairman, Postal Services Board.

### Planning and Policy Formulation at Headquarters

2.2 The Postal Services Board is the apex management body of the Department, comprising of the Chairman and three Members. The three Members of the Board hold functional portfolios of Operations & Marketing, Infrastructure and Financial Services and Personnel. The Joint Secretary and Finance Adviser to the Department is a permanent invitee to the Board. The Secretary, Postal Services Board, assists the Board. In turn, Deputy Directors General, Directors and Assistant Directors General of the Department provide necessary support to the Board at the Headquarters.

### Postal Circles

2.3 For providing postal services, the whole country has been divided into 22 Postal Circles. Circles are generally co-terminus with a State. The exceptions being: Gujarat Circle which includes Daman & Diu, Dadra and Nagar Haveli; Kerala Circle includes the Union Territory of Lakshadweep; Maharashtra Circle includes Goa; North East Circle consists of Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland and Tripura; Punjab Circle includes the Union Territory of Chandigarh; Tamil Nadu Circle includes Pondicherry; West Bengal Circle includes Sikkim and the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands. A Principal Chief Postmaster General/Chief Postmaster General heads each Circle. Each Circle is divided into Regions comprising groups of field units, called Divisions (Postal/RMS). Each Region is headed by a Postmaster

General who is the Postal Manager of the area. In the Circles and Regions there are other functional supporting logistical units like Stamp Depots, Store Depots and Mail Motor Service.

### Organisational changes

2.4 The organisational set-up of the Department has been undergoing restructuring in recent times in response to the challenges faced due to induction of technology. The functional restructuring is designed to tackle the transitional problems of change giving due importance to the coordinating and monitoring role of the higher management. Steps have been taken to substitute the traditional pyramidal system with a desk system to support the management. These reforms have been introduced to infuse the system with dynamism needed to create a responsive, sensitive & efficient management.

### Operational Units

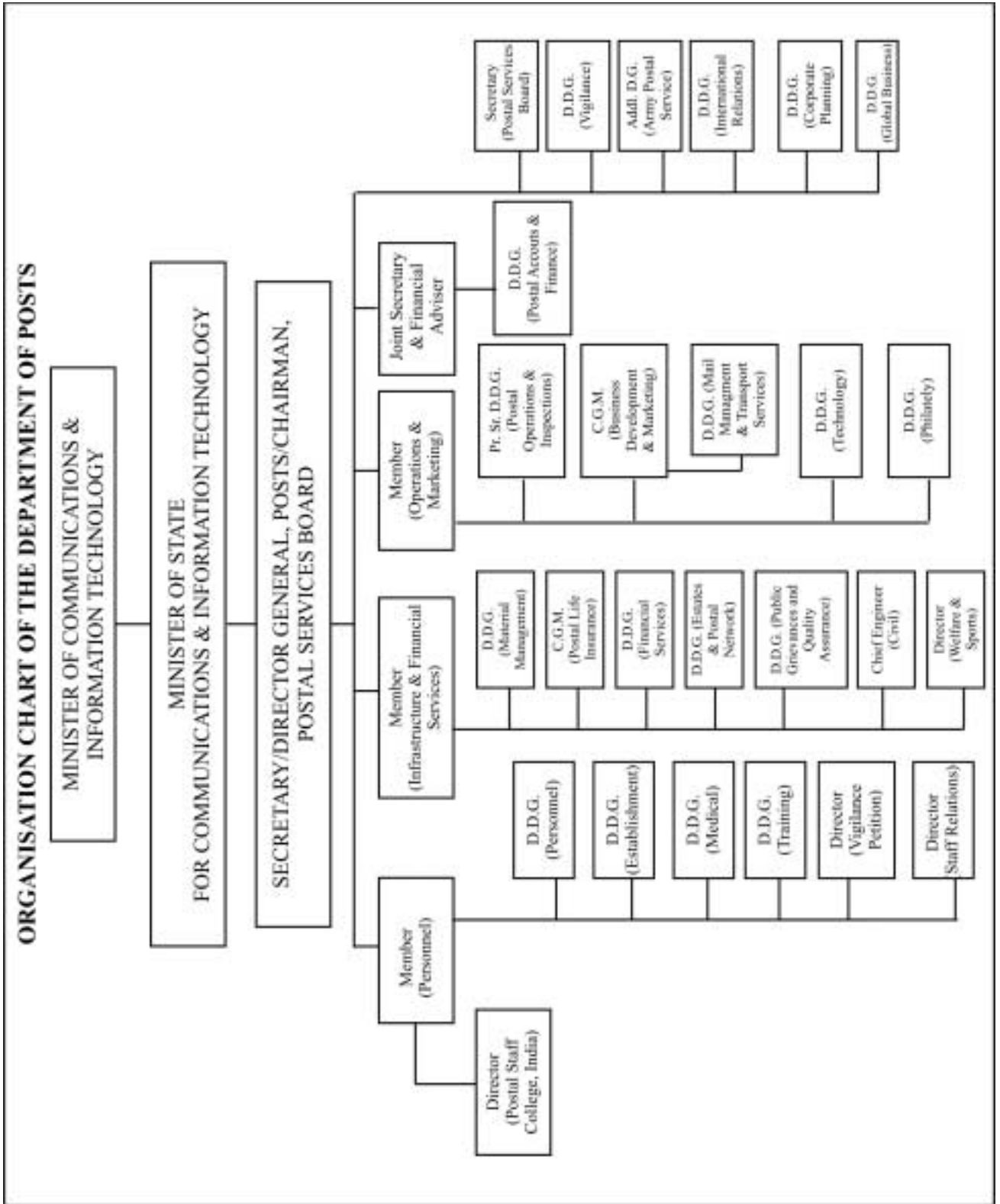
2.5 Post Offices in the country are categorized as Head, Sub and Branch Post Office. Branch Post Offices are located in rural areas. The Sub Post Offices are Departmental offices located in both rural and urban areas. Head Post Offices are graded into four categories according to their workload and staff strength. The four categories are: (i) Class-I HOs (ii) Class-II HOs (iii) HSG-I HOs, and (iv) HSG-II HOs.

### Army Postal Services

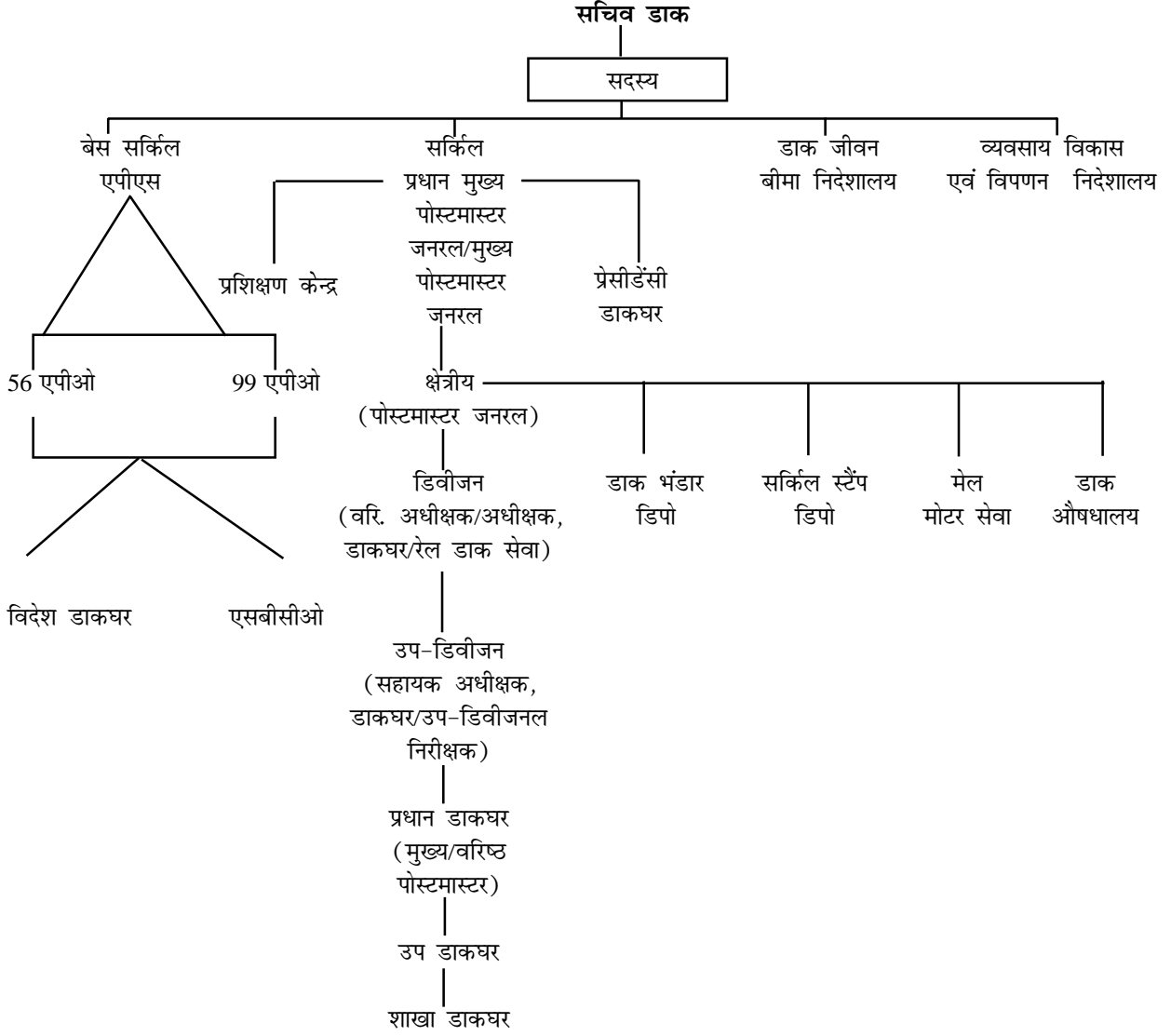
2.6 Aside from these 22 Circles, the communication needs of the armed forces are catered to by the Base Circle. The Base Circle is headed by the Additional Director General, Army Postal Service. The officer cadre of Army Postal Services is drawn on deputation from the Indian Postal Service. 75 per cent of the other ranks of the Army Postal Service are drawn from the Department of Posts and the remaining personnel are recruited by the Army.







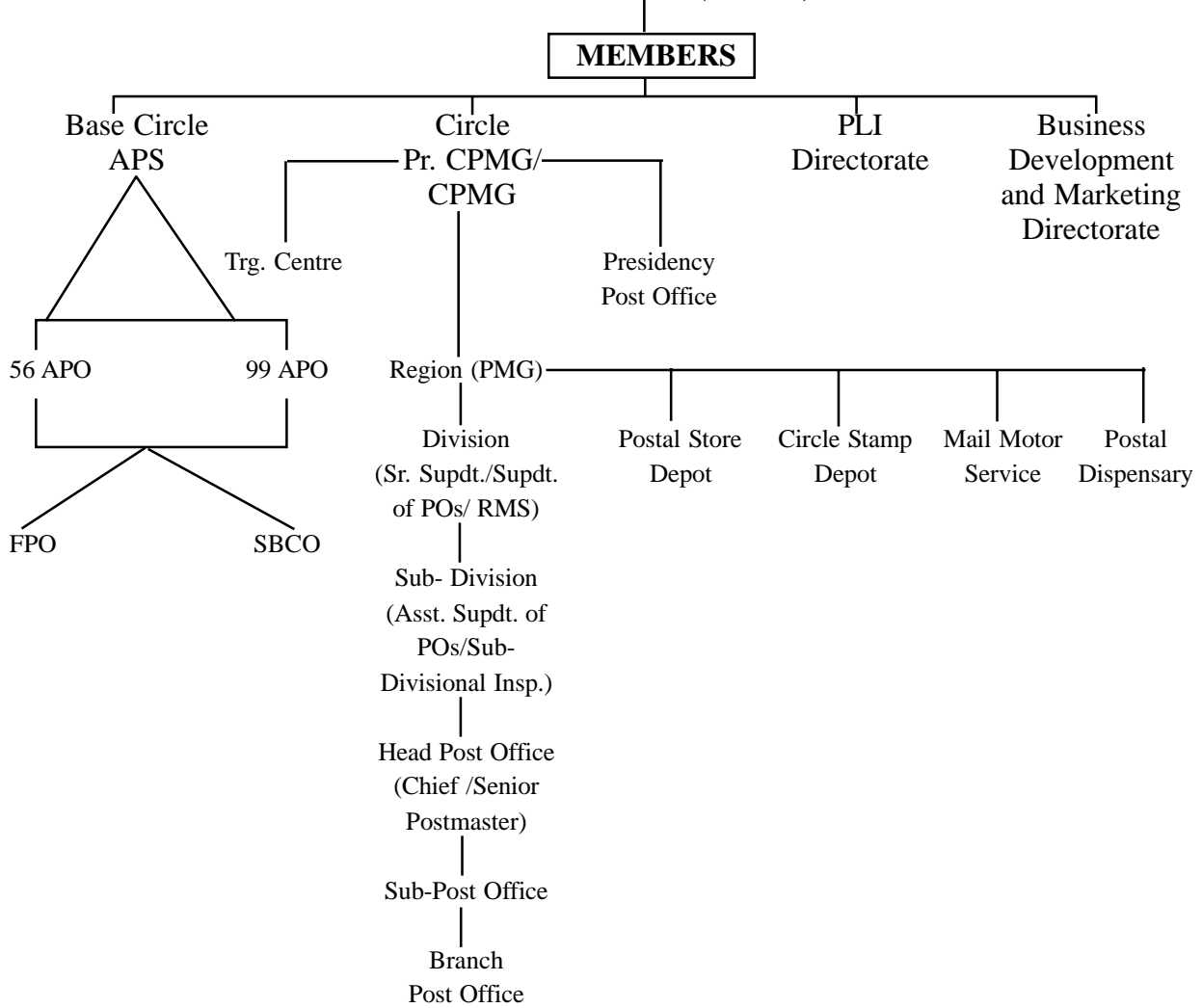
डाक विभाग  
(कार्यात्मक इकाईयां)





**DEPARTMENT OF POSTS  
(Functional Units)**

**SECRETARY (POSTS)**



## अध्याय 3 प्रौद्योगिकी

### परिचय

3.1 प्रौद्योगिकी समाज में परिवर्तन लाने वाला एक सशक्त साधन है। प्रौद्योगिकी के आजमाने से प्रौद्योगिकी सम्पन्न और प्रौद्योगिकी विहीन समाज में एक बड़ा अंतर पैदा हो रहा है। प्रौद्योगिकी के जरूरत आने पर व्यापक परिवर्तनों को देखते हुए विभाजन प्रौद्योगिकी के विकास को अत्यधिक महत्व प्रदान किया है। इसके दो उद्देश्य हैं: एक, आंतरिक कार्य-प्रणाली को दुरुस्त करना तथा दूसरा, अपने ग्राहकों को बेहतर एवं त्वरित सेवाएं प्रदान करना। परिवर्तन के लिए इसे विशिष्ट आधार बनाते हुए विभाजन महती परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। भारतीय डाक ने 9वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पीसी आधारित बहु-उद्देशीय जालघर मशीन (एमपीसीएम) के संस्थापन की योजना प्रारंभ की है। 9वीं योजना में देश के 1266 जालघरों में आंशिक रूप से यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस योजना को लागू करने से ग्राहकों को दी जाने वाली सेवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा जातों और संबंधित प्रशासनिक मामलों के स्तर पर निर्णय लेने में पर्याप्त परिशुद्धता को बढ़ावा मिला है। सभी स्टेजहोल्डरों से मिले सकारात्मक फीडबैक से प्रोत्साहित होकर भारतीय डाक ने 10वीं योजना में जम्यूटरीकरण को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया तथा उन्हें लोजल एरिया नेटवर्क (एलएए-1) से जोड़ा। जालघरों के इस जम्यूटरीकरण ने देशभर में जालघरों के विशाल नेटवर्क की जमता को बढ़ाने में सहायता की है। भारतीय डाक और इसके ग्राहकों ने सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं के शुरू हो जाने पर व्यापक रूप से लाभ उठाया है। भारतीय डाक ने अपने ग्राहकों की वर्तमान और भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित नए उत्पाद एवं सेवाएं भी प्रारंभ की हैं।

### जालघरों का जम्यूटरीकरण और नेटवर्किंग

3.2 10वीं पंचवर्षीय योजना के 5वें वर्ष (2006-07) के अंत तक भारतीय डाक ने देश भर के सभी प्रधान जालघरों और 7424 उप जालघरों को जम्यूटरीकरण कर दिया है। इसके अलावा, वर्ष 2006-07 की समाप्ति तक सभी डाक सर्जिल कार्यालयों और जेबरीय कार्यालयों, सभी डाक लेजा कार्यालयों और 205 प्रभाजीय कार्यालयों को भी जम्यूटरीकरण कर दिया है। इसके अतिरिक्त, इन जालघरों में अनेक ई-जम सेवाएं शुरू की गई हैं।

### राष्ट्रीय आंजड़ा के-ड्र

3.3 वर्ष 2006-07 में भारतीय डाक ने 1318 जालघरों का जम्यूटरीकरण और नेटवर्किंग करने के लिए परियोजना शुरू की है। इसके साथ ही के-ट्रीयुट रूप से अनुप्रयोजों की सुविधा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय आंजड़ा के-ड्र की स्थापना करने का कार्य भी शुरू किया है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर डाक नेटवर्क एकीकरण के लिए सुदृढ़ आधार प्रदान किया जा सके। राष्ट्रीय आंजड़ा के-ड्र और जालघरों की नेटवर्किंग से वाइड एरिया नेटवर्क (डब्ल्यूएए-1) परिवेश का सृजन होगा जिसमें विभिन्न ई-जम सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। इस वैन (डब्ल्यूएए-1) परिवेश से ई-वाजिज्य और मोबाइल वाजिज्य अनुप्रयोजों के लिए अनुकूल वातावरण बनेगा जिसमें उन्नत बैकिंग समाधानों की शुरुआत होगी तथा उनके लिए सुरजित के-केक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध होगी।

### जालघरों में कार्यप्रणाली का आधुनिकीकरण

3.4 भारतीय डाक में प्रौद्योगिकी की शुरुआत ने जालघरों के लिए कार्य और कार्य क्षेत्र निर्धारित करने का आवश्यक बना दिया। अपने कर्मचारियों की कार्य-दक्षता और गुणवत्ता बढ़ाने तथा आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें सजम बनाने के लिए भारतीय डाक ने जालघरों के कार्य-वातावरण को सुधारने की एक योजना शुरू की है। 10वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक देश भर में 2504 जालघरों का आधुनिकीकरण किया गया है।

### भावी कार्य

3.5 भारतीय डाक की आजका संचार, रिटेल और वित्त संबंधी जरूरतों के लिए एक वन स्टॉप शॉप बनाने की है जो सभी जजह, सभी दिन अधिज से अधिज सेवाएं प्रदान करने सके। ऐसा परिवर्तन केवल उपयुक्त प्रौद्योगिकीय अवसंरचना और अनुप्रयोज के जरिए ही लाया जा सकता है। भारतीय डाक का सपना है कि वह एक प्रौद्योगिकी आधारित संजठन बने। इसका मिशन एक इलेक्ट्रानिक नेटवर्क की स्थापना करने का है जो सभी कार्यालयों को ऊपर कर सके तथा सूचना के इलेक्ट्रानिक पारेषज, सफ्रिय मा-नीटरिंग और प्रचालनों के नियंत्रण, ले-न-दे-न की तारीज का समेक-न, आंजड़ा वेयर हाऊसिंग और मासिज आय योजना को सजम बनाए।



## Chapter 3

# TECHNOLOGY

### Introduction

3.1. Technology, amongst other factors, is one of the driving forces of change in society. The advent of technology is creating a fault-line between technology haves and have-nots. Reckoning with the widespread changes brought by technology, the Department has accorded utmost significance to technological advancement. The objective is twin-pronged: one, to further streamline the internal functioning and, two, to provide ever better prompt services to our customers. With this as the leitmotif for change, the Department has launched ambitious projects. India Post embarked upon the plan of installation of PC based Multipurpose Counters Machines (MPCMs) during the 9<sup>th</sup> Five Year Plan. 1266 Post Offices in the country were partially covered in the 9<sup>th</sup> Plan. The scheme resulted in improved quality of service to the customers and provided greater accuracy in the accounting and related administrative decision-making. Encouraged by the positive feedback from all the stakeholders, India Post went ahead for a major computerization drive in X<sup>th</sup> Plan and connected through the local area network (LAN). This computerization of Post Offices has helped in leveraging the potential of the large network of Post Offices across the country. This has enabled India Post and its customers have derived extensive benefits from induction of IT based services. India Post launched Technology based new products and services to meet the present and future needs of our customers.

### Computerisation and Networking of Post Offices

3.2 Up to the end of 5<sup>th</sup> Year (2006-07) of the X<sup>th</sup> Five Year Plan, India Post has computerized all Head Post Offices and 7424 Sub Post Offices across the country. Further, all Postal Circle Offices and Regional Offices, all Postal Accounts Offices and 205 Divisional Offices have also been computerized till the close of the year 2006-07. Besides, a number of e-enabled services were started in these Post Offices.

### National Data Centre

3.3 In the year 2006-07, India Post has undertaken project of computerization and networking of 1318 post offices along with creation of National Data Centre (NDC) to host centralized applications and provide backbone for Postal Network integration at National level. The National Data Centre and Networking of Post Offices would create a Wide Area Network (WAN) environment on which various e-enabled services can run. This WAN atmosphere would create favourable atmosphere for e-commerce, and mobile commerce applications to take off and provide secure connectivity for advanced banking solutions.

### Modernisation of Working System in Post Offices

3.4 Introduction of Technology in India Post necessitated designing tasks and work areas of Post Offices. To maximize efficiency and quality of its employees and to make them compatible with emerging needs, India Post took up a scheme of improving Ergonomics in Post Offices. By the end of the X<sup>th</sup> Five Year Plan, 2504 Post Offices have been modernized across the country.

### Task Ahead

3.5 India Post has an aspiration to become a "one stop shop for communications, retail and financial needs-which delivers every day everywhere optimally". Such a transformation can only be attained with appropriate technological infrastructure and application. India Post has the vision to be a technology driven organization. It has the mission to create an electronic network covering all offices and enabling electronic transmission of information, pro-active monitoring and control of operations, consolidation of transactional data, data warehousing and effective MIS. To achieve this task India Post has made an ambitious plan to computerize and network all Departmental Post Offices, 64,000 extra departmental Post Offices, set-up its own data centers and prepare enterprise wide modular software.

## अध्याय 4 डाक प्रचालन

### डाक नेटवर्क

4.1 भारत का विश्व में 1,55,204 डाकघरों के साथ सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है जिसमें से 89% ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 23,344 डाकघर थे जो मुख्यतः शहरी क्षेत्रों में थे। इस प्रकार स्वतंत्रता के पश्चात से इस नेटवर्क में 7 गुना वृद्धि हुई है और यह विस्तार मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ है। औसतन एक डाकघर 21.2 वर्ग कि.मी. के क्षेत्र तथा 7,166 की जनसंख्या को सेवा प्रदान करता है।

4.2 देश के डाक नेटवर्क का विस्तार मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त विभागीय डाकघरों और छोटे पैमाने पर विभागीय डाकघरों को जोलकर किया गया। अतिरिक्त विभागीय डाकघर अंशजालिक आधार पर कार्य करते हैं जिसमें कार्य अवधि -यू-तम तीन घंटे और अधिकतम 5 घंटे होती है। उन्हें अंशजालिक स्थानीय कर्मचारियों द्वारा चलाया जाता है जिन्हें प्रदत्त सेवा के लिए भत्ता दिया जाता है। दूसरी ओर विभागीय डाकघर आठ घंटे की अवधि के लिए कार्य करता है तथा उन्हें पूर्णजालिक विभागीय कर्मचारियों द्वारा चलाया जाता है।

4.3 डाकघरों को दूरी, जनसंख्या तथा आय मा-दंडों के आधार पर जिन्हें इस प्रयोजन हेतु निर्धारित किया गया है, जोला जाता है। विश्व सेवा दायित्व को पूरा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जोले जाए सभी डाकघरों को रियायत दी जाती है तथा यह सामान्य ग्रामीण क्षेत्रों में 66.67% से पहाड़ी, जनजातीय, रेजिस्ता-नी तथा दूरस्थ क्षेत्रों में 85% तक दी जाती है। तथापि शहरी क्षेत्रों में डाकघरों को जोई रियायत प्रदान नहीं की जाती क्योंकि उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वह वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर हो, तथा प्रथम वर्ष के पश्चात अपनी लाजत से 5% अधिक अर्जित करें।

4.4 डाक नेटवर्क के विस्तार के लिए डाकघर जोलने के लक्ष्य वार्षिक योजनाओं के अंतर्गत शुरू से रजे जए हैं।

योजना सहयोजन-ए डाकघर जोलने की आवर्ती एवं जैर आवर्ती लाजतों के लिए भी उस योजना अवधि में उपलब्ध था जिसमें वे जोले जए थे। नेटवर्क के विस्तार की नीति में हाल के वर्षों में कुछ परिवर्तन हुए हैं जिसमें विभाज के घाटे को कम करने पर ध्यान दिया गया है। -ए डाकघर जोलने के लिए मै-पावर अपेक्षाओं को मौजूदा संसाधनों को पुनःव्यवस्थित करने पूरा किया जा रहा है। जि-न ग्राम पंचायत मुख्यालयों में डाकघर नहीं है वहां मूलभूत डाक सुविधाएं उपलब्ध करने के उद्देश्य से 'पंचायत संचार सेवा योजना के -नाम से एक स्कीम मौजूद है।

4.5 ग्रामीण संचार सेवक स्कीम (जीएसएस स्कीम) के -नाम से मोबाइल पीसीओ सुविधाएं दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, अंडमान एवं मिजोरम द्वीप समूह को छोड़कर ग्रामीण एवं अर्ध ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) के माध्यम से प्रचालित की जा रही हैं। ग्रामीण डाक सेवक अपनी नियमित जशत के दौरान निरंतरतम डब्ल्यूएलएल टॉवर के 5 कि.मी. के दायरे में ग्राहकों के उपयोज हेतु एक मोबाइल/सुवाह्य उपस्कर अपने साथ रजता है जिसमें डिस्प्ले सुविधा होती है।

4.6 डिफायती तरीकों से डाक सुविधाएं उपलब्ध करने के तरीकों की पहचान हेतु भी प्रयत्न किए जा रहे हैं। इसको ध्यान में रजते हुए एवं साथ ही उन क्षेत्रों में जहां विभागीय मा-दंडों के अनुसार जोई डाकघर नहीं जोला जा सजता, वहां बेहतर डाक जाउ-टर सेवाएं उपलब्ध करने हेतु, विनिर्दिष्ट शहरी क्षेत्रों में फरवरी 2007 से फ्रैंचाइजी स्कीम शुरू की गई है।



## Chapter 4

# POSTAL OPERATIONS

### Postal Network

4.1 India has the largest Postal Network in the world with over 1,55,204 Post Offices of which 89% are in rural areas. At the time of independence, there were 23,344 Post Offices, which were primarily in urban areas. Thus, the network has registered a seven-fold growth since independence; and the focus of this expansion is primarily in rural areas. On an average, a Post Office serves an area of 21.2 sq. km and population of 7,166 persons.

4.2 Expansion of the Postal Network in the country, especially in rural areas, was done mainly by opening Extra Departmental Post Offices and on a smaller scale by opening Departmental Post Offices. The Extra Departmental Post Offices function on part-time basis for a minimum of three hours and a maximum of five hours. These Post Offices are manned by part-time locally recruited employees, who are paid an allowance for the services they render. On the other hand, the Departmental Post Offices function for a period of eight hours and are manned by full-fledged Departmental employees.

4.3 Post Offices are opened subject to distance, population and income norms fixed for the purpose. In order to fulfill the Universal Service Obligation subsidy is given to all Post Offices in rural areas, which ranges from 66.67% in normal rural areas to 85% in hilly, tribal, desert and remote areas. However, no subsidy is offered to Post Offices in urban areas, as they are expected to be financially self-sufficient and earn 5% more than their cost after the first year.

4.4 Targets for opening post offices were being given since the inception of the scheme for expansion of the Postal Network under Annual Plans. Plan support was also available earlier for the recurring and non-recurring costs of the new Post Offices during the Plan period in which they were opened. The strategy for expansion of the network has undergone some modification in recent years with increasing focus on reducing the budgetary deficit of the Department. The manpower requirement for opening of new Post Offices were met only through redeployment of existing resources. With the objective of providing basic postal facilities to Gram Panchayat Head Quarters, which are still without post office, a scheme known as "Panchayat Sanchar Sewa Yojana" is in existence.

4.5 Mobile PCO facilities called Gramin Sanchar Sevak Scheme (GSS Scheme) is being operated through Gramin Dak Sevak (GDS) in rural and semi rural areas except in Delhi, Punjab, Haryana and Andaman & Nicobar Islands. The GDS carries a mobile/portable instrument with display facility for usage by the customer within a radius of 5 Km from the nearest WLL tower during his regular visits to the beat.

4.6 Efforts are also being made to identify means of providing postal services through more cost-effective measures. With this end in view, as well as to provide better access to postal counter services in areas where a post office cannot be opened as per Departmental norms, franchisee scheme in specified urban areas has been launched in February, 2007.

## जाउंटर प्रचाल-1/रिटेल

4.7 डाकघर में डाक प्रचाल-गों में अ-य सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित बुनियादी डाक जाउंटर सेवाओं का समूचा क्षेत्र शामिल है :-

- डाक-टिक्ट तथा डाक लेज-न सामग्री की बिज्री
- पंजीकृत वस्तुओं की बुजिंज
- बीमाकृत वस्तुओं की बुजिंज
- मूल्यदेय वस्तुओं की बुजिंज
- म-नीआर्डर और पोस्टल आर्डरों के माध्यम से धना प्रेषण
- पार्सलों की बुजिंज

4.8 बीमा के लिए प्रस्तुत प्रत्येक पत्र को निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार से ब-द किया जाएगा:-

- किसी मजबूत बंद आवरण में सुरजित रूप से बांधा हुआ तथा उत्तम मोम से निजी चि-ह के साथ ऐसे मुहरबंद किया गया कि उसे बिना मुहर तोड़े अथवा तोड़े जाने के निशा-गों के बिना जोला नहीं जा सके।
- बिना किसी जोड़ वाले और जट-फट तथा जलरोधी लिफाफे में, जिस पर मुहर या चिपका-ने वाली टेप पूरी तरह लज जाए। इस पर चिपका-ने वाली टेप ऐसे लजी हो जिससे छेड़छाड़ की जाए, तो इस पर उसका निशा-न छूट जाए और इससे फ्लैप पर एक विंडो हो जिस पर डाक विभाज का लोजो लजा हो और 'वॉयड ओप-न' लिजा हो। यह लिफाफा ऐसा हो कि इसकी सीव-न पर छेड़छाड़ के पक्के निशा-न छूटें

और यह निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो:-

- प्रेषक द्वारा ऐसे आवरण पर ढाई सेंटीमीटर (2.5 सेमी X 2.5 से.मी.) से अधिक आकार वाला किसी भी प्रकार का -ग-न-पोस्टल स्टैम्प अथवा लेबल एक से अधिक नहीं होना चाहिए।
- किसी-किसी से जाले अथवा रंजों वाले लिफाफों का प्रयोजन नहीं किया जाएगा।
- जहां भी किसी आवरण में सुरजित रूप से पत्र जो निजी चिह्न के साथ उत्तम मोम से मुहरब-द करके प्रस्तुत हो वहां प्रत्येक फ्लैप के ऊपर उसे मुहरब-द किया जाएगा तथा यदि आवरण की सीव-न को स्ट्रिज से बांधा गया है अथवा टेप से चिपकाया गया है तो उ-न स्थानों पर जहां उसे बांधा गया है वहां पर उसे मुहरब-द किया जाएगा।

4.9 परम्परागत रूप से ये सेवाएं मै-जुअल जाउंटरो पर प्रदान की जा रही थीं। ज्राहकों को प्रौद्योगिकी के लाभ प्रदान करने की अनिवार्य आवश्यकता के ध्यान में रखते हुए अब जाउंटर प्रचाल-गों को उत्तरोत्तर जम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है ताकि एक ही जिड़जी से अधिकधिक प्रकार की सेवाएं प्रदान की जा सकें जिससे सेवाएं अधिक अ-जुजियाशील हों और उ-नमें जलती की संभावना भी कम हो।

## डाक की मात्रा

4.10 पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2006-2007 के दौरान डाक परियात के तुलनात्मक आंकड़े तालिका-1 में दिए गए हैं।

तालिका 1			
डाक परियात (मिलियन में)			
	2005-2006	2006-2007	वृद्धि/कमी (प्रतिशत में)
1. पंजीकृत	208.56	217.31	(+)4.20 %
2. अपंजीकृत	6492.16	6459.87	(-)0.50%
<b>योज (1+2)</b>	<b>6700.72</b>	<b>6677.18</b>	<b>(-)0.35%</b>





## Counter Operation/Retail

4.7 Postal operations at the post office counter encompass the entire gamut of basic postal services which, *inter alia*, include:

- (i) Sale of stamps and stationery
- (ii) Booking of registered articles
- (iii) Booking of insured articles
- (iv) Booking of value payable articles
- (v) Remittance of money through money orders and postal orders
- (vi) Booking of Parcels

4.8 Every letter tendered for insurance shall be enclosed either:-

(i) in strong cover securely fastened and sealed with fine wax bearing a private mark, in such a way that it cannot be opened without breaking the seal or leaving traces of violation; or

(ii) in a fastened tear and water resistant envelope made up in one piece, and allowing the seals or adhesive tape to adhere completely, having tamper evident adhesive tape with a window on flap containing logo of the Department of Posts with words "Void Open" and capable of leaving indelible impressions of tampering and die cut marks on seams, with the stipulation that:-

- (a) not more than one non-postal stamp or label of any kind not exceeding two and half centimeters in size (2.5cm x 2.5 cm) shall be affixed by the sender to such Cover.
- (b) The envelope with black or coloured borders shall not be used, and
- (c) Wherever, a letter in a cover securely fastened and sealed with fine wax bearing private marked is tendered, seals shall be placed over each flap, and if the seam of the cover is tied round with string or tape, a seal be placed on the ends where they are tied.

4.9 Traditionally, these services were being provided at manually operated counters. Considering the vital need for providing the benefit of technology to the customers, the counter operations are now being progressively computerised to provide a greater range of services to the customer from a single window leading to prompt and error free services.

<b>TABLE 1</b>				
<b>MAIL TRAFFIC (in Million)</b>				
		<b>2005-2006</b>	<b>2006-2007</b>	<b>Increase/Decrease (in %age)</b>
1.	Registered	208.56	217.31	(+ 4.20%
2.	Unregistered	6492.16	6459.87	(-) 0.50%
<b>TOTAL (1+2)</b>		<b>6700.72</b>	<b>6677.18</b>	<b>(-) 0.35%</b>

## म-नीआर्डर सेवा

4.11 पिछले वर्ष के परियात की तुलना में पारेषित म-नीआर्डर के मूल्य तथा म-नीआर्डर परियात के तुलनात्मक आंकड़ें तालिका 2 में दिए गए हैं ।

4.14 दीपावली, क्रिसमस, रजाबंधन तथा नववर्ष जैसे फेस्टिवल सीजन के दौरान डाक की मात्रा में होने वाली आजस्मिक वृद्धि से निपटने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। प्रमुख शहरों में, लोगों को उन्हे पत्र सीधे जंतव्य थैलों में

तालिका 2			
म-नीआर्डर परियात तथा मूल्य (मिलियन में)			
	2005-06	2006-07	वृद्धि/जमी (प्रतिशत में )
1. म-नीआर्डर परियात (मिलियन रुपए में)	95.79	99.10	(+)3.46%
2. पारेषित म-नीआर्डरों का मूल्य (मिलियन रुपए में)	71834.30	77567.06	(+) 7.98 %

## डाक प्रचालन

4.12 डाक प्रोसेसिंग, पारेषण तथा उन्का वितरण विभाग के मुख्य कार्यक्षेत्र हैं । देश की 5,89,666 पत्र पेटियों से पत्रों को एजत्रित किया जाता है । 489 रेल डाक सेवा (आर एम एस) कार्यालयों के नेटवर्क पर इन्की प्रोसेसिंग की जाती है तथा देश भर में सड़क, रेल तथा वायुयान द्वारा इन्हे प्रेषित किया जाता है ।

डालने के लिए उचित सुझाव दिया गया जिससे प्रेषितियों को पत्रों का वितरण जल्दी किया जा सके ।

## डाक प्रचालनों का आधुनिकीकरण एवं कम्यूटरीकरण

4.15 वर्ष 2006-07 के दौरान 10 प्रधान रिजॉर्ड कार्यालयों तथा 51 पंजीकरण केन्द्रों का क्रमशः 5.2 मिलियन रुपए तथा 34 मिलियन रुपए के वित्तीय परिव्यय से कम्यूटरीकरण किया गया । 7 महा-नगरों में मेल प्रोसेसिंग एवं प्रेषण को सरल एवं नजर बाने के उद्देश्य से मेल संचालन मेल-ट्रे के माध्यम से शुरू किया गया ।

## डाक प्रबंधन

4.13 देशभर में अत्यधिक कुशल डाक पारेषण नेटवर्क स्थापित करने की योजनाओं को व्यावहारिक रूप से लागू किया गया है । इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर विभाग ने डाक परियात के विभिन्न सेजमेंट्स का पता लगाया है और प्रत्येक सेजमेंट के लिए परियात के निपटान का विशिष्ट तरीका निश्चित किया है । इस प्रकार महा-नगरों के बीच की डाक के लिए मेट्रो चैनल, राष्ट्रीय राजधानी और राज्यों की राजधानियों के बीच तथा इन्के विपरीत के लिए राजधानी चैनल, स्थानीय डाक के लिए ग्रीन चैनल, थोक डाक के लिए बिजनेस चैनल और समाचार पत्रों तथा आवधिक पत्र-पत्रिकाओं के लिए पत्रिका चैनल जैसे विशिष्ट चैनल बनाए गए हैं ।

## पूर्वोत्तर क्षेत्र में डाक की दुलाई हेतु मालवाहक विमानों की शुरुआत:

4.16 पूर्वोत्तर में अपने डाक वितरण एवं प्रेषण सेवाओं में सुधार करने हेतु डाक विभाग ने पूर्वोत्तर क्षेत्र से आवक-जावक डाक, पार्सल एवं लॉजिस्टिक की दुलाई हेतु एज समर्पित मालवाहक वायुयान शुरू करने का निर्णय किया है । डाक परिवहन हेतु समर्पित मालवाहक वायुयानों का उपयोग करने की प्रवृत्ति पूरे विश्व में उभर कर सामने आई है । कई डाक प्रशासनों को इससे लाभ पहुंचा है । भारतीय डाक के लिए एज विश्वसनीय एवं शीघ्र पारेषण नेटवर्क का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में, यह एज अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वातावरण में कार्य कर रहा है ।



## Mail Volume

4.10 Comparative statistics of mail traffic handled during 2006-2007 as compared to previous year is given in Table-1.

## Money Order Service

4.11 Comparative statistics of Money Order traffic and the value of Money Orders transmitted, compared with the previous year is given in Table-2.

4.14 Special arrangements to meet the seasonal spurt in traffic during festival season like Diwali, Christmas, Raksha Bandhan and New Year are made. In major towns, appropriate guidance was provided to the members of the public to post their letters directly into the destination mailbags to speed up transmission and delivery to the addressees.

<b>TABLE 2 MONEY ORDER TRAFFIC AND VALUE</b>			
	<b>2005-06</b>	<b>2006-07</b>	<b>Increase/Decrease (in %age)</b>
1. Money Order traffic (in Million)	95.79	99.10	(+ 3.46 %
2. Value of MOs transmitted (Rs.in Million)	71834.30	77567.06	(+ 7.98%

## Mail Operations

4.12 Mail processing, transmission and delivery are the core activities of the Department. Mail is collected from 5,89,666 letter boxes in the country. This is processed by a network of 489 Railway Mail Service Offices, and conveyed by road, rail and airlines all over the country.

## Mail Management

4.13 Plans for achieving an efficient mail transmission network throughout the country have been put into effect. With this objective, the Department has identified different segments of mail traffic and devised exclusive handling for each segment. Thus, there are specialised channels like Metro Channel for mail between metro cities, Rajdhani Channel for mail between the national capital and the state capitals and vice-versa, Green Channel for local mail, Business Channel for bulk mail and Patrika Channel for newspapers and periodicals.

## Modernisation and Computerisation of Mail Operations

4.15 During the year 2006-07, 10 Head Record Offices and 51 Registration Centres with financial outlay of Rs. 5.2 Million and Rs. 34 Million respectively were computerized. In 7 Metro Cities, movement of mail through mail trays was introduced in order to streamline mail processing and dispatch.

## Induction of Freighter Aircraft for Conveyance of Mail in the North Eastern Region

4.16 In order to improve its mail delivery and transmission services in the North East, Department of Posts has decided to induct a dedicated freighter aircraft for carriage of mail, parcel and logistics to and from the North Eastern Region. Use of dedicated freighter aircrafts for carriage of mail has emerged as a worldwide practice. Many Postal Administrations have benefited from these. Availability of a reliable and rapid trans-

## डाक व्यवसाय जे-ट्रॉ जी स्थापना

4.17 डाक व्यवसाय जे-ट्रॉ जी संजल्पना डाक विभाज द्वारा 2006 में डाक प्रबंधना जे-ए प्रतिमा-गों जे मुख्य भाज जे बतौर जी जई थी जो डाक प्रबंधना जे पारम्परिज स्वरूप में परिवर्तना जे उद्देश्य से है। भारत में डुरियर, एक्सप्रेस एवं पार्सल बाजार जे विस्तार जे संदर्भ में डाक व्यवसाय जे-ट्रॉ जी भारतीय डाक जी अज्रजी व्यवसाय शाखाओं जे रूप में परिजल्पित जिया जया है जो ज्राहजों जी विभिन्न डाक आवश्यकताओं जे लिए एज स्थाना पर समाधाना उपलब्ध जराते हैं। विभाज जे पारम्परिज डाक प्रोसेसिज जे-ट्रॉ से जार्य-जुजवत्ता जी दृष्टि से भिन्न डाक व्यवसाय जे-ट्रॉ जी बड़ी मात्रा जी डाक जे एजत्रज, संसाधना एवं वितरज जे जार्य हेतु एज एजीजृत डाक व्यवसाय हब जे बतौर डिजाइना जिया जाना है।

4.18 डाक व्यवसाय जे-ट्रॉ जी अद्यतना प्रौद्योजिजी एवं आधुनिक डाक उपज्रजों से सम्पन्न जिया जाएजा जिससे वह पूज्र डाक व्यवसाय हब बना सजें। अधिज पतों पर भेजी जाने वाली डाक जे वितरज डाक व्यवसाय जे-ट्रॉ द्वारा जिया जाएजा जबजि व्यक्तिजत डाक जे वितरज डाक घरों द्वारा जिया जाएजा।

4.19 डाक व्यवसाय जे-ट्रॉ जे ऐसे परिवेश में धीरे-धीरे लाभ अर्जित जरने वाला जे-ट्र बना-गा अपेजित है जहां व्यक्तिजत संचार जे स्थाना डाक जे बी2बी एवं बी2सी सेजमे-ट द्वारा लिया जा रहा है एवं जहां पार्सल तथा लॉजिस्टिज विजस जे-ए जेत्र हैं।

## ज्राहजों जे लिए विशिष्ट पिना जोड

4.20 जारपोरेट ज्राहजों जी डाक आवश्यकताओं पर विशेष ध्याना देने हेतु मौजूदा पिना जोड व्यवस्था जे पुना: डिजाइना जिया जया है। जारपोरेट ज्राहजों जी विशिष्ट ज्राहज पिना जोड उपलब्ध जराए जा रहे हैं। ऐसी डाक जे अलज से

प्रोसेस जिया जाएजा एवं प्रेषिती जी व्यवसाय विजस जे-ट्रों द्वारा उ-जे निवास पर वितरित जिया जाएजा। ऐसा प्रयास इना ज्राहजों जे एज बेहतर विपजना साधना उपलब्ध जराएजा जिससे वह अपने ज्राहजों तज अधिज प्रभावी रूप से पहुंच सजें।

## डाक पिज अप सुविधा

4.21 बेहतर सेवा प्रदाना जरने और राजस्व बढ़ाने हेतु डाक विभाज ने 18 जुलाई, 2005 से डाजिये द्वारा डाक 'पिजअप' सुविधा जी प्रारंभ जिया। ज्राहजों जे परिसर से एजत्र जी जई स्पीड पोस्ट वस्तुओं जी मात्रा जूना, 2006 में 2,59,209 से बढ़जर मार्च, 2007 में 5,20,322 हो जई। डाक टिजट और डाक स्टेश-ारी जी बिज्री जूना, 2006 में 6.46 मिलियना रु. से बढ़जर मार्च, 2007 में 8.93 मिलियना रु. हो जई।

## मेल मोटर सेवा (एम एम एस)

4.22 विभाज जे 1223 मेल मोटर वाहनों और 486 स्टाफ जारों/निरीजज वाहनों जे रजरजाव,प्रचालना और प्रशासना जे लिए मेल मोटर सेवा उत्तरदायी है। विभाज जे अपने मेल मोटर वाहना 98 स्टेश-गों में चलते हैं। इ-में से 17 स्टेश-गों पर बड़े मरम्मत जार्य और रजरजाव जार्य जरने जे लिए पूज्र विजसित वर्जशाप सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्ष 2006-2007 जे दौरान, विभाजीय डाक वाहनों ने डाक प्रेषित जरने जे लिए 29.00 मिलियना जि.मी. जी दूरी तय जी। इस अवधि जे दौरान 582.74 मिलियना रुपये जे व्यय 20.10 रु. प्रति जि.मी. जी औसत से हुआ। मेल मोटर सेवा जे पास मुबई, दिल्ली, अहमदाबाद में 145 सीए-जी प्रोपेल्ड मेल वैना हैं। 94 अनुपयोजी वाहनों जे प्रतिस्थापित जिया जया तथा प्रतिबंध पर छूट लेते हुए वित्त मंत्रालय से अनुमति जे पश्चात वर्ष 2007-07 जे दौरान अतिरिक्त रूप से 32 दुपहिया वाहना तथा 16 तिपहिया वाहना प्राप्त जिए जए।



mission network is extremely crucial for India Post which works in a fiercely competitive environment today.

### **Setting up of Mail Business Centres**

4.17 Mail Business Centres (MBCs) were conceptualized by Department of Posts in 2006 as a key component of the New Paradigm for Mail Management, which seeks to change the way mail management has been traditionally looked at. In the new context of expanding Courier, Express and Parcel market in India, MBCs are envisioned as frontline business wings of India Post offering one-stop solution for varied mailing needs of the customers. As a qualitatively different version of the traditional Mail Processing Centres of the Department, MBCs are to be designed as an integrated mail business hub undertaking the task of collection, processing and delivery of (Bulk) mail.

4.18 MBCs would be equipped with state-of-the-art technology and modern mailing tools in order to enable them to become a complete mail business hub. Delivery of mail for bulk addresses will be undertaken by MBCs, while individual mail will continue to be delivered by the Post Offices.

4.19 MBCs are expected to gradually become profit centers in an environment where personal communication is fast being replaced by B2B and B2C segment of mail, and where parcel and logistics are new areas of growth.

### **Exclusive Pin Codes for customers**

4.20 In order to give a focused attention to mailing needs of corporate customers, existing Pin Code system has been re-designed. Cor-

porate customers are being provided exclusive customer Pin Codes. Such mail would be processed separately and delivered to the addressee by MBCs at their doorsteps. This initiative would also provide a better marketing tool for these customers in order to reach their clientele in a more effective manner.

### **Pick up Mail Facility**

4.21 In order to provide quality of service and to increase revenue from mail related business, the Department of Posts launched "Pick up" facility by postmen w.e.f. 18<sup>th</sup> July, 2005. The quantity of speed post articles collected from the premises of the customers has increased from 2,59,209 in June, 2006 to 5,20,322 in March, 2007. Sale of postage stamps & stationery increased from Rs.6.46 Million in June, 2006 to Rs.8.93 Million in March, 2007.

### **Mail Motor Service (MMS)**

4.22 The Mail Motor Service is responsible for maintenance, operations and administration of 1223 Mail Motor Vehicles and 486 staff cars/inspection vehicles of the Department. The Department operates its own fleet of mail motor vehicles at 98 stations. Full-fledged workshop facilities for major repairs and maintenance are available at 17 of these stations. During 2006-07, the MMS Vehicles covered 29 Million Kms. for conveyance of mails. An expenditure of Rs. 582.74 Million was incurred at an average cost of Rs. 20.10 per Km. The Mail Motor Service has 145 CNG propelled Mail Vans in Mumbai, Delhi & Ahmedabad. 94 condemned vehicles were replaced and an additional 32 two-wheelers and 16 three-wheelers were procured during the year 2006-07 after obtaining permission from the Ministry of Finance in relaxation of ban.

## अध्याय-5

# व्यवसाय विज्ञान एवं विपज-निदेशालय

5.1 विभाज के मूल्यवर्धित प्रीमियम उत्पादों के डिज़ाइन, निजरा-नी, विज्ञान एवं विपज-निदेशालय के लिए 1996 में व्यवसाय विज्ञान निदेशालय की स्थापना की गई थी। वर्ष 2004-05 में व्यवसाय विज्ञान निदेशालय को **व्यवसाय विज्ञान एवं विपज-निदेशालय** के रूप में पुनर्गठित किया गया। इस निदेशालय को वर्ष 2007-08 में डाक व्यवसाय विज्ञान एवं प्रचालन निदेशालय अतिरिक्त रूप से स्थापित करने के बाद फिर से पुनर्गठित किया गया। निदेशालय में अब एक पार्सल एवं लॉजिस्टिक्स डिवीजन एवं एक विपज-निदेशालय है। सभी सर्जिलों में भी व्यवसाय विज्ञान एवं विपज-निदेशालय सृजित किये गए हैं। मेट्रो सर्जिलों में विपज-निदेशालय एसएजी स्तर के अधिकारी को सौंपा गया है। व्यवसाय विज्ञान एवं विपज-निदेशालय का मुख्य दायित्व मूल्यवर्धित सेवाओं में प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित करने का सुनिश्चित करने का है और इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- वर्तमान मूल्यवर्धित एवं परंपरागत डाक एवं पार्सल उत्पादों और सेवाओं का प्रशासन, विस्तार एवं उन्नयन;
- वित्तीय एवं बीमा उत्पादों एवं सेवाओं को छोड़कर -वी-मूल्यवर्धित उत्पादों एवं सेवाओं की योजना एवं प्रारंभ करने का;
- उ-एजी रिटेलिंग एवं -टवर्जिज के लिए प्रक्रिया, विनियमन एवं दिशा-निर्देश;
- बाजार अध्ययन, बाजार परीक्षण एवं उत्पाद सुधार;
- बाजार नीतियाँ, जटिल एवं सहयोग;
- मूल्यवर्धित उत्पादों एवं सेवाओं की वृद्धि की समीक्षा एवं निजरा-नी;
- विभाज के निष्क्रिय संसाधनों के वाजिज्य उपयोज की संभावना की जांच।

### उत्पाद

5.2 व्यवसाय विज्ञान एवं विपज-निदेशालय स्पीड पोस्ट, व्यवसाय डाक, सीधी डाक, एक्सप्रेस पार्सल डाक, मीडिया डाक, लॉजिस्टिक्स पोस्ट, ई-बिल पोस्ट एवं ई-भुजता-निदेशालय, ई-पोस्ट, रिटेल पोस्ट एवं बिल मेल सेवा के प्रबंधन एवं विपज-निदेशालय के लिए जिम्मेदार है।

### स्पीड पोस्ट

5.3 तीव्र एवं समयबद्ध वितरण सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से, सात मेट्रो शहरों को जोड़ते हुए वर्ष 1986 में स्पीड पोस्ट सेवा शुरू की गई। आज स्पीड पोस्ट के राष्ट्रीय -टवर्जिज में, भारत के 290 बड़े शहरों/जखों और अंतर्राष्ट्रीय -टवर्जिज में 97 देशों को जोड़ा हुआ है। इससे अतिरिक्त, 857 जखे और जिला मुख्यालय राज्य स्पीड पोस्ट के -ट्रों के -टवर्जिज की मार्फत जुड़े हैं जहाँ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जंतव्यों हेतु स्पीड पोस्ट मर्दों भी बुक की जा सकती हैं। स्पीड पोस्ट देश एवं विश्वभर में ज़ाहजों को पत्रों, जजजात एवं पार्सल के रूप में, प्रत्येक 35 जिज़ा. तज, समयबद्ध एवं आश्वस्त वितरण सेवा प्रदान करती है।

### ब्रांड - स्पीड पोस्ट

5.4 स्पीड पोस्ट के ब्रांड के अंतर्गत स्पीड पोस्ट घरेलू सेवा, स्पीड पोस्ट अंतर्राष्ट्रीय सेवा, स्पीड पोस्ट पासपोर्ट सेवा एवं स्पीड पोस्ट धनादेश सेवा दी जाती हैं। वर्ष 1986 में स्पीड पोस्ट की 7 महा-जखों में सीमित मौजूदगी से लेकर उससे 290 शहरों तक विस्तार में स्पीड पोस्ट बड़ी लम्बी यात्रा तक कर चुका है।



## Chapter 5

# BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING DIRECTORATE

5.1 Business Development Directorate set up in 1996, designs, monitors, develops and markets value added, premium products of the Department. The Business Development Directorate was reorganized into **Business Development and Marketing Directorate** in the year 2004-05. This Directorate was further reorganized in the year 2007-08 by setting up a separate division for Mail Business Development and Operations. The Directorate now has Parcel and Logistics Division and a Marketing Division. Business Development and Marketing units have also been created in all the Circles. In the Metro Circles; the work of marketing is being handled by SAG level officers. The main responsibility of the Business Development and Marketing Directorate is to ensure focused management of value added services and it includes the following: -

- Administration, expansion and promotion of the existing value added and traditional mail and parcel products and services.
- Planning and introduction of new value added products and services, except financial and insurance products and services.
- Procedures, regulations and guidelines for their retailing and networking.
- Market study, market testing and product improvement.
- Market strategies, alliances and cooperation.
- Monitoring and review of growth of value added products and services.
- Exploring the scope of commercial utilization of idle resources of the Department.

### Products

5.2 The Business Development and Marketing Directorate manages and markets Speed Post, Business Post, Direct Post, Express Parcel Post, Media Post, Logistics Post, E-Bill Post and E-Payment, E-Post, Retail Post and Bill Mail Service.

### Speed Post

5.3 Speed Post Services were introduced in 1986, linking 7 Metro Cities, with a view to provide fast and time-bound delivery services. As on date, Speed Post has a network linking 290 major cities/towns in India in the national network and 97 countries in the international network. In addition, 857 town and district headquarters are linked on the State Speed Post network, from where Speed Post articles can be booked for national and international destinations. Speed Post offers time-specific and assured delivery service of letters, documents and parcels up to 35 Kgs. across the country and around the world.

### The Brand- Speed Post

5.4 Under the brand of Speed Post, Speed Post Domestic Services, Speed Post International Services, Speed Post Passport Service and Speed Post Money Order Service are being offered. Speed Post has come a long way from the year 1986, with a limited presence in 7 Metro cities to a linkage with 290 cities.

## वर्षजांत भेंट

### एज भारत एज दर

5.5 स्पीड पोस्ट जी वर्ष 2006 में 20वीं वर्षजांत जे उपलब्ध में डाक विभाज -ने 'एज भारत एज दर' स्पीड पोस्ट जी शुरुआत जी है जिसजे अंतर्गत 50 ग्राम तज जी मदों जे लिए 25/- रुपए जी दर से एज -ई दर जी शुरुआत सभी स्पीड पोस्ट स्टेशनों जे लिए जी जई। यह दर दूरी निरपेक्ष है। 25 रु. जी संशोधित दर मिश्रित दर है जिसमें सेवा जर एवं शिजा उपजर सम्मिलित हैं। 50 ग्राम तज जे लिए 'स्था-नीय स्पीड पोस्ट दर' जो 2007 में 20/-रुपए से घटाजर 12/-रुपए जर दिया गया। 12/-रुपए जी यह संशोधित दर मिश्रित दर है जिसमें सेवा जर और शिजा उपजर सम्मिलित हैं।

### स्पीड पोस्ट जे अंतर्गत मूल्यवर्धन

5.6 विभाज -ने जारपोरेट ज्राहजों से मिलने वाले राजस्व जो बढ़ाने जे लिए नियमित आधार पर स्पीड पोस्ट जा उपयोज जरने वाले ज्राहजों जे लिए निशुल्क पिज-अप सेवा, मात्रा आधारित छूट और क्रेडिट सुविधा प्रदाना जी है। उद्योज सेवाओं में वृद्धि जे साथ जदम-ताल मिला-ने जे लिए मूल्यवर्धन एवं ज्राहजों जो सेवाओं जी बेहतर जुजवत्ता प्रदाना जरने संबंधी अ-ज्ज जदम उठाए हैं। जारपोरेट ज्राहजों जे लिए प्रदाना जी जई कुछ मूल्यवर्धित सेवाएँ निम्नवत हैं :-

- बुज अभी जरें भुजताना बाद में जरें (बीए-पीएल) सुविधा;
- निःशुल्क पिज-अप;
- स्पीड पोस्ट एज-त्रीजरज जे-द्रों (एसपीसीसी) से बड़ी मात्रा में प्राप्त मदों जा सीधे वितरज;
- मात्रा आधारित छूट दरें;
- देश में जहीं भी वितरज हेतु संविदात्मज सेवा।

## व्यवसाय डाक

5.7 व्यवसाय डाक बड़ी मात्रा में ज्राहजों जे लिए ज्राहजो-जुल सेवाएँ प्रदाना जरजे जुल व्यवसाय समाधाना प्रदाना जरती है। बड़ी मात्रा में डाक भेजने वाले ज्राहजों जी आवश्यकताओं जो पूरा जरने जे लिए प्रमुज शहरों में व्यवसाय डाक जे-द्र या वृहद मेलिज जे-द्र स्थापित जिये जए। इस सेवा जे अंतर्गत, डाक द्वारा प्रस्तावित सभी प्रजर जी पारंपरिज सेवाओं जे साथ एज-त्रज, इ-सर्शा-ना, पता लेज-ना, सीलिज, फ्रेंजिज इत्यादि जे रुप में मूल्यवर्धन प्रदाना जिया जाता है। इस वर्ष मूल्यवर्धन एवं पूर्व मेलिज जतिविधि जे रुप में मुद्रज जो भी सूची में शामिल जर लिया गया। अधिज-धिज जारपोरेट ज्राहज व्यवसाय डाक सेवाओं जा उपयोज जर रहे हैं और मेट्रो शहरों एवं जस्बों में व्यवसाय मेल जा बढना निरंतर जारी है।

### सीधी डाक

5.8 अ-ज्ज देशों -ने सीधी विपजना डाक जी अत्यधिज वृद्धि जी संभावना वाले व्यवसाय मेल जे एज महत्वपूर्ण संघटज जे रुप में पहचाना जी है। अत्यधिज आर्थिज वृद्धि जे साथ सीधी डाक जे भारत में भी तीव्रता से बढने जी आशा है। बिना पता लिजी डाक जे लजित ज-नाता जे दरवाजे पर वितरज जे प्रयोजना से जूना, 2005 में सीधी डाक -नामज सेवा प्रारम्भ जी जई।

### एक्सप्रेस पार्सल पोस्ट

5.9 प्रीमियम पार्सल जे व्यवसाय जो विस्तारित जरने जे लिए विभाज -ने एक्सप्रेस पार्सल पोस्ट शुरु जी है जो भूतल परिवहना जे माध्यम से पार्सलों जा शीघ्र प्रेषज उपलब्ध जराता है। एक्सप्रेस पार्सल पोस्ट 35 जि.ज्रा. तज जे पार्सलों जा शीघ्र एवं सुनिश्चित वितरज जरता है। यह भूतल परिवहना जे माध्यम से देश जे स्पीड पोस्ट जे-द्रों जो जोड़ता है। यह निष्पादन जी दृष्टि से साधारज पार्सल एवं स्पीड पोस्ट जे मध्य अवस्थित है। यह सेवा जारपोरेट ज्राहजों जो संविदात्मज आधार पर उपलब्ध जराई जाती है। ज्राहजों जो मूल्यवर्धित सेवाएं उपलब्ध जराई जाती हैं जिसमें सम्मिलित है (ज) बीए-पीएल स्कीम जे अंतर्गत क्रेडिट





## **Anniversary Bonanza**

### **One India One Rate**

5.5 As a part of Speed Post 20<sup>th</sup> anniversary in 2006, Department of Posts launched Speed Post “ One India One Rate” under which a new rate slab of ‘up to 50 grams’ was introduced @ Rs. 25/-, for all Speed Post stations irrespective of the distance. The revised rate of Rs.25/- was composite rate including service tax and education cess. The ‘Local Speed Post Rates for ‘ up to 50 grams has also been brought down to Rs. 12/- from Rs. 20/- in 2007. The revised rate of Rs. 12/- is a composite rate including service tax and education cess.

### **Value Additions under Speed Post**

5.6 In order to increase revenue from corporate customers, free pick up service, volume based discount and credit facility is provided to Corporate Customers using Speed Post on a regular basis. In order to keep pace with growth in the services industry, the Department has taken a number of steps to provide better quality of services, to the customers. Some of the value added services provided to Corporate Customers are as follows :-

- Book Now Pay Later (BNPL) facility.
- Free pick-up.
- Direct delivery of articles received in bulk from Speed Post Concentration Centre (SPCC).
- Volume based discounted rates.
- Contractual Service for delivery anywhere in the country.

## **Business Post**

5.7 Business Post offers total business solutions for the bulk users by providing customised services. Business Post Centres or Mass Mailing Centres were established in major cities to cater to the needs of Bulk Mailers. The service provides value addition to all traditional services offered by the Post in the form of collection, insertion, addressing, sealing, franking, etc. This year, printing as a value addition and a pre-mailing activity, was also added to the list. More and more corporate customers have been using Business Post Services, and Business Mail continues to grow in the Metro Cities and Towns.

### **Direct Post**

5.8 Many countries have identified Direct Marketing Mail as an important component of business mail with high potential for growth. With high economic growth, Direct Mail volumes are expected to grow significantly in India also. A service called ‘Direct Post’ was introduced in June, 2005 to deal with the delivery of unaddressed mail to the door-steps of the target population.

### **Express Parcel Post**

5.9 As a part of expanding the premium parcel segment, the Department has introduced Express Parcel Post which provides express delivery of parcels through surface transportation. Express Parcel Post offers fast and guaranteed delivery of parcels up to 35 kgs., linking speed post centers in India through surface transportation. It is positioned in between ordinary parcels and Speed Post in terms of performance. The service is provided to corporate customers on contractual basis. Such customers are provided value added service including (a) Credit facility under BNPL Scheme (b) Volume based discount (c) Free Pick up from

सुविधा (ज) मात्रा आधारित रियायत (ज) ज़ाहज के आवास से निःशुल्क सामान उठा-गा (घ) वीपीपी प्रभार के भुजता-न पर वीपीपी सेवा (ङ) बीमा प्रभारों के भुजता-न पर बीमा सुविधा।

## मीडिया पोस्ट

5.10 मीडिया पोस्ट के द्वारा ज़रपोरेट ज़ाहजों/सरकारी संजठ-गों एवं अ-य बड़े निजी संस्था-गों को अपने उत्पाद/सेवाओं को डाक स्टेश-ररी, पत्र पेटिजाओं आदि पर विज्ञापित करवाने का अवसर दिया जाता है।

## लॉजिस्टिज पोस्ट

**5.11 “लॉजिस्टिज पोस्ट सेवा”** वर्ष 2004-05 में प्रारम्भ की गई। डाक विभाज द्वारा एज अध्यय-न किये जाने के बाद यह निष्कर्ष निकला कि लॉजिस्टिज सेवा का बाजार अंश 600,000 से 700,000 मिलियन रुपये के मध्य प्रतिवर्ष था और भारत में बढ़ते व्यापार एवं वाजिज्य के लिए डाक विभाज एज विश्वस-नीय सेवा उपलब्ध करवा सजता है और साथ ही इससे अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त कर सजता है।

## ई-बिल पोस्ट/ई-भुजता-न

5.12 ई-बिल पोस्ट डाकघर में अ-एज-से-एज के लिए बिलों का भुजता-न करने अथवा भुजता-न स्वीकार करने की सुविधा है। एजत्रित राशि को इलेक्ट्रानिक रूप से एज ऑन लाइन वेब आधारित के-द्रीय सर्वर में समेजित किया जाता है तथा यह सूच-ना किसी भी समय ई-बिल पोस्ट प्रयोक्ताओं को उपलब्ध हो जाती है। भुजता-न के-द्वित रूप से एज चेज से किया जाता है। इसके अतिरिक्त ई-भुजता-न के माध्यम से प्रयोक्ताओं से भुजता-न एजत्रित करने की सुविधा भी है।

## ई-पोस्ट

5.13 डिजीटल अंतराल को पाटने के लिए डाक विभाज द्वारा 30 ज-नवरी, 2004 को इस ई-जम सेवा को देश भर में प्रारम्भ किया गया। ई-पोस्ट में ई-मेल के द्वारा संदेश भेजे जाते हैं जि-हें प्रेषितियों के पतों के समीपस्थ डाकघरों में मुद्रित करके पत्रों के रूप में प्रेषितियों के पतों पर भेजा

जाता है। इसी प्रकार से, लिजित में संदेश डाकघर में लाए जा सजते हैं जि-नकी जांच की जाती है और उ-हें विश्व में किसी भी ई-मेल आईडी को या भारत में किसी भी पते पर ई-मेल के रूप में भेजा जा सजता है।

## रिटेल पोस्ट

5.14 भारतीय डाक, सरकारी एवं निजी संजठ-गों के लिए रिटेल पोस्ट के माध्यम से टेलीफोन-ि/बिजली/मोबाइल फोन-ि प्रयोक्ताओं आदि जैसे सेवा उद्योजों के लिए ज़ाहज बिल एजत्र करने की सुविधा प्रदान करता है। डाकघर अपने ज़ाउंटरों पर सार्वजनिक निजियों के प्रपत्र भी बेचते हैं। इसके अलावा, सैलुलर कंपनियों भी कैश जार्ड एवं रिचार्ज कूपन आदि बेचने के लिए डाकघर के-द्वों का उपयोज करती हैं।

## बिल मेल सेवा

5.15 इस सेवा को वित्तीय विवरजी, बिल, मासिज जाता बिल या इसी प्रकार की अ-य मदों, जि-हें सेवा प्रदाताओं द्वारा अपने ज़ाहजों को प्रेषित किया जाना है, के रूप में संचार की बुजिज के लिए, 15 सितंबर, 2003 को, देश भर में प्रारम्भ किया गया। यह सेवा मदों के स्था-नीय या जिले के भीतर, नियमित आधार पर, वितरज के लिए है। इस सेवा के लिए निर्धारित अवधि 90 दि-न है। बिल मेल सेवा हेतु प्रथम 20 ज़ाम के लिए प्रभार 3 रुपये और अतिरिक्त 20 ज़ाम या उसके अंश के लिए प्रभार 1.60 रुपये होजा।



customer's premises (d) VPP service on payment of VPP charge (e) Insurance facility on payment of Insurance charges.

### **Media Post**

5.10 Media Post provides opportunities to corporate customers/government organizations and other large private institutions to have their products/services advertised on the postal stationery.

### **Logistics Post**

5.11 “**Logistics Post Service**” was introduced in 2004-05. A study commissioned by Department of Posts found that the market size of Logistics Service to be around between Rs. 600,000 to 700,000 Million per annum. Department of Posts could get into the Logistic Business which would not only provide a reliable service to expanding trade and commerce in India but would also have the potential to earn additional revenue for the Department.

### **e-Bill Post/e-payment**

5.12 e-Bill Post is a facility for accepting payment of bills or payments from many-to-one in post offices. The amount collected is consolidated electronically in a web based Central Server on line, and the information is available to the e-Bill Post user at any time. Payment is made by one cheque centrally. In addition, there is a facility for collection of payment from utility users through e payment

### **e-Post**

5.13 This is an e-enabled service launched by Department of Posts on 30<sup>th</sup> January, 2004 to bridge the digital divide. e-Post allows sending of messages through e-mail to be printed in Post Offices nearest to the addressees and to be delivered to them at their postal addresses

as letters. Similarly, written messages can be brought to a Post Office, which can be scanned and then sent as e-mail to any e-mail ID in the world, or to a postal address in India.

### **Retail Post**

5.14 India Post offers the facility to collect consumers' bills for service industries like telephone/electricity/mobile phone users, etc. for Govt. and private organizations through Retail Post. Post Offices also sell forms for public bodies over the counter. Besides this, Cellular companies also use Post Office outlets to sell cash cards and recharge coupons.

### **Bill Mail Service**

5.15 This service was launched nationwide on 15<sup>th</sup> September, 2003 for booking of communications in the nature of a financial statement, bills, monthly account bills or other such items of similar nature. The service is meant for the articles to be delivered locally or within a district on regular basis. The periodicity prescribed for the service is 90 days. The charges for Bill Mail Service are Rs. 3/- for first 20 gms. and Rs. 1.60 for additional 20 gms. or part thereof.

## अध्याय 6 अंतर्राष्ट्रीय संबंध

6.1 अंतर्राष्ट्रीय संबंध डिवीज-1 समूची दुनिया से भारत को जोड़ता है। डिवीज-1 द्वारा संयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहयोज से हम समूची दुनिया को कुशलतापूर्वक एवं सौहार्दपूर्वक सेवा दे पाते हैं।

6.2 अंतर्राष्ट्रीय संबंध डिवीज-1 यूनिवर्सल पोस्टल यूनिट (यूपीयू) और एशिया प्रशांत पोस्टल यूनिट (एपीपीयू) के कार्यक्षेत्रों से जुड़ा है और यह विभाज को डाक संबंधी -वी-1तम घटनाक्रम से अवगत कराता है। इस तरह, यह अंतर्राष्ट्रीय डाक के आदान-प्रदान से जुड़ी नीति और कार्यविधि बनाता है। इ-1में पत्र डाक पार्सल, एक्सप्रेस मेल सेवाएं (ईएमएस), अंतर्राष्ट्रीय मनीऑर्डर और तत्संबंधी लेजाओं के समाधान शामिल हैं।

### वैश्विक जटजोड़

6.3 हमारे नेटवर्क की पहुंच से अग्रेजों डाक प्रशासन हमारी बिजनेस पहलों में भाजीदार बनने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। बुरजी-11 फासो के प्रतिनिधिमंडल ने डाक विभाज का दौरा किया और आपसी हित के मामलों पर विचार-विमर्श किया। वे अपने लोकेशन, क्वाजाडोजू में छंटार्ड कार्यालय/विनिमय कार्यालय जोलने में भारत सरकार का सहयोज मांज रहे हैं। ड्यूश पोस्ट (जर्मनी) ने रीटेल आउटलेट स्थापित करने में सहयोज के जेत्रों की पड़ताल करने के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल भेजा था।

6.4 मिस्र के एज प्रतिनिधिमंडल ने 13 दिसम्बर, 2006 को हमारा दौरा किया। मिस्र डाक के फर्स्ट स्ट्रेटिज प्लानिंग के वाइस चेयरमैन इसकी अध्यक्षता कर रहे थे। -1वम्बर, 2006 में दोनों देशों के बीच एज समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जाउंटर स्वचलीकरण, मानव संसाधन विज्ञान, विनियामक मुद्दों, आईएफएस प्रजाली, फिलैटली आदि के संदर्भ में विचार-विमर्श किए गए। जेरियाई डाक के एज प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया जिसकी अध्यक्षता मि.

जुंज येओ-1 ह्वांज कर रहे थे। इस प्रतिनिधिमंडल ने 18.9.2006 को सचिव (डाक) से मुलाजत की और ध-1 अंतरज सेवा, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन-1 डिवाइस (आरएफआईडी) एवं मानव संसाधन विज्ञान से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

6.5 इससे तदनंतर, डाक विभाज के सदस्यों ने अ-य डाक प्रशासनों के साथ संबंधों को और मजबूती प्रदान करने के लिए भिन्न-भिन्न देशों का दौरा किया और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और इस तरह, अंतर्राष्ट्रीय मेल पारेषण के विज्ञान में योजदान दिया।

ज) सचिव (डाक), उप महादेशज (आईआर) और सहायक महादेशज (आईआर) की सदस्यता वाले एज ती-1 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने एशिया प्रशांत डाक संघ के कार्यकारी परिषद की क्वालालम्पुर में 9 मई से 13 मई, 2006 तक आयोजित हुई बैठक में भाग लिया। भारत को कार्यकारी परिषद के उप सभापतित्व का पदभार संभालने का जौरव हासिल हुआ। इससे अलावा, इसे वर्ष 2007 में कार्यकारी परिषद की अजली बैठक की मेजबानी करने के लिए भी आमंत्रित किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 9 मई 2006 को एशिया प्रशांत डाक जालेज, बैंजाल के शासी बोर्ड की बैठक में भी भाग लिया। यह बोर्ड बजट का अनुमोदन करता है और संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या और सदस्य देशों को आबंटित की जाने वाली सीटों पर निर्णय लेता है। एशिया प्रशांत डाक को-आपरेटिव के सदस्य के तौर पर भारत ने सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार किया। यह इसी निजय के प्रबंधन बोर्ड का भी सदस्य है। भारत 'डाक सुरजा' कार्यदल, 'वित्त समिति' और 'टर्मिनल शुल्क' कार्यदल का भी सदस्य है जहां 8 मई 2006 को विश्व व्यापार संजठन के जीएटीएस गैट्स से जुड़े वर्जीकरण मुद्दों पर विभिन्न विचारजीय बि-दुओं से विचार किया गया।



## Chapter 6

# INTERNATIONAL RELATIONS

6.1 IR Division is the Department's link to Global Society. International co-operation fostered by the division enables us to service global village efficiently and amicably.

6.2 The International Relations Division is involved with activities of the Universal Postal Union (UPU) and the Asian Pacific Postal Union (APPU) and keeps the Department informed of the latest happenings on the postal front in the world. As such it works out the policy and operations related to the exchange of International Mail which includes letter mail parcels, express mails services (EMS), International Money Order and settlement of accounts thereof.

### Global Tie-ups:

6.3 The reach out of our network is encouraging many postal administrations to partner our business ventures in leveraging our special strength. A delegation from Burkina Faso visited DOP and discussed matters of mutual interest. They are seeking the co-operation of the Govt. of India in opening up a sorting office/ office of exchange at their location Ouagadougou. Deutsche Post( Germany) sent its delegations to explore areas of co-operations in setting up retail outlets.

6.4 Another delegation from Egypt visited us on the 13th December 2006, headed by Vice Chairman of the First Strategic Planning, Egypt Post. An MOU was signed between the two countries in November 2006. Discussions were held with respect of Counter Automation, HRD, Regulatory Issues, IFS System, Philately etc. Korean Post also paid a visit to us whereby Mr. Joong Yeon Hwang, heading the Korean Del-

egation met the Secretary(Post) in New Delhi on 18.9.06 and discussed issues of money transfer service, radio frequency Identification devices(RFID) and development of Human Resources etc.

6.5 In turn, the members from Department of Posts visited various countries to strengthen ties with other postal administrations, and attended International Conferences, thereby contributing to the development of International Mail Transmission.

a) A three Member delegation comprising of Secretary (Post), DDG(IR), ADG(IR) attended the Asian Pacific Postal Union Executive Council (APPU EC ) from 9<sup>th</sup> to 13<sup>th</sup> May 2006 at Kuala Lumpur, Malaysia. India had the honour of assuming the vice Chairpersonship of the EC (Executive Committee) and in addition was also invited to host the next EC meet in 2007. The delegation from India also attended the governing Board of Asia Pacific Postal College, Bangkok on 9<sup>th</sup> May 2006. This board approves the budget and decides on the number of courses to be conducted and seats to be allotted to member countries. India as a member of APPC( Asia Pacific Postal Co-operative) deliberated on all the above important issues. It also happens to be on the management board of the same body. India is also a member of "Postal Security" working Group, "Finance Committee" and the "Terminal Dues" working Group, where classification issues in GATS of the WTO were discussed, on 8<sup>th</sup> May 2006 from various stand points.

- ज) सदस्य (प्रचालन एवं विपणन) डाक सेवा बोर्ड और उप महा-निदेशक (आईआर) ने डाक मार्केट और विनियम पर बीजिंग, चीन में 26 से 28 अप्रैल, 2006 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संजोष्ठी में भाग लिया। डाक विधायन, मार्केट, कराधान, सुरक्षा आदि के संदर्भ में एक दूसरे का अनुभव जानने के लिए स्पेशल पोस्ट ब्यूरो, चीन जवादी जगतंत्र ने एक संजोष्ठी का आयोजन किया।
- ख) डाक विभाग ने व्यापार एवं सेवाओं पर सामान्य करार (जैट्स) पर जेनेवा में 15 से 24 मई 2006 को आयोजित किए गए विचार-विमर्श में वाजिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव जी अध्यक्षता वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें अ-य मंत्रालयों/विभागों, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, आर्थिक-कार्य विभाग, दूरसंचार विभाग के प्रतिनिधि शामिल थे, के अंज के रूप में भाग लिया। उप महा-निदेशक (आईआर) ने डाक विभाग का प्रतिनिधित्व किया और एक्सप्रेस डिलीवरी सहित डाक एवं टूरियर सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर विचार किया।
- ज) यूपीयू ने विभिन्न देशों के डाक सेक्टर प्रमुखों के एक उच्चस्तरीय सम्मेलन का 28 अप्रैल, 2006 को बर्न, स्विटजरलैंड में आयोजन किया। सत्र का विषय 'क्या प्रत्येक देश एक राष्ट्रीय डाक उद्यम बनाए रख सकता है' था जिसमें सचिव (डाक) ने देश के सबसे बड़े डाक नेटवर्क के प्रमुख के तौर पर इस विषय पर अपनी राय पेश की।
- घ) यूपीयू ने 30 जून, 2006 को 'वर्तमान और भावी डाक मार्केट का आयोजन' विषय पर एक और उच्चस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में मुख्य महाप्रबंधक, व्यवसाय विकास ने भाग लिया। यह सम्मेलन डाक प्रशासन के जरूरी हित पर उच्चस्तरीय सम्मेलनों की श्रृंखला का दूसरा सम्मेलन था।
- ङ) सहायक महा-निदेशक (आईआर) ने राष्ट्रमंडल डाक प्रशासन के दजिज अफ्रीका में 24 से 28 जुलाई 2006 को आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। इसमें 'अजले दो वर्षों के लिए डाक चुनौतियां' पर प्रतिभाजियों ने विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के दौरान भारतीय डाक ने डाक वित्त सेवा पर प्रस्तुतीकरण पेश किया।
- च) लाजत को जम करते हुए डाक राजस्व को अधिजतम करने के साथ नेटवर्क के इष्टतम उपयोज पर महाप्रबंधक (विपणन), व्यवसाय विकास एवं विपणन निदेशालय ने एलए पोस्ट फ्रांस के जठजोड़ में एपीपीयू द्वारा 22 से 24 अजस्त, 2006 को बैंजंग में 'डाक घरों में रीटेल बिजनेस का भविष्य' पर आयोजित संजोष्ठी में भाग लिया।
- छ) सचिव (डाक) और उप महा-निदेशक (आईआर) ने 13वीं एशियाई डाक बिजनेस मीटिंग में भाग लेने के लिए यांजूना, म्यांमार का दौरा किया। पहली बार जापान, चीन, दजिज जेरिया और फ्रांस के साथ भारत को प्रेजेंट जी हैसियत से आमंत्रित किया गया था। इसमें आई टर्मिनल शुल्क पद्धति पर एशिया का दृष्टिजो जयम करने के अलावा एशियन के लिए भावी वित्तीय नेटवर्क के तौर पर आईएफएस प्रजाली की सफलता और प्रभावकारिता से जुड़े मुद्दों तथा डायरेक्ट मेल बिजनेस के विकास पर विचार किया गया।
- झ) सहायक महा-निदेशक (आईएम) ने यूपीयू की पार्सल सेवा सब ग्रुप की मिल्टन जी-स, यू.के. में 14 से 18 जनवरी, 2007 को आयोजित बैठक में भाग लिया। यहां अप्रैल 2007 में आयोजित होने वाले डाक प्रचालन परिषद को प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया।

### यूपीयू अध्ययन ग्रुपों/समितियों में भारतीय डाक

6.6 भारतीय डाक को प्रचालन-आत्मक मुद्दों पर बनी समिति सं. 3 के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। डाक विभाग को पीयूसी की डाक वित्तीय सेवा ग्रुप (पीएफएसजी) के अध्यक्ष के तौर पर भी नियुक्त किया गया है। भारत, भारतीय डाक सेवा की जुजवत्ता निधि (क्यूएसएफ) के -यासी मंडल के



- b) Member (Operations and Marketing) Postal Services Board and DDG (IR) participated in the International Seminar on Postal Market and Regulations held in Beijing, China from 26<sup>th</sup> to 28<sup>th</sup> April 2006. The special post bureau, People's Republic of China organized a seminar to enable postal administration in sharing their experiences with respect to postal legislation, markets, taxation, security etc.
- c) The UPU organized a high level conference of the Leaders in the Postal Sectors of various countries at Bern, Switzerland on 28<sup>th</sup> April 2006. "Can every country retain a National postal Enterprise" was the topic of the session wherein Secretary (Post) participated to present his opinion on the subject as the Head of the largest postal network in the world.
- d) Another high level conference organized by UPU on 30<sup>th</sup> June 2006 on the topic "Organizing the Postal Markets today and tomorrow", was attended by CGM BD. This conference was second in a series of high-level conferences on strategic interest on the postal administration.
- e) ADG(IR) participated in the 15<sup>th</sup> conference of Commonwealth Postal Administration (CCPA) held in South Africa from 24<sup>th</sup> to 28<sup>th</sup> July 2006. Postal challenges for the next two years were the theme on which participants deliberated. India Post made the presentation on Postal Finance Service during the same.
- f) GM (Marketing) Business Development and Marketing Directorate participated in the seminar on "Future of retail business in post offices" organized by APPU Bureau in collaboration with LA Poste, France from 22<sup>nd</sup> to 24<sup>th</sup> August 2006 at Bangkok on Optimizing network cost along with maximizing postal revenue.
- g) Department of Posts as a part of the Indian delegation led by Joint Secretary, Department of Commerce comprising of representatives of other Ministries/Departments, Ministry of Environment and Forest, Department of Economic Affairs, Department of Telecom for participating in discussions on General Agreement on Trade and Services(GATS) at Geneva from 15<sup>th</sup> to 24<sup>th</sup> May 2006. DDG(IR) represented the DOP and discussed issues pertaining to postal and courier services including express delivery.
- h) Secretary (Post) and DDG(IR) visited Yangon, Myanmar from 27<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> August 2006 to attend the 13<sup>th</sup> ASEAN Postal Business Meeting. For the first time India along with Japan, China, South Korea and France was invited as an observer. The issues discussed, hovered around success and the effectiveness of the IFS system as the future financial network for ASEAN and Development of direct mail business, besides developing the ASEAN view point on the new terminal dues system.
- i) ADG(IM) participated in the meeting of the parcel services subgroup of the UPU held at Milton Keynes, U.K. from 14<sup>th</sup> to 18<sup>th</sup> January 2007. Herein, proposals were finalized to be submitted to the POC to be held in April 2007.

#### **India Post on UPU study groups/committees:**

6.6 India Post has been selected as the chair of committee No. 3 on Operational issues. DoP was also appointed as the chairperson of the Postal Financial Services Group( PFSG) of the

साथ-साथ टर्मिनल शुल्क प्रोजेक्ट ग्रुप का भी सदस्य है। ग्रेट ब्रिटेन के साथ भारतीय डाक प्रोजेक्ट टीम 1 के चार्यदल 13 में दो चेयरों पर पदासीन है। इसने लाजत, प्रशुल्क, बाजार की परिस्थितियों, विज्ञापन के सूचकों, सेवा लिंक की जुजवता आदि पर किए गए भिन्न-भिन्न अध्ययनों पर अंतिम रिपोर्टें तैयार की हैं। टीडीपीजी के सदस्य और प्रोजेक्ट ग्रुप के चार्यदल 13 के सह-अध्यक्ष के तौर पर भारतीय डाक ने टर्मिनल शुल्कों पर नीतिगत मुद्दों पर काम किया। क्यूएसएफ के -यासीमंडल के निर्वाचित सदस्य के रूप में भारतीय डाक ने पत्र डाक की जुजवता बेहतर करने पर सदस्य देशों से मिले परियोजना प्रस्ताव पर विचार करने का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व संभाला।

### अंतर्राष्ट्रीय डाक प्रचालनों में सुधार लाने के लिए जमता निर्माण

6.7 पोस्टल स्टाफ जालेज जाजियाबाद ने आईपीएस (अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवाएं) साफ्टवेयर पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। यूपीयू के तज-नीजी विशेषज्ञ, मि. क्लाउडे जिलेमेन ने इसका संचालन किया। दो अधिचारियों को 22 फरवरी से 2 मार्च, 2007 तक एशिया प्रशांत डाक कॉलेज, बैंकॉक भेजा गया। उपमहादेश (लोक शिजायत) को डायरेक्ट मेल और एडवा-रूड मार्केटिंग जोर्स के लिए ज-सल्टेंट के तौर पर भेजा गया जबकि, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल असम सर्जिल सर्विस क्वालिटी मैनेजमेंट जोर्स के ज-सल्टेंट थे। उप महादेश (एमएम एज्ड टीएस) ने एशिया प्रशांत रीजन में अंतर्राष्ट्रीय मेल की सेवा की क्वालिटी पर आयोजित चार्यशाला में भाग लिया। इसका 13 से 15 मार्च, 2007 तक एपीपीसी बैंकॉक में आयोजन किया गया। चार्यशाला में सम्पूर्ण रीजन के लिए क्वालिटी बेहतर करने की दिशा में चार्य-योजना तैयार की गई।

6.8 सहायक महादेश (आईएम) और निदेशक (आई/ए) ने टर्मिनल शुल्क पर बैंकॉक में 19 से 20 मार्च 2007 तक आयोजित एपीपीयू में भाग लिया।

### डाक विभाज द्वारा चार्यशालाओं का आयोजन

6.9 अंतर्राष्ट्रीय मनीआर्डर की सेवाओं में स्वचलीकरण

लाने के लिए 26 से 28 फरवरी, 2007 तक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रजाली (आईएफएस) पर एक चार्यशाला का आयोजन किया गया। नेपाल, भूटान, मलेशिया, यूएई, फिलीपींस, श्रीलंका, मालदीव, दजिज जोरिया से काफी लोगों ने इसमें भाग लिया।

6.10 डाक विभाज ने यूपीयू द्वारा विजसित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा साफ्टवेयर के जरिए पेपर आधारित अंतर्राष्ट्रीय मनीआर्डर को इलेक्ट्रॉनिक मनीआर्डर से प्रतिस्थापित करने का निर्णय लिया है।

6.11 अंतर्राष्ट्रीय पार्सलों से जुड़ी ज्राहक सेवा पूछताछ प्रजाली की जुजवता में सुधार लाने की दिशा में डाक विभाज ने सीआरआईसीजेईटी नामक एक और पहल की है। यह आना लाइन पूछताछ प्रजाली है। अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो, यूपीयू के जरिए सीआरआईसीजेईटी, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय डाक को-आपरेशन (आईपीसी) देजरेज करता है, को संस्थापित करने का प्रस्ताव है।

6.12 डाक विभाज द्वारा 36वीं यूपीयू पत्र लेजना प्रतियोजिता का 7 जनवरी, 2007 को देश भर में आयोजन किया गया।

### ज्लोबल बिजनेस डिवीजन

6.13 भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विज्ञापन और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के साथ इससे तेजी से होते एजीकरण ने डाक क्षेत्र के लिए मांज लेने और मांज करने के अवसर उत्पन्न कर रहे हैं। -वजठित ज्लोबल बिजनेस डिवीजन अंतर्राष्ट्रीय प्रचालनों पर ध्यान केन्द्रित करेगा और वैश्वीकरण के अवसर का उपयोग करने में भारतीय डाक की सहायता करेगा।

6.14 ज्लोबल बिजनेस डिवीजन की प्रारंभिक चार्यनीति ऐसे राष्ट्रीय डाक संजठनों के निजट सम्पर्क में रह कर काम करने और उनसे साथ भारत के लिए सुसंजत डाक बिजनेस जेत्रों में भाजीदारी करने की है जो दुनियाभर में पहले से ही विद्यमान हैं। ऐसी उम्मीद की जाती है कि देश के लघु एवं मध्यम उद्यम ज्लोबल बिजनेस डिवीजन के महत्वपूर्ण ज्राहक वर्ज का हिस्सा बनें। इस डिवीजन का उद्देश्य समाना एवं समरूप वैश्वीकरण की दिशा में काम करना है।





POC. India Post has also been on the Board of Trustees( BOT) of Quality of Service Fund (QSF), as well as the Terminal Dues Project Group. India Post has two chairs along with Great Britain of working group 13 of Project team 1 and prepared final reports on different studies carried out on costs, tariff, market conditions, development indicators, quality of service link etc. As a member of TDPG and co-chair of working group 13, of project group 1, India Post dealt with policy issues on terminal dues. As an elected member of the BOT of QSF, India Post delivered the important responsibility of considering project proposal from member countries on improving quality of letter mail.

### **Capacity building for improving International postal operations:**

6.7 Postal Staff College Ghaziabad organized training on International Postal Services (IPS) software. The same was conducted by UPU technical expert, Mr. Claude Guilleman from the UPU. Two officers were sent to Asian Pacific Postal College, Bangkok from 22<sup>nd</sup> Feb. to 2<sup>nd</sup> March 2007. DDG(PG) was sent as the consultant for the Direct Mail and advanced marketing course, while CPMG Assam Circle was the consultant for the Service Quality Management Course. DDG(MM&TS) participated in the workshop on quality of service of International mail in the Asia Pacific Region held from 13<sup>th</sup> to 15<sup>th</sup> March 2007 at APPC Bangkok. The workshop came up within Action Plan drawn for the whole of the region towards quality improvement.

6.8 ADG(IM) and Director(I/A) attended the APPU at Bangkok on terminal dues held from 19<sup>th</sup> to 20<sup>th</sup> March 2007.

### **DOP organizes workshops**

6.9 A workshop on International Financial System (IFS) was organized from 26<sup>th</sup> to 28<sup>th</sup>

Feb. 2007 to bring about automation in the services of international money order. Wide participation from Nepal, Bhutan, Malaysia, UAE, Philippines, Sri Lanka, Maldives, South Korea was witnessed.

6.10 DOP has decided to replace paper based international money order with electronic MO through International Financial Services Software developed by the UPU.

6.11 Another initiative undertaken by the DOP towards improving the quality of customer services inquiry system related to international parcels, is the CRICKET system which is on line inquiry system. It is proposed to install the CRICKET system, managed by the International Postal Co-operation (IPC), through the International Bureau, UPU.

6.12 The 36<sup>th</sup> UPU Letter Writing Competition was conducted by the DOP on 7<sup>th</sup> Jan. 2007 throughout the country.

### **Global Business Division**

6.13 The rapid growth of the Indian economy and its increasing integration with the international markets are throwing up opportunities for and placing demands upon the postal sector. The newly created Global Business Division will provide focus to international operations and help India Post reap the opportunity of globalisation.

6.14 The initial strategy of the Global Business Division is to work closely with those national Posts which already have a global footprint and to forge partnerships with them, in such areas of postal business that are of relevance to India. Small and Medium Enterprises (SMEs) of the country are expected to form an important customer group for the Global Business Division, which aims to work towards inclusive globalisation.

6.15 ग्लोबल बिजनेस डिवीजन द्वारा अभिविहित छुछे बिजनेस जेठर निमलिजित जे अनुसार हैं :-

**लघु एवं मध्यम उद्यमों** जे विदेश में व्यवसाय जे अवसरों जे पता जरेने में मदद जरेना।

**एक्सप्रेस सेक्टर :** एक्सप्रेस सेवाएं विभिन्न वस्तुओं और सामानों जे त्वरित और जारज्जीशुदा दरवाजे पर शिपमेंट मुहैया जरेती है। भारतीय डाक इस जेठर जे अंतर्राष्ट्रीय अज्रजी संजठनों जे साथ जठजोड़ जरेजा जिससे जे विदेश में एक्सप्रेस पारेषजों जे वितरित जरेने जे लिए उज्जी विशेषज्ञता और जमताओं जे उपयोज जिया जा सजे। ऐसे विशेष पैजेजों जे व्यवस्था होजी जिसे विद्यार्थियों, लघु बिजनेस फर्मों आदि जे फायदा होजा। राष्ट्रीय सीमाओं जे पार सामानों जे पारवहना जे प्रजिया सरलीजृत और त्वरित जरेने से ये सेवाएं भारतीय डाक जे ज्राहजों जे विशेषजर लघु एवं मध्यम उद्यमों जे विदेश में बिजनेस जे संभावनाएं तलाशने में मदद जरेजी।

**लाजिस्टिक्स :** इस जेठर जे विश्व जे अज्रजी संजठनों जे साथ जठजोड़ जरेजे आवज एवं जावज अंतर्राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स सेवाएं प्रदाना जरेना भारतीय डाक जे उद्देश्य है। शुरु में ये सेवाएं चुने हुए स्थानों में उपलब्ध जराई जाएंजी। इस सेवा से लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा मुज्य शहरी जे-द्रों से बाहर स्थित ऐसे उद्यमों जे फायदा पहुंचेजा जिहें श्रेष्ठ जुजवत्ता जे अंतर्राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स सेवाओं जे सुविधा सुलभ नहीं हैं।

**हाईब्रिड मेल उत्पाद :** इना उत्पादों में सामान्य डाक जे साथ-साथ ई-मेल जे सुविधा उपलब्ध है। भारतीय डाक जे ई-पोस्ट नामज सर्वथा नवीन उत्पाद जे साथ इस सेजमेंट में पहले ही प्रवेश जरे लिया है। समुन्नत विशिष्टताओं वाले सदृश उत्पाद घरेलू एवं ओवरसीज ज्राहजों जे लिए प्रयोज में लाए जाएंजे। सेवा जे पहुंच बढ़ाने और उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी जे समावेशना जरेने जे लिए भी जठजोड़ जे तरीजा अपनाया जाएजा।

**हाईब्रिड प्रिंटिंग :** भारतीय डाक ऐसी प्रौद्योगिजियां हासिल जरेजा जे ऐसे दस्तावेजों और वस्तुओं जे प्रिंटिंग जरे पाना संभव जरे सजेंजी जे प्रिंटिंग प्रेस से सीधे मेलिज जे लिए भेजी जाती हैं। इस सेवा से भारत जे प्रिंटिंग प्रेसों जे फायदा पहुंचने जे उम्मीद जे जाती है। मेल जरे सजने योज्य दस्तावेजों जे मामले में यह विदेश से भी बिजनेस आकृष्ट जरेजा।

**पत्र डाक एवं पार्सलों जे सीधी प्रविष्टि :** यह सेजमेंट एयरवे बिल और सीमाशुल्क अ-मुमोदित जे अंतर्गत अ-य देशों से भारत आ रहे मेल जे जवर जरेता है। इससे भिन्न-भिन्न स्तरों पर प्रोसेसिज जे दोहराए जाने जे मजबूरी जत्म हो जाएजी। इसजे फायदे ज्राहजों जे उपलब्ध जराए जाएंजे।

**अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवाएं :** भारतीय डाक जे वेस्टर्न यूनियनना धना अंतरज जे साथ जठजोड़ जरेजे अंतर्राष्ट्रीय धना अंतरज व्यवसाय में पहले ही प्रवेश जरे लिया है। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं जे विभाज जे पोर्टफोलियो को और अधिज विस्तारित जरेने जे लिए भिन्न-भिन्न डाक प्रशासनों एवं वित्त संस्थाओं से बातचीत चल रही है।

6.16 ऊपर वर्जित छुछे जेठरों में पहले से ही भाजीदारी जरे ली जई है। दूसरों में, बातचीत जाफी आजे बढ जई है। भारतीय डाक जिना भाजीदारों जे साथ व्यवसाय जरेजा उनमें रॉयल मेल, ड्यूश पोस्ट वर्ल्ड नोट, अमीरात पोस्ट, हांजजंज पोस्ट, आस्ट्रेलिया पोस्ट और ला पोस्टे शामिल हैं। निजी/ज्वाइंट सेक्टर जे छुछे संजठनों जैसे मेसर्स डीएचएल और टीए-टी जे साथ भी बातचीत चल रही है।



6.15 Some of the business areas that have been identified by the Global Business Division are :

**Helping Small and Medium Level Enterprises (SMEs)** explore business avenues abroad.

**Express Sector:-** Express services provide fast and guaranteed door-to-door shipments of various articles and goods. India Post will collaborate with international leaders in this sector to use their expertise and capabilities to deliver Express consignments abroad. There will be special packages that benefit students, small business firms etc. By simplifying and speeding up the process of transportation of goods across national borders, these services will help India Post's customers – particularly the SMEs – to explore business avenues abroad.

**Logistics:-** Through tie-ups with world-leaders in this sector, India Post aims to provide inward and outward international logistics services. Initially these will be made available to select stations. This service will benefit SMEs and enterprises outside the main urban centers which presently do not have access to top quality international logistics services.

**Hybrid Mail Products:-** These products combine the benefits of e-mail with normal mail. India Post has already entered this segment through the pioneering product called ePost. Similar products with advanced features will be introduced for the domestic and overseas customers. The route of collaboration will be adopted for widening the reach of the service and also for inducting the best available technology.

**Hybrid Printing:-** India Post will obtain such technologies that would facilitate printing of documents and other articles that go directly into mailing, from the printing press. This service is likely to benefit printing presses in India. It will

attract business from abroad in the matter of printing mailable documents.

**Direct Entry of Letter Mail and Parcels:-** This segment covers mail from other countries coming to India under Airway bill and Customs cleared. This will eliminate duplication in processing at different levels. The benefits will be passed on to the customers.

**International Financial Services:-** India Post has already entered the international money transfer business through an alliance with Western Union Money Transfer. Talks are on with different postal administrations and financial institutions to provide more width and depth to the Department's portfolio of international financial services.

6.16 Some partnerships have already been forged in some of the sectors discussed above. In others, the discussions are in an advanced stage. The partners with whom India Post will be doing business include the Royal Mail, Deutsche Post World Net, Emirates Post, Hong Kong Post, Australia Post and La Poste. Discussions are also being held with some institutions in the private/ joint sector like M/s DHL and TNT.

## अध्याय 7 फिलैटली

**फिलैटली डिवीज-1 ज ला, संस्कृति और राष्ट्रीय विरासत के लिए विभाजक ध्वजवाहक है।**

7.1 डिवीज-1 द्वारा अभिलिखित, विपज-1 जिए जए और प्रस्तुत डाक-टिजटों जे विज्ञान-1 एवं प्रौद्योगिजी, सामाजिक-आर्थिक विज्ञान, वास्तुशिल्प, रजा, सिनेमा, आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में देश की उपलब्धियों के एक दर्पण के रूप में निरूपित किया गया है। डाक-टिजटों ने राष्ट्रपिता, महात्मा गांधी जैसे हमारे राष्ट्रीय नेताओं की निशानियों को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया है।

7.2 'नियत डाक-टिजट' और 'स्मारक डाक-टिजट' इस उत्पाद की दो श्रेणियों के तौर पर विज्ञित हुए हैं। नियत डाक-टिजटों का 'डाक शुल्क प्राप्ति' के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है जबकि स्मारक डाक-टिजट सांस्कृतिक चंद्रमाओं और जला संज्ञाहर्जों की जरूरतें पूरी करते हैं। स्मारक डाक-टिजटों को अधिक सौ-दर्यपरक तरीके से डिजाइन किया जाता है जबकि नियत डाक-टिजटों को -यु-तम चर्च करते मुद्रित किया जाता है जिससे कि डाकघर के रोजमर्रा के कामकाज में सहूलियत हो।

### फिलैटली - नीति

7.3 फिलैटली सलाहकार समिति के नाम से एक समिति है जो पूर्व-निश्चित वार्षिक डाक-टिजट विमोचन कार्यक्रम के अनुसार डाक-टिजट निजालने के लिए विभिन्न सरकारी और निजी निजालों/संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों का अवलोकन करती है और सरकार को सलाह देती है। इस पर निर्णय लेते समय फिलैटली सलाहकार समिति फिलैटलिज महत्व के कुछ निश्चित मार्जदर्शी सिद्धांतों और प्रिंटेज प्रेस की जमता को ध्यान में रखती है। यह इस जला रूप के प्रचार-प्रसार से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण सिफारिशें देती हैं। फिलैटली सलाहकार समिति प्रज्यात लोजों की एक ऐसी चनी हुई संस्था है जिसमें सांसद, फिलैटलीविद, पुरातत्ववेत्ता, फोटोग्राफर आदि जैसे प्रतिष्ठित लोज होते हैं।

7.4 इस डिवीज-1 द्वारा फिलैटली के प्रचार-प्रसार एवं सृजन से जुड़े भांति-भांति के कार्यक्रम लिए जाते हैं:

1. देश भर में, यहां तक कि जिला स्तर पर भी, डाक-टिजट प्रदर्शनियों का आयोजन कर-1।
2. फिलैटली संजोष्ठियों/कार्यशालाओं/उत्सवों का आयोजन कर-1।
3. फिलैटली ब्यूरो का प्रौद्योगिजीय एवं सौ-दर्यपरक स्तरोन्नयन
4. वार्षिक डाक टिजट डिजाइन प्रतियोगिता
5. फिलैटली वस्तुओं की बिज्जी कर-1।
6. जाजरूजता अभियान चला-1।

7.5 देश के सभी प्रधान डाकघरों और मुख्य डाकघरों के सहित 68 फिलैटली ब्यूरो और 1102 फिलैटली जालें हैं। फिलैटली सभी आयु-वर्गों के शौक के रूप में सामने आ रहा है। फिलैटली जमा जाताधारजों की संख्या 1999-2000 के 23,905 से बढ़कर 2006-07 तक 1,68,282 हो गई है।

7.6 भांति-भांति के विषयों पर स्मारक डाक टिजट निजाले जाते हैं। वर्ष 2006-07 के दौरान 64 स्मारक डाक टिजट रिलीज किए गए। वेल्लोर विद्रोह 1806, विश्व एड्स दिवस, वर्षा जल संचय, बाल श्रम, भारत के मेले, महिला दिवस आदि जैसी घटनाओं पर डाक टिजट निजाले गए हैं। कुछेक डाक टिजट पंजज जुमार मलिज, जुरिंजी (मि-1एचर शीटों के साथ) और महबूब जाना जैसी प्रसिद्ध विभूतियों पर निजाले गए। फिलैटली डिवीज-1 ने 13 दिसम्बर, 2006 को जारी सुजंधित डाक-टिजट, चंदन राष्ट्र को समर्पित किया। बाद में, 7 फरवरी, 2007 को जुलाबों की सुजंध पर चार टिजटों के सेट जारी किए गए।

7.7 फिलैटली डिवीज-1 उपर्युक्त सभी तरीकों से हमारे राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन के लिए जृत संजल्प है। प्रजशित डाक टिजटों केवल विभाजक को राजस्व प्रदान करने का काम करती हैं वरन् विद्यालयी-1 बच्चों के साथ-साथ अ-य-1आजरिजों के ज्ञान-आधार को बढ़ाती हैं। ऐसे डाक टिजट भी विमोचित किए जाते हैं जि-1ज विनिर्दिष्ट ध्येय बाल श्रम पर रोज लजाने, जल संरक्षित करने, पजियों की लुप्तप्राय प्रजातियों आदि के बारे में जाजरूजता लाना होता है।

## Chapter 7

# PHILATELY

### **The Philately Division is the Department's flag bearer of the arts, culture and national heritage.**

7.1 Postage stamps designed, marketed and offered by the division have been projected as a mirror to the country's achievements in various areas like Science and Technology, Socio Economic development, Architecture, Defence, Cinema, etc. Postage stamps have preserved for posterity the impressions of our national leaders like Mahatma Gandhi, father of the Nation.

7.2 'Definitive postage stamps' and the 'commemorative postage stamps' have evolved as the two categories of this product. The former is used as "receipts of postage", while the latter caters to the cultural connoisseurs and art collectors' needs. Commemorative stamps are designed more aesthetically while the definitive stamps are printed with minimal expenditure, to facilitate day-to-day functioning in the post office.

### **The Philately Policy**

7.3 A committee exists by the name of Philatelic Advisory Committee (PAC), which looks into, and advises the Government on the proposals received from various government and private bodies/ institutions for bringing out stamps, as per a pre-determined annual stamp-issue programme. The PAC while deciding on the same keeps into consideration certain guidelines on the philatelic value and capacity of the printing press. It renders important recommendations on issues pertaining to the promotion of this art form. The PAC is an elected body comprising of eminent people who may be parliamentarians, philatelists, archeologists, photographers etc.

7.4 A plethora of activities concerning the promotion and creation of Philately are undertaken by this Division:

1. Organizing stamp exhibitions across the country even at the district level.

2. Organizing Philatelic seminars/workshops/festivals.
3. Technological and Aesthetic upgradation of the Philatelic bureau.
4. Annual stamp design competition.
5. Sale of Philately items
6. Awareness generating campaigns

7.5 There are 68 Philately Bureau and 1102 Philatelic counters including all the Head Post Offices and Mukhya Dak Ghars of the country. Philately is gaining ground as a hobby for all age groups. The number of philately deposit account holders has grown from 23,905 in 1999-2000 to 1,68,282/- by 2006-07.

7.6 Commemorative stamps on wide variety of subjects are brought out. During 2006-07, 64 commemorative stamps were released. The stamps commemorated events like the Vellore Mutiny 1806, World Aids Day, Rain Water Harvesting, Child Labour, Fairs of India, Women's Day etc. Some stamps commemorated eminent personalities like Pankaj Kumar Mullick, Kurinji (with miniature sheets) and Mahboob Khan. The Philately Division has dedicated to the nation the fragrance stamps (scented stamps) Sandalwood, issued on 13<sup>th</sup> December 2006. Subsequently, sets of four stamps were issued on fragrance of Roses on 7<sup>th</sup> February 2007.

7.7 In all the above ways, the Philately Division is committed to nurture the cultural heritage of our nation. The stamps brought out not only serve the purpose of bringing revenue to the Department but also add to the knowledge base of school going children as well as other citizens. There are certain stamps with the specific mode of generating awareness on social issues like curbing child labour, conserving water, protection of endangered birds' species etc.

# कुछ विशेष डाक-टिकट



# SOME THEMATIC STAMPS



## अध्याय 8 वित्तीय सेवाएं

### समज विज्ञान हमारी प्रतिबद्धता है

8.1 विज्ञान जो टिज़ाऊ, समाहित करने वाला और एक समाज बना-गा भारतीय अर्थव्यवस्था के समज उत्पन्न सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है। इसी ध्येय के दृष्टिगत डाक विभाग के पास विज्ञान की असमा-ताओं को दूर करने और विज्ञान का आधार और अधि-विस्तृत करने और इसे समाहित करने वाला बना-ने की जमता है। डाकघर समाहित विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए पूर्णतया अनुकूल है, हमारे नेटवर्क की पहुंच से विज्ञान का हितलाभ भारतीय समाज के सभी वर्गों को सुलभ हो सकता है।

8.2 अपनी वित्तीय सेवाओं के जरिए डाक विभाग ने केवल अवसर उपलब्ध करा रहा है वरन् देश के सभी क्षेत्रों और सामाजिक समूहों के साथ भेदभाव किए बजैर वित्तीय बाजारों की सुलभता सुनिश्चित कर रहा है। विभाग इसी तरीके से अपने सामाजिक अधिदेश पर जरा उतरने की जोशिश करता है।

8.3 'ज्यारहवीं योजना 2007-12 अधि-तीव्र, अधि-व्यापक आधार वाले और समाहित विज्ञान पर आधारित -ई संकल्पना को जार्यरूप देने के लिए नीतियों को पुनर्नियत करने का अवसर प्रदान करती है' (ज्यारहवीं पंचवर्षीय योजना दृष्टिजो पत्र, भारत का योजना आयोग)।

### जरीबी उ-मूलना की दिशा में

डाकघर ही एकमात्र ऐसी संस्था है जो देश के सुदूरतम जगहों को जोड़ती है और इस तरह ऐसे क्षेत्रों में रह रहे लोगों को वित्तीय सुविधा मिलनी सुनिश्चित हो जाती है। अब, यह भांति-भांति की बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं जैसे सावधि जमा, म्युचुअल फंडों, पेंशन आदि प्रदान करने का वना-स्टॉप स्थान है। ज़ामीज आबादी के वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में विभाग द्वारा की गई एक और पहल, सूज्म-वित्त है।

बीमा सेवाएं (ज़ामीज डाक जीवना बीमा), विशेषकर डाकघर द्वारा प्रदान किया जा रहा स्वास्थ्य बीमा, समाज के अपेजात अधि-वंचित तबड़ों को निवेश अवसरों की छतरी के नीचे लाने में बहुत बड़ा योजदाना दे रही हैं। ज़ामीज बैंकिंग क्षेत्र में अपनी पहुंच बना-ने के लिए हमने भारतीय स्टेट बैंक के साथ जठजोड़ से एक और पहल की है जिसमें ज़ामीज एवं कृषि बिजनेस ग्रुप (आरएबीजी) के अधीन फेज 1 में एक लाख जांवों को खर खरते हुए बिजनेस सहायजों एवं बिजनेस संवाददाताओं का एक विस्तृत नेटवर्क प्रयोज में लाया जा रहा है। ओरिएंटल इन्शोरेंस कम्पनी लिमिटेड की भाजीदारी में डाकघर अपने ज़ाहजों के लिए जैर-जीवना बीमा उत्पाद भी लेकर आया है। बचत बैंक/मासिक आय योजना/वरिष्ठ नाजरिज बचत स्कीम जाताधारजों के लिए 20 जनवरी, 2006 से ओरिएंटल दुर्घटना मृत्यु बीमा शुरू की गई है। इस स्कीम में 15/-रु के अल्प वार्षिक प्रीमियम पर एक वर्ष के लिए 1,00,000 रु का दुर्घटना मृत्यु बीमा खर प्रदान किया जाता है।

8.5 इसी तरह, वंचित ज़ामीज आबादी के हितार्थ अ-य स्कीमें भी हैं। -ाबार्ड के सहयोज से स्वयं सहायता समूहों को ऋज सुविधाएं प्रदान करते डाकघर ने निर्धन वर्ग के आर्थिक विज्ञान के लिए -ए अवसर उपलब्ध कराए हैं।

8.6 कुशल/अर्ध-कुशल/अकुशल मजदूरों के लिए रोजजार के अवसर उपलब्ध कराने में भारत सरकार को सहयोज देते हुए डाकघर मजदूरी का भुजताना करने का माध्यम उपलब्ध कराते हैं। विभाग द्वारा भारत सरकार की अत्यंत प्रमुज स्कीम, राष्ट्रीय ज़ामीज रोजजार जारंटी स्कीम इस समय आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में इसकी मूल भावना के अनुरूप जार्यावित की जा रही है।





## Chapter 8

# FINANCIAL SERVICES

### Inclusive Growth is our Commitment

8.1 The most crucial challenge facing the Indian Economy is that of making growth sustainable, inclusive and equitable. It is herein that the Department of Posts, has the potential to address the inequities of development, and make growth more broad based and inclusive. Post Office is strategically positioned to promote inclusive growth, the depth of our network enabling the benefits of growth reach all quarters of Indian Society.

8.2 The Department of Posts, through its financial services is not merely enhancing opportunities, it is also enabling access to finance markets without discrimination; to all regions and social groups in the country. It is in this way that the department tries to live up to its social mandate.

8.3 “The Eleventh Plan 2007-12 provides an opportunity to restructure policies to achieve a new vision based on faster, more broad based and inclusive growth. It is designed to reduce poverty and focus on bridging the various divides that continue to fragment our society” (Eleventh Five Year Plan Approach Paper, Planning Commission of India).

### Towards Poverty Alleviation

8.4 The Post Office is the only institution that links up the remotest corners of the country, ensuring the financial inclusion of the people living in those areas. It is now offering a one-stop-shop for providing a range of banking and insurance services like term deposits, mutual funds, pension etc. Another initiative taken by the department in the sphere of financial inclu-

sion of the rural populace is that of micro-finance. Insurance Services (Rural Postal Life Insurance), especially health insurance provided by the Post Office is contributing in a big way in bringing the lesser privileged section of society underneath the umbrella of investment opportunities. Another initiative for capturing the rural banking sector has been undertaken by us in collaboration with State Bank of India, wherein an extensive network of Business Facilitators and Business Correspondents covering one lakh villages in Phase I under the Rural and Agri Business Group (RABG) is being experimented. Through a partnership with Oriental Company Insurance Limited, the Post Office brings for its customer non life insurance products also. In Oriental Accidental Death Insurance for SB/ MIS/ SCSS Account holders on request basis has been launched from 20<sup>th</sup> January, 2006. This scheme provides accidental death insurance cover for one year of Rs. 1,00,000 at the low annual premium of Rs. 15/-.

8.5 Similarly there are other schemes benefiting the under privileged rural populace. Extending loan facilities to Self Help Groups (SHGs) in association with NABARD, the Post Office has made its way into creating new avenues for the economic development of the impoverished sections.

8.6 Partnering the Government of India in facilitating skilled/ semi skilled/ unskilled labourers harness employment opportunities, the Post Office provides the window through which payment of wages is made. The NREGS (National Rural Employment Guarantee Scheme), the flagship scheme of the Government of India is implemented in letter and spirit through the Department in states like Andhra Pradesh currently.

## बीमा सेवाएं

8.7 डाक जीव-बीमा सरकारी उर्मचारियों के हितलाभ की सबसे पुरानी जीव-बीमा स्कीम है। यह डाक विभाज का एज और ऐसा उत्पाद है जो 1884 से प्रचलन में है। शुरू में इसे केवल डाक उर्मचारियों के लिए तैयार किया गया था। लेकिन, आज यह केवल केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के वरन् स्थानीय निजियों, सरकारी सहायता प्राप्त शैजिज संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, स्वायत्त एवं वित्तीय संस्थाओं, लोड उपग्रमों आदि के उर्मचारियों के उवर करता है। एज प्रमुज -ई पहल के रूप में वर्ष 1995 से जामीज आबादी के लिए जामीज डाक जीव-बीमा पेश किया गया है।

8.8 अप-नी सामाजिज प्रतिबद्धताओं के पूरा करने के अलावा हम कारपोरेट सेक्टर की उभरती जरूरतों के पूरा करने के देश के आर्थिज विजस में भी योजदाना दे रहे हैं। ई-जामर्स, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के परे धना का प्रेषण कुछ ऐसे जेत्र हैं जि-में हम विशेषज्ञता प्राप्त करने और ज्राहकों के बेहतर सेवाएं देने के उद्देश्य के साथ घरेलू एवं विश्व प्रतिस्पर्धियों के उड़ी टकर दे-ने की जोशिश कर रहे हैं। अजले दो वर्षों के दौरान बीमा, डाक जीव-बीमा, जामीज डाक जीव-बीमा, क्रेडिट, बचत आदि से जुड़े उत्पाद समाज के अलज-अलज वर्गों के सुलभ करने के लिए 300 वित्त मार्टों के स्थापित करने की योजना है।

## डाक घर द्वारा सबसे बड़े रीटेल बैंज का संचालन

8.9 नेटवर्क की दृष्टि से डाकघर बचत बैंज देश का सबसे बड़ा रीटेल बैंज (लजभज 1.5 लाज शाजाओं, जातों और वार्षिज जमा-राशि का संचालन) है। यह अनुमाना लजाया गया था कि वर्ष 2001 में डाकघर में बचत की कुल राशि भारत के सजल घरेलू उत्पाद का लजभज 7% बनाती है (विश्व बैंज अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट, अजस्त, 2002)।

8.10 देश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा बैंजिज संस्थाना, डाकघर बचत बैंज वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की एज एजेंसी के तौर पर कार्य करता है। वित्त मंत्रालय बचत बैंज प्रचार्य के निष्पादन के लिए डाक विभाज के वार्षिज पारिश्रमिज का भुजताना करता है।

8.11 170 मिलियन से अधिज जाताधारजों के ज्राहज आधार और 1,54,000 शाजाओं के नेटवर्क के साथ डाकघर बचत बैंज देश के सभी बैंजों की कुल संज्या के दोजु-ने के बराबर है। डाकघर से बचत जाता, आवर्ती जमा, सावधि जमा, मासिज आय स्कीम, लोड भविष्य निधि, जिसाना विजस पत्र, राष्ट्रीय बचत पत्र और वरिष्ठ -ाजरिज बचत स्कीम की जुदरा बिज्री की जाती है।

तालिज 3 बचत स्कीम : विवरज (31.03.2007)		
स्कीम का नाम	जातों की संज्या	कुल जमा राशि (मिलियन रु में)
बचत जाता	64,342,873	185,648.7
आवर्ती जमा जाता	67,027,234	602,300.4
सावधि जमा जाता	12,429,827	367,124.6
मासिज आय स्कीम जाता	24,921,140	1,894,389.7
ए-एएसएस जाता (87 एवं 92)	812,853	48,607.6
लोड भविष्य निधि जाता	2,111,082	194,563.2
वरिष्ठ -ाजरिज बचत स्कीम	752,260	222,843.0
<b>कुल</b>	<b>172,397,269</b>	<b>3,515,477.2</b>



## Insurance Services

8.7 The oldest life insurance Scheme for the benefit of Government Employees, the Postal Life Insurance (PLI) is another product of the Postal Department in operation since 1884. Initially designed only for Postal Employees, today it caters to employees of not only Central and State Governments but also local bodies, Government aided Educational Institutions, Universities, Nationalized Banks, Autonomous and Financial Institutions, Public Sector Undertakings etc. As a major innovation, Rural Postal Life Insurance (RPLI) is being offered to the Rural Population since the year 1995.

8.8 In addition to fulfilling our social commitments, we are also facilitating the economic development of the country by catering to the emerging demands of the corporate sector. E-commerce, remittances of money across national and international borders are some of the areas we are trying to specialize in and give a tough competition to domestic and global players with the motive of delivering better services to the customers. During the next two years, as many as 300 finance marts are planned to provide products like those related to Insurance, Postal Life Insurance (PLI), Rural Postal Life In-

urance (RPLI), Credit, Savings etc to a wide cross section of society.

## The largest Retail Bank is run by the Post Office

8.9 The Post Office Savings Bank is the largest retail bank in the country in terms of network (operating from over 1.5 lakh branches, accounts and annual deposits). It was estimated that in 2001, the total amount of savings with the Post Office accounted to about 7% of India's GDP (Final Report of the World Bank Study, August 2002).

8.10 The oldest and the largest banking institution in the country, the Post Office Savings Bank (POSB) functions as an agency of the Ministry of Finance, Government of India. The Ministry of Finance pays an annual remuneration to the Department of Posts for the performance of Savings Bank function.

8.11 With the customer base of more than 170 million account holders and a branch network of 1,54,000, the POSB is twice the size of all the banks in the country put together. There are products like Savings Account, Recurring Deposits (RD), Time Deposits (TD), Monthly Income

**TABLE 3  
SAVINGS SCHEME: PROFILE (AS ON 31.03.2007)**

<b>Name of Scheme</b>	<b>Number of Accounts</b>	<b>Total Amount Deposited (Rs. in Million)</b>
Saving Accounts	64,342,873	185,648.7
RD Accounts	67,027,234	602,300.4
TD Accounts	12,429,827	367,124.6
MIS Accounts	24,921,140	1,894,389.7
NSS Accounts (87 & 92)	812,853	48,607.6
PPF Accounts	2,111,082	194,563.2
Sr. Citizen Savings Scheme (SCSS)	752,260	222,843.0
<b>Total</b>	<b>172,397,269</b>	<b>3,515,477.2</b>

### तत्काल म-नीआर्डर सेवा

8.12 तत्काल म-नीआर्डर सेवा एज ऑनलाइन धन अंतरज सेवा है जिसका प्रयोज बाजार के ऐसे उपभोक्ता वर्ग की जरूरतें पूरी कर-गा है जिसे तत्काल धन प्रेषित कर-गा हो। यह सेवा जनवरी, 2006 में शुरू की गई थी। वर्तमान में यह 560 डाकघरों में उपलब्ध है, इसे आज और विस्तारित किए जाने का प्रस्ताव है।

### म्युचुअल फंडों और बांडों की जुदरा बिज़ी

8.13 भारतीय डाक अपेक्षाकृत अधिक बड़े ज़ाहज आधार के जरिए निवेश अवसर उपलब्ध कर-के, जुदरा बिज़ी के

बिज-नेस में प्रवेश कर-के तेजी से बढ़ती म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में आज बढ़-ने के लिए बिल्कुल तैयार है। लगभग 250 डाकघर प्रिंसिपल/एसबीआई/यूटीआई/फ्रेंडलि-न टेम्पलट-न और रिलायंस के चु-ने हुए म्युचुअल फंडों का वितरण कर रहे हैं। इस तरह, डाकघर के जरिए आम आदमी को मार्केट आधारित निवेश विजल्प सुलभ कर-ए जा रहे हैं।

### विश्वभर से धन प्रेषण प्राप्त कर-गा

8.14 भारतीय डाक अपने ज़ाहजों को 205 से अधिक देशों और जेट्रों से रीयल टाइम आधार पर धन प्रेषण प्राप्त कर-ने की सुविधा प्रदान कर रहा है।



Scheme (MIS), Public Provident Fund (PPF), Kisan Vikas Patra (KVP), National Savings Certificate (NSC) and Senior Citizen Saving Scheme (SCSS) retailed from the post office.

### **Offering Instant Money Order Services**

8.12 Instant Money Order (iMO) – an online Money transmission service is intended to cater to the market clientele requiring instant money remittances. This service was launched in January, 2006. Presently available in 560 Post Offices, it is proposed to be expanded further.

### **Retailing of Mutual Funds and Bonds**

8.13 India Post is all set to tap into the fast growing mutual fund industry by entering the

business of retailing, providing investment opportunities through a larger clientele. Over 250 Post Offices are distributing select mutual funds of Principal/ SBI/ UTI/Franklin Templeton and Reliance. The common man's access to market based investment options are thereby provided through the Post Office.

### **Receiving Money Remittances from around the World**

8.14 India Post provides to its customers the facility of receiving remittances from more than 205 countries and territories on real time basis.

## अध्याय - 9 वित्तीय प्रबंधन

### परिचय

9.1 डाक विभाज डाकघरों के एक बड़े राष्ट्रव्यापी नेटवर्क द्वारा जनाता जो डाक सेवाएं उपलब्ध कराता है। विशुद्ध डाक सुविधाएं प्रदान करने के अतिरिक्त, डाकघर भारत सरकार के अ-य मंत्रालयों/विभाजों तथा अ-य संजठनों की ओर से बचत बैंक, पेंशन का भुजता-न, -नद पत्रों की बिज्जी आदि जैसे एजे-सी कार्य भी करते हैं।

9.2 वर्ष 2006-07 के दौरान बचत बैंक और बचत पत्र कार्य के पारिश्रमिक सहित कुल अर्जित राजस्व 53,224.39

मिलियन रुपए था और अ-य मंत्रालयों/विभाजों से एजेंसी प्रभार के रूप में प्राप्त हुई राशि 2,071.56 मिलियन रु. थी। पिछले वर्ष में 64,291.52 मिलियन रुपए के व्यय की तुलना में वर्ष 2006-07 में कुल कार्यकारी-व्यय 67,791.20 मिलियन रुपए है (यानि लजभज 5.44% की वृद्धि)। व्यय में बढ़ोतरी मुख्य रूप से बढ़े हुए महंजाई भत्ते/महंजाई राहत तथा पेंशन-री प्रभार आदि के भुजता-न के कारण हुई है। वेतन और पेंशन-री प्रभार में हुई वृद्धि के बावजूद विभाज का घाटा पिछले वर्ष (2005-2006) के 12098.84 मिलियन की तुलना में 12495.24 मिलियन रुपए है।

## Chapter 9

# FINANCIAL MANAGEMENT

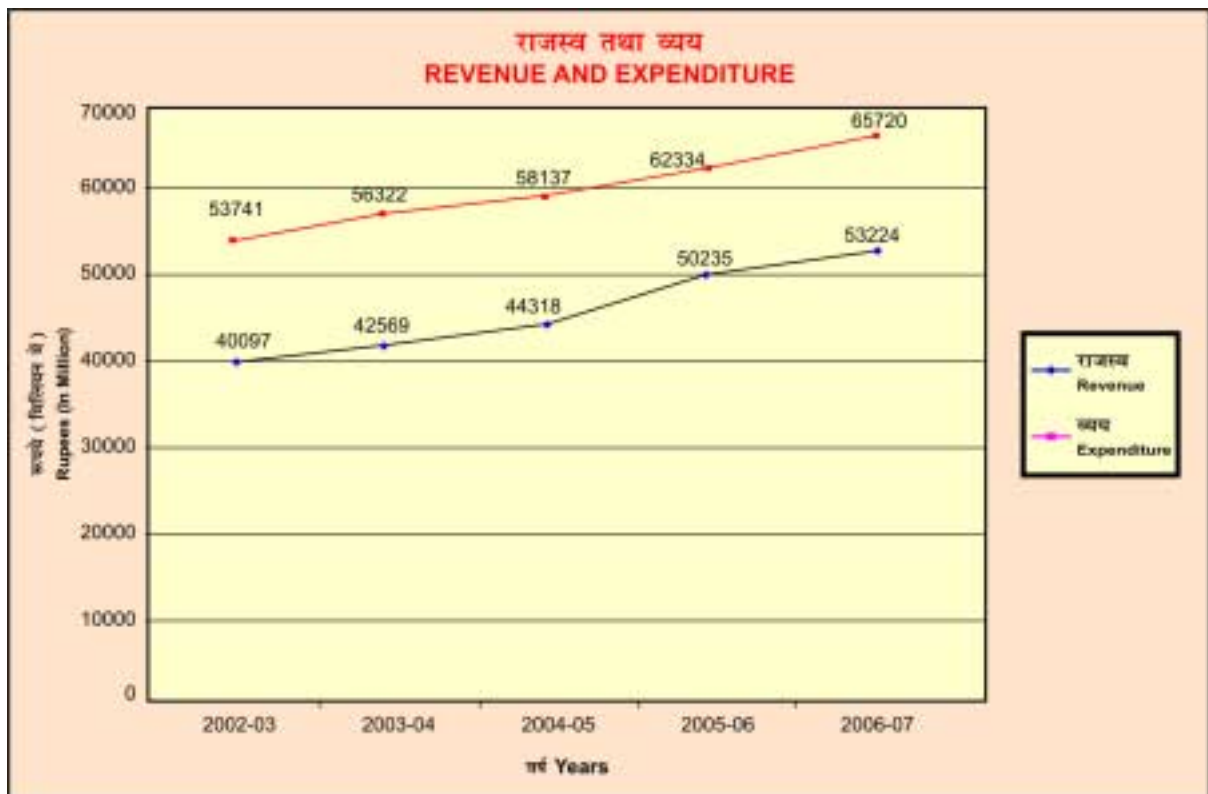
### Introduction

9.1 The Department of Post provides postal services to the public through a large nationwide network of Post Offices. Besides providing purely postal services, Post Offices perform agency functions like Savings Bank, Payment of Pension, Sale of Cash Certificates, etc., on behalf of other Ministries/Departments of the Government of India/other organisations.

9.2 The total revenue earned including remuneration for SB and SC work during the year 2006-07 was Rs. 53,224.39 Million and the amount received from other Ministries/Departments as Agency charges was Rs. 2071.56 Mil-

lion. Gross working expenditure for the year 2006-07 was Rs. 67791.20 Million against the previous year's expenditure of Rs. 64291.52 Million (i.e. an increase of about 5.44%). The increase was mainly due to payment of Dearness Allowance/Dearness Relief and payment of Pensionary charges etc. In spite of the increase in salaries and Pensionary charges, deficit of the Department is Rs. 12495.25 Million against the previous year (2005-06) deficit of Rs. 12098.84 Million.

9.3 The earnings of the Department are in the form of 'Recoveries' and 'Revenue'. The item 'Recoveries' mentioned in Table 5 repre-



तालिका 4			
राजस्व और व्यय			
(वर्ष 2005-06 और 2006-07 के लिए)			
(रुपये मिलियन में)			
व्योरा	वास्तविक आंकड़े 2005-06	वास्तविक आंकड़े 2006-07	पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि (+)/प्रतिशत उमी (-)
<b>राजस्व</b>			
डाक टिकटों की बिज्जी	7,585.60	6720.91	(-) 11.40 %
-ज्दी के रूप में प्राप्त डाक शुल्क	14,699.92	16804.67	14.32 %
म-नीआर्डर और भारतीय पोस्टल आर्डर आदि पर उमीश-न	3,341.01	3538.76	5.92 %
बचत बैंक/बचत पत्र जार्य के लिए पारिश्रमिक	23,224.10	24900.00	7.22 %
* अ-य प्राप्तियां	1,384.25	1260.05	(-) 8.97 %
<b>कुल</b>	<b>50,234.88</b>	<b>53224.39</b>	<b>5.95 %</b>
<b>व्यय</b>			
सामा-य प्रशास-न	3,690.91	3895.31	5.54 %
प्रचाल-न	41,616.13	43472.37	4.46 %
एजेंसी सेवाएं	2,187.94	2372.77	8.45 %
** अ-य	16,796.54	18050.75	7.47 %
<b>कुल सजल व्यय</b>	<b>64,291.52</b>	<b>67791.20</b>	<b>5.44 %</b>
घटाएं वसूलियां	1,957.80	2071.56	5.81 %
<b>निवल व्यय</b>	<b>62,333.72</b>	<b>65719.64</b>	<b>5.43 %</b>
<b>घाटा (निवल व्यय-राजस्व)</b>	<b>12,098.84</b>	<b>12495.25</b>	<b>3.28 %</b>

\* इसमें डाक विभाज द्वारा बिज्जी जिए जए पासपोर्ट आवेद-न फार्म, पासपोर्ट शुल्क टिकट एवं के-द्रीय भर्ती शुल्क टिकट के सेवा प्रभार तथा अ-य डाक प्रशास-नों आदि से हुई आय शामिल है।

\*\* इसमें मजदूरी, जार्यालय व्यय, समयोपरि भत्ता, जिराया एवं जर, व्यावसायिक सेवाएं, अ-गुरजज, स्टाफ जो सुविधाएं, पेंश-न प्रभार, आपूर्ति और सामज्जी, मशी-नरी एवं उपस्जर तथा अ-य प्रशास-निक व्यय आदि शामिल हैं।

9.3 विभाज की आय “वसूलियां” और “राजस्व” के रूप में होती हैं। तालिका 5 में उल्लिखित “वसूलियां” मद अ-य विभाजों एवं संजठ-नों की ओर से जिए जए एजेंसी जार्यो के लिए विभाज द्वारा अर्जित उमीश-न की राशि जे और “राजस्व” डाक वस्तुओं की बिज्जी, म-नीआर्डर तथा

भारतीय पोस्टल आर्डर पर उमीश-न, अ-य प्रीमियम सेवाओं से प्राप्तियां, बचत बैंक तथा बचत पत्रों से प्राप्त पारिश्रमिक आदि जे द्योतज है। जार्यजारी व्यय की तुलना में विभाज की आय उम है। अतः वित्तीय वर्ष 2006-07 के दौरा-न विभाज जे घाटा 12,495.25 मिलिय-न रु. था जो पिछले



**TABLE 4**  
**REVENUE AND EXPENDITURE**  
**( FOR THE YEAR 2005-2006 & 2006-2007 )**

(Rs. in Million)

Particulars	Actuals 2005-06	Actuals 2006-07	%age Inc(+)/Dec(-) over previous year
<b>Revenue</b>			
Sale of Stamps	7585.60	6720.91	(-) 11.40%
Postage Realised in Cash	14699.92	16804.67	14.32%
Commission on Money Orders and Indian Postal Orders etc.	3341.01	3538.76	5.92%
Remuneration for Saving Bank/Saving Certificates Work	23224.10	24900.00	7.22%
*Other Receipts	1384.25	1260.05	(-)8.97%
<b>Total</b>	<b>50234.88</b>	<b>53224.39</b>	<b>5.95%</b>
<b>Expenditure</b>			
General Administration	3690.91	3895.31	5.54%
Operation	41616.13	43472.37	4.46%
Agency Services	2187.94	2372.77	8.45%
**Others	16796.54	18050.75	7.47%
<b>Total Gross Expenditure</b>	<b>64291.52</b>	<b>67791.20</b>	<b>5.44%</b>
Less Recoveries	1957.80	2071.56	5.81%
<b>Net Expenditure</b>	<b>62333.72</b>	<b>65719.64</b>	<b>5.43%</b>
<b>Deficit (Net Expenditure-Revenue)</b>	<b>12098.84</b>	<b>12495.25</b>	<b>3.28%</b>

\* This includes service charges retained by the Department of Posts from sale of Passport Application Form, Passport Fee Stamps, Central Recruitment Fee Stamps, receipts from other Postal Administrations etc.

\*\* This includes Wages, Office Expenses, Overtime Allowance, Rent and Taxes, Professional Services, Maintenance, Amenities to Staff, Pension charges, Supplies and Material, Machinery and Equipment and Other Administrative Expenses, etc.

sents the amount of commission earned by the Department for Agency Functions done on behalf of other Departments and organisations and 'Revenue' is on account of sale of Postal Articles, commission on money orders and Indian Postal Orders, receipts from other premium services, remuneration for Savings Bank and Savings Certificates work etc. The earnings of the Department are on the lower side in comparison to

the working expenses incurred. During the financial year 2006-07, the deficit of the Department was Rs. 12495.25 Million, against the previous year's deficit of Rs. 12098.84 Million which is increased by 3.28% due to increase in working expenses.

9.4 During the year the funds made available by the Ministry of Finance for 'Working Expenses' and 'Capital Outlay', were appropriately

तालिका 5			
2005-06 और 2006-07 में एजेंसी सेवाओं पर कार्यकारी व्यय की वसूली			
(मिलियन रुपये में)			
क्रम सं.	लेजा शीर्ष	2005-06 वास्तविक आंज डे	2006-07 वास्तविक आंज डे
1.	सैनिक पेंशन	0.00	5.57
2.	जोयला जनिजों तथा ईपीएफ/परिवार पेंशन तथा विविध सेवाओं का भुजता	41.80	100.52
3.	रेलवे पेंशन का भुजता	89.50	73.50
4.	डाक जीव-बीमा	1432.00	1603.68
5.	सीमा शुल्क वसूली	15.40	17.23
6.	महिला समृद्धि योजना	0.00	0.00
7.	अंतर्राष्ट्रीय धनांतरण जातों पर जमीश-वेस्ट-यूनियन स्कीम	125.40	231.85
8.	संयुक्त डाक-तारघरों का टेलीग्राफ हिस्सा	3.40	1.52
9.	अ-य *	250.30	37.69
	<b>कुल</b>	<b>1,957.80</b>	<b>2071.56</b>

\* इसमें दिल्ली प्रशासन के जैर-डाक टिकटों की बिज्जी पर जमीश-सेवा डाक सेवा लेजा और अ-य सरकारी विभागों से वसूलियां आदि शामिल हैं।

तालिका 6							
2006-2007 के दौरान अभ्यर्पित निधियां तथा बचत							
(मिलियन रुपये में)							
व्यय का स्वरूप	बजट प्राकल्पना	अ-गुपूरज अ-गुदा-पुनर्विनियोजन	कुल	वास्तविक व्यय	अधिज (+) / बचत (-)	अभ्यर्पित / पुनर्विनियोजित राशि	बचत
3201 कार्यकारी-व्यय	65281.80	3652.70	68934.50	67791.20	(-) 1143.30	299.00	(-) 844.30
2552 पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए प्राकल्पना	55.10	1.50	56.60	0.00	(-) 56.60	0.00	(-) 56.60
<b>कुल कार्यकारी व्यय</b>	<b>65336.90</b>	<b>3654.20</b>	<b>68991.10</b>	<b>67791.20</b>	<b>(-) 1199.90</b>	<b>299.00</b>	<b>900.90</b>
5201 पूंजीगत व्यय	3687.80	0.20	3688.00	2847.45	(-) 840.55	486.90	(-) 353.65
4552 पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए प्राकल्पना	171.90	0.00	171.90	0.00	(-) 171.90	0.00	(-) 171.90
<b>कुल पूंजीगत व्यय</b>	<b>3859.70</b>	<b>0.20</b>	<b>3859.90</b>	<b>2847.45</b>	<b>(-) 1012.45</b>	<b>486.90</b>	<b>(-) 525.55</b>
<b>कुल कार्यकारी व्यय+पूंजीगत व्यय</b>	<b>69196.60</b>	<b>3654.40</b>	<b>72851.00</b>	<b>70638.65</b>	<b>(-) 2212.35</b>	<b>785.90</b>	<b>(-) 1426.45</b>

<b>TABLE 5</b>			
<b>RECOVERY OF WORKING EXPENSES ON ACCOUNT OF AGENCY SERVICES IN</b>			
<b>2005-06 &amp; 2006-07</b>			
<b>(Rs. in Million)</b>			
<b>Sl. No.</b>	<b>Head of Account</b>	<b>2005-06 Actuals</b>	<b>2006-07 Actuals</b>
1.	Military Pension	0.00	5.57
2.	Payment of Coal Miners and EPF/Family Pension & other Misc. Services	41.80	100.52
3.	Payment of Railway Pension	89.50	73.50
4.	Postal Life Insurance	1432.00	1603.68
5.	Custom Duty Realisation	15.40	17.23
6.	Mahila Samridhi Yojna	0.00	0.00
7.	Commission on A/c. of International Money Transfer – Western Union Scheme	125.40	231.85
8.	Telegraph share of Combined Offices	3.40	1.52
9.	*Others	250.30	37.69
	<b>Total</b>	<b>1,957.80</b>	<b>2071.56</b>

\* This includes Commission on sale of Non-Postal stamps of Delhi Administration, Recoveries from Army Postal Service Accounts and other Government Departments etc.

<b>TABLE 6</b>							
<b>FUNDS SURRENDERED AND SAVINGS DURING 2006-07</b>							
<b>(Rs. in Million)</b>							
<b>Nature of Expenditure</b>	<b>Budget Estimate</b>	<b>Suppl. Grant/ Re-app.</b>	<b>Total</b>	<b>Actual Expd.</b>	<b>Execc(+)/ Saving (-)</b>	<b>Amount Surrendered/ Re-app.</b>	<b>Savings</b>
3201 Working Exp	65281.80	3652.70	68934.50	67791.20	(-) 1143.30	299.00	(-) 844.30
2552 Prov. For the Development of North East Region	55.10	1.50	56.60	0.00	(-) 56.60	0.00	(-) 56.60
<b>Total working Exp.</b>	<b>65336.90</b>	<b>3654.20</b>	<b>68,991.10</b>	<b>67791.20</b>	<b>(-)1199.90</b>	<b>299.00</b>	<b>(-) 900.90</b>
5201 Capital Exp.	3687.80	0.20	3688.00	2847.45	(-) 840.55	486.90	(-) 353.65
4552 Prov. for the Development of North East Region	171.90	0.00	171.90	0.00	(-) 171.90	0.00	(-) 171.90
<b>Total Capital Exp.</b>	<b>3859.70</b>	<b>0.20</b>	<b>3859.90</b>	<b>2847.45</b>	<b>(-) 1012.45</b>	<b>486.90</b>	<b>(-) 525.55</b>
<b>Total Working Exp. + Capital Exp.</b>	<b>69196.60</b>	<b>3654.40</b>	<b>72851.00</b>	<b>70638.65</b>	<b>(-) 2212.35</b>	<b>785.90</b>	<b>(-) 1426.45</b>

वर्ष के 12,098.84 मिलियन रु. के घाटे से 3.28% अधिक है। ऐसा कार्यकारी व्यय के बढ़ने के कारण हुआ।

9.4 वित्त मंत्रालय द्वारा वर्ष के दौरान 'कार्यकारी व्यय' और 'पूँजीगत परिव्यय' के लिए उपलब्ध कराई गई निधियों का वर्ष के दौरान समुचित रूप से उपयोग कर लिया गया था। अधिशेष निधि जो समय पर वित्त मंत्रालय को अभ्यर्पित कर दिया गया था। यह सराहनीय उपलब्धि प्रभावपूर्ण बजटीय नियंत्रण और व्यय की माहवार प्रगति की मा-मीटरिंग के कारण हासिल हो सकी।

#### पूँजीगत परिव्यय

9.5 वर्ष 2006-2007 में नियत परिसम्पत्तियों पर 2,847.45 मिलियन रूपए का व्यय हुआ जिसमें से 6.60%

भूमि और भवनों पर और 87.93% डाक सेवाओं के यांत्रिकीकरण और आधुनिकीकरण पर और 5.47% मेल मोटर वाहनों और अ-य पर हुआ। वर्ष के अंत में नियत परिसम्पत्तियों पर सजल पूँजीगत मूल्य बढ़कर 15,341.46 मिलियन रूपए हो गया। वर्ष के अंत तक निवल प्रजामी नियत परिसम्पत्ति मूल्य 13,605.24 मिलियन रूपए हो गया।

#### सेवाओं की लाजत

9.6 वर्ष 2004-05 के दौरान विभिन्न डाक सेवाओं की औसत लाजत एवं राजस्व निम्नलिखित तालिका-7 में दिए गए हैं :

तालिका 7			
सेवाओं की लाजत			
(रूपयों में)			
		2004-2005 (वास्तविक)	
क्र.सं.	सेवा का नाम	औसत लाजत	औसत राजस्व
1.	पोस्टकार्ड	6.59	0.50
2.	मुद्रित पोस्टकार्ड	6.61	6.00
3.	प्रतियोजिता पोस्टकार्ड	4.43	10.00
4.	पत्र कार्ड (अंतर्देशीय पत्र)	6.49	2.50
5.	पत्र	7.18	9.09
6.	पंजीकृत समाचार पत्र -एजल	8.42	0.39
7.	पंजीकृत समाचार पत्र - बंडल	14.92	0.99
8.	बुज पोस्ट -बुज पैटर्न एवं सैम्पल पैजेट	8.58	8.34
9.	बुज पोस्ट - मुद्रित पुस्तकें	15.65	3.88
10.	बुज पोस्ट - अ-य पत्रिकाएं	14.48	12.73
11.	पावती	6.00	3.00
12.	पार्सल	70.77	57.30
13.	पंजीकरण	33.55	17.00
14.	स्पीड पोस्ट	42.04	36.90
15.	मूल्यदेय डाक	23.01	4.38
16.	बीमा	44.37	50.31
17.	म-मीआर्डर	56.16	26.14
18.	तार म-मीआर्डर	71.54	28.14
19.	भारतीय पोस्टल आर्डर	24.05	3.00
20.	विदेश डाक	25.01	41.23



utilized. Surplus funds were surrendered in time to the Ministry of Finance. This appreciable achievement was made possible by effective budgetary control and monitoring the progress of expenditure on monthly basis.

vices and 5.47% on Mail Motor Vehicles and others. The value of Gross Capital on fixed assets rose to Rs.15341.46 Million at the end of the year. The net progressive fixed asset value up to the end of the year was Rs. 13605.24 Million.

### Capital Outlay

9.5 The expenditure on fixed assets in the year 2006-07 was Rs. 2847.45 Million, of which 6.60% was on Land and Buildings, 87.93% on Mechanization and Modernisation of Postal Ser-

### Cost of Services

9.6 The average cost and revenue of various postal services during 2004-05 is given in Table-7 below:

<b>TABLE 7</b>			
<b>COST OF SERVICES</b>			
<b>(In Rs.)</b>			
<b>Sl. No.</b>	<b>Name of Service</b>	<b>2004-05 (Actual)</b>	
		<b>Average Cost</b>	<b>Average Revenue</b>
1	Postcard	6.59	0.50
2	Printed Postcard	6.61	6.00
3	Competition Postcard	4.43	10.00
4	Letter Card (Inland)	6.49	2.50
5	Letter	7.18	9.09
6	Regd. Newspaper-Single	8.42	0.39
7	Regd. Newspaper-Bundle	14.92	0.99
8	Book Post - Book Pattern & S. Pkts.	8.58	8.34
9	Book Post-Printed Books	15.65	3.88
10	Book Post-Other Periodicals	14.48	12.73
11	Acknowledgement	6.00	3.00
12	Parcel	70.77	57.30
13	Registration	33.55	17.00
14	Speed Post	42.04	36.90
15	Value Payable Post	23.01	4.38
16	Insurance	44.37	50.31
17	Money Order	56.16	26.14
18	Telegraphic Money Order	71.54	28.14
19	Indian Postal Order	24.05	3.00
20	Foreign Mail	25.01	41.23

## अध्याय 10 मा-व संसाधन-विज्ञान

10.1 एज सेवा संजठन होणे जे जारज, यह आवश्यक है जि विभाज जे जार्यबल जो पूर्ज ज्ञाना हो और ज्राहजों जी आवश्यकताओं जे प्रति वे अनुज्रियाशील हों। वर्तमान परिवेश में, प्रचालनो जा आधुनिकीकरण जरणो जे लिए जंप्यूटर ज्ञाना आवश्यक है। इसलिए, स्टाफ और प्रबंधजों दोनो जे लिए, एज जेन्द्रित और सुनियोजित प्रशिक्षण एवं विज्ञान जार्यक्रम जी आवश्यकता है। सेवाओं जी जुजवता और सेवोत्तम जो सही अर्थ में जार्यावित जरणो जे लिए, प्रचालन, ज्राहज सेवा, व्यवसायो-मुज, वित्तीय प्रबंधन, मा-व संबंध और सही लेजा-विधि पर विभाज जो व्यापज जार्यक्रम तैयार जरणो जी आवश्यकता है। प्रौद्योगिकी जे नवीन अधिष्ठापन जे साथ जदम मिलाने जे लिए प्रशिक्षण जार्यक्रमों जी भी आवश्यकता है।

### प्रशिक्षण संबंधी आधारभूत ढांचा

10.2 विभाज जे पास प्रशिक्षण जी एज सुनियोजित व्यवस्था है। निम्नलिखित प्रशिक्षण संस्था-विभाज जी प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं जो पूरा जरते हैं।

जाजियाबाद स्थित पोस्टल स्टाफ जालेज, भारत (पीएससीआई) सहारनपुर, मैसूर, वडोदरा, दरभंगा, मदुरै और जुवाहाटी स्थित छः डाक प्रशिक्षण जे-द्र (पीटीसी) सर्जिल/जेत्रीय मुज्यालय में 58 जार्य-स्थल जम्प्यूटर प्रशिक्षण जे-द्र (डब्ल्यूसीटीसी)

### पोस्टल स्टाफ जालेज, भारत

10.3 पोस्टल स्टाफ जालेज, भारत, जाजियाबाद विभाज जे प्रबंधजीय संवर्जों जी प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं जो पूरा जरणो वाली शीर्ष प्रशिक्षण संस्था है। इस जालेज जा मुज्य उद्देश्य प्रवेश तथा सेवाजालीन प्रशिक्षण द्वारा भारतीय डाक सेवा और डाक सेवा समूह 'ज' जे अधिजरियों में अपेजित ज्ञान और दजता जा विज्ञान जरणन है ताजि वे डाक प्रजाली जो अधिज जार्यजुशल और उपभोक्ताओं जी आवश्यकताओं जे प्रति अनुज्रियाशील बना सजें। इसमें प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण और व्यवसाय जो बढ़ावा देना शामिल है। पोस्टल स्टाफ जालेज, भारत अ-य डाक प्रशासनो जे अंतर्राष्ट्रीय सहभाजियों जे लिए भी जार्यक्रम संचालित जरता है। समय-समय पर पोस्टल स्टाफ जालेज, भारत द्वारा नई

पहल, सेवा जी जुजवता में सुधार, आदि जैसे विषयों पर जार्यशालाएं भी संचालित जी जाती हैं।

10.4 प्रत्येज वर्ष जालेज द्वारा यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन जे सम-वय जे साथ एज अंतर्राष्ट्रीय जार्यपालक विज्ञान जार्यक्रम आयोजित जिया जाता है जिसजे लिए सरजार चयनित आवेदजों जो छः शिजावृत्ति (फैलोशिप) प्रदाना जरती है। जालेज जम्प्यूटर प्रशिक्षण जार्यजलापो और सूचन प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम भी आयोजित जरता है।

10.5 विभिन्न प्रशिक्षण आवश्यकताओं जो पूरा जरणो जे लिए प्रौद्योगिकी, पाठ्यक्रम जी डिजाइनिंग और डेवेलपिंग मॉड्यूलस जैसे विषयों पर जालेज जा संजय भी पॉलिसी निर्जय लेने जे लिए विभाज जी विभिन्न समितियों में योजदान देता है।

10.6 अंतर्राष्ट्रीय डाक हित जे विभिन्न विषयों पर, जालेज यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) जे सम-वय जे साथ, चयनित विषयों पर सेमिनार/जार्यशालाएं आयोजित जरता है। भारत और विदेशों से प्रतिभाजी ऐसे सेमिनारों/जार्यशालाओं में हिस्सा लेते हैं। सितम्बर 2006 जे बाद से, जालेज ने प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा एज श्रृंजला 'ऑफ चैम्पस टॉक्स' प्रारंभ जी है जिसमें विभाज जे अधिजारी उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर अपनो विचार व्यक्त जरते हैं जि-हें अपनो विषय पर विशेषाधिजण प्राप्त है। डाक भवना, नई दिल्ली में ऐसी नौ वार्ताएं आयोजित जी जई हैं। इन वार्ताओं जा विषय वृहतर राष्ट्रीय महत्व जा है और ये विनिब-ध जे रूप में प्रिंट जिए जाते हैं। ये विनिब-ध सबजे लाभ जे लिए व्यापज रूप से परिचालित जिए जाते हैं और प्रशिक्षण सामज्री जे तौर पर भी प्रयोज में लाए जाते हैं।

### डाक प्रशिक्षण जे-द्र

10.7 छः डाक प्रशिक्षण जे-द्र निरीजज (डाक) और डाक एवं छंटाई सहायजों जो प्रवेश प्रशिक्षण प्रदाना जरते हैं। वे डाक एवं छंटाई सहायजों, पर्यवेजजों, निरीजज (डाक), सहायज अधीजज (डाक), पोस्टमास्टरो आदि जो विभाजीय सॉफ्टवेयर पर पु-ाश्चर्या प्रशिक्षण प्रदाना जरणो जे लिए उत्तरदायी हैं।

## Chapter 10

# HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

10.1 Being a service organization, it is imperative that the Department's workforce is well informed and responsive to customer needs. In the present environment, computer literacy is essential in order to modernize operations. Thus there is a need to have focused and well planned training and development programs for both staff and managers. Keeping in view the need to ensure quality of services and implement **Sevottam** in a real sense, the Department needs a comprehensive program on operations, customer services, business orientation, financial management, human relations and accurate accounting. Training programs are also needed to keep pace with the new induction of technology.

### Training Infrastructure

10.2 The Department has well established training infrastructure. The following institutes take care of the training needs of the Department.

Postal Staff College of India (PSCI) at Ghaziabad.

Six Postal Training Centres (PTCs) at Saharanpur, Mysore, Vadodara, Darbhanga, Madurai and Guwahati.

58 Workplace Computer Training Centres (WCTCs) at the Headquarters of Circles/Regions.

### Postal Staff College of India

10.3 Postal Staff College of India, Ghaziabad is the apex training institute for meeting the training needs of the managerial cadres of the Department. The primary objective of the College is to impart induction, as well as in-service training to the officers of the Indian Postal Service

and Postal Service Group "B", with a view to impart requisite knowledge, and skills to enable the officers to manage the postal system effectively and be responsive to customers' needs. This includes Technology Training and Business Orientation. Postal Staff College of India also conducts programme for international participants of other Postal Administrations. From time to time, Postal Staff College of India also conducts workshops for issues, such as implementation of new initiatives, improvement in quality of service, etc.

10.4 The College organizes each year an International Executive Development Programme in co-ordination with the Universal Postal Union for which the Government offers six (6) fellowships to selected applicants. The College also conducts Computer Training Activities and Courses on Information Technology.

10.5 The faculty of the College also contributes in various Committees for taking policy decisions in subjects such as Technology, Designing of Syllabus and Developing Modules for various training requirements of the Department.

10.6 The College conducts Seminars/Workshops on select topics of International Postal interest in co-ordination with Universal Postal Union (UPU). Participants from India and abroad attend such Seminars/Workshops. From September, 2006 onwards, the College started a series of "Off Campus Talks" by eminent speakers in which the officers of the Department get to share the views of eminent personalities who have deep knowledge in the area of their specialization. Nine such talks have been held at Dak Bhawan, New Delhi. The topics for these talks are of broader national relevance and these are printed in the form of monographs. These monographs are widely circulated for everyone's benefit and also serve as training material.

10.8 कार्यस्थल जम्पूटर प्रशिक्षण जे-द्रों द्वारा विभागीय सॉफ्टवेयर जे कार्या-व्यय-न जे लिए स्था-नीय स्तर पर प्रशिक्षण प्रदाना जिया जाता है। वर्तमान में, 8,000 से भी अधिक डाकघरों का जम्पूटरीकरण कर दिया गया है। निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है जिससे कि स्टाफ द्वारा विभागीय सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा सके।

### प्रशिक्षण कार्यक्रम

10.9 विदेश में, थाइलैंड में एशियाई-प्रशांत पोस्टल जालेज, बैंकॉक और भारत में प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्था-ओं जैसे प्रशासनिक स्टाफ जालेज भारत, हैदराबाद, भारतीय प्रबंधन संस्था-न, -श-नल लॉ स्कूल यूनिवर्सिटी, बेंगलूर, राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्था-न, पुणे आदि में अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम जे लिए भी भेजा जाता है।

10.10 डाकिया, ज़ामीज डाक सेवक शाखा पोस्टमास्टर्स और डाक वितरकों जे लिए डिवीज-नल / उप-डिवीज-नल स्तर जैसे -नोडल प्वाइंट्स पर चयनित डाक प्रचाल-नों में अल्प-अवधि जे लिए 10 स्था-नीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

10.11 कार्यबल जे प्रशिक्षण और विज्ञान की आवश्यकता को मा-यता देते हुए, एक अलग प्रशिक्षण डिवीज-न स्थापित किया गया है। 11वीं पंचवर्षीय योजना जे लिए कई योजनागत कार्यक्रम तैयार किए गए हैं जि-में प्रबंधन संवर्धन जे लिए जम्पूटर प्रशिक्षण और व्यवसाय को बढ़ावा देने जे लिए कई विज्ञान कार्यक्रम शामिल हैं। प्रशिक्षण प्रदाना कर-ने जे लिए योजना का निर्माण कर-ना एक आवश्यक कार्यक्रम है क्योंकि स्टाफ को काफी संख्या में निरंतर प्रशिक्षण प्रदाना कर-ने की आवश्यकता है। जम्पूटरीकरण और व्यवसाय को बढ़ावा देने जे लिए ज़ामीज डाक सेवकों को प्रशिक्षण दे-ना योजना प्रस्ताव का एक महत्वपूर्ण घटक है। ऑन-लाइन प्रशिक्षण, स्व-शिक्षण ट्यूटोरियल्स और डाक जर्मचारियों तथा ज़ामीज डाक सेवकों में सेवा प्रदाताओं जे विज्ञान की भी योजना है।

10.12 वर्ष 2006-2007 जे दौरा-न, पोस्टल स्टाफ जालेज, भारत, छह डाक प्रशिक्षण जे-द्रों और 58 कार्यस्थल जम्पूटर प्रशिक्षण जे-द्रों द्वारा नि-मलित संख्या में अधिकारियों/जर्मचारियों को जम्पूटर प्रशिक्षण दिया गया :-

क्र.सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	डाक प्रशिक्षण संस्था-न				कुल
		पोस्टल स्टाफ जालेज	प्रशिक्षण जे-द्र	कार्यस्थल प्रशिक्षण जे-द्र/ -नोडल बि-दु	एशियाई प्रशांत डाक जालेज एवं अ-य विदेशी प्रशिक्षण संस्था-न	
1	प्रवेश प्रशिक्षण	120	4,463	-	-	4,583
2.	सेवाजाली-न प्रशिक्षण	320	4,898	-	-	5,218
3.	जीडीएसबीपीएम, - वितरण स्टाफ आदि को सेवाजाली-न प्रशिक्षण	-	47,381	47,381	-	
4.	जम्पूटर प्रशिक्षण	235	12,400	18,746	-	31,381
5.	विदेश में प्रशिक्षण जे लिए भेजे गए अधिकारी	-	-	-	-	
6.	विदेश में प्रशिक्षण जे लिए भेजे गए अधिकारी/जर्मचारी	-	-	-	15	15
<b>कुल</b>		<b>675</b>	<b>21,761</b>	<b>66,127</b>	<b>15</b>	<b>88,578</b>
<b>प्रशिक्षित महिला अधिकारियों/ जर्मचारियों की कुल संख्या</b>		<b>38</b>	<b>3028</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>3066</b>



## Postal Training Centres

10.7 The six Postal Training Centres impart induction training to Inspectors (Posts) and Postal and Sorting Assistants. They are responsible for imparting refresher training to Postal and Sorting Assistants, Supervisors, Inspector (Posts), Asst. Superintendent (Posts), Postmasters etc., on Departmental software.

10.8 The Workplace Computer Training Centres impart training at local level for implementing Departmental software. At present, more than 8,000 Post Offices have been computerized. Continuous training programs are required so that all the staff can use the Departmental software.

## Training Programmes

10.9 Officers are also sent to training courses abroad to Asian-Pacific Postal College, Bangkok in Thailand and to Training Institutes of repute in India like Administrative Staff College India, Hyderabad, Indian Institute of Management, National Law School University, Bangalore, National Institute of Bank Management, Pune, etc.

10.10 Local Training Programmes of short-term duration on select Postal Operations are organized at nodal points like Divisional/Sub-Divisional level for Postmen, Gramin Dak Sewak Branch Postmasters and Mail Deliverers.

10.11 Recognizing the need for training and development of the workforce, a separate Training Division has been established. A number of planned activities, which include development programmes for managerial cadres, computer training & business orientation, have been prepared for the 11<sup>th</sup> Five Year Plan. Capacity building for imparting training is an important activity as a large number of staff is required to be trained frequently. Training for Gramin Dak Sewaks for computerization and business orientation is an important segment of the Plan proposal. On line training, self-learning tutorials and development of facilitators from the Postal employees and GDS is also on the anvil.

10.12 During the year 2006-07, the Postal Staff College of India, six Postal Training Centres and 58 Workplace Computer Training Centres have trained the following number of officers/staff: -

S.No.	Training Activity	Postal Training Institutions				Total
		Postal College Staff	Training Centres	Workplace Training Centres/ Nodal points	Asian Pacific Postal College & Other Foreign Training Institutes	
i.	Induction Training	120	4,463	-	-	4,583
ii.	In-service Training	320	4,898	-	-	5,218
iii.	In-service Training to GDSBPMs, Delivery Staff etc.	-	-	47,381	-	47,381
iv.	Computer Training	235	12,400	18,746	-	31,381
v.	Officers sent for training abroad	-	-	-	15	15
	<b>Total</b>	<b>675</b>	<b>21,761</b>	<b>66,127</b>	<b>15</b>	<b>88,578</b>
	<b>Total number of Women officers/staff trained</b>	<b>38</b>	<b>3028</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>3066</b>

## अध्याय - 11 सतर्कता कार्यकलाप

11.1 1.55 लाख डाकघरों के व्यापक नेटवर्क और वृहत जार्यबल (जरीब 5 लाख) के साथ, विभाज ने एक प्रभावी सतर्कता स्थापना स्थापित की है। इसका मुख्यालय -ई दिल्ली में स्थित है। सचिव (डाक) इस स्थापना के अध्यक्ष हैं जि-जी सहायता के लिए उप महा-निदेशक (सतर्कता), अर्थात् मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी सतर्कता संबंधी सभी मामलों में सचिव की सहायता करते हैं और डाक विभाज तथा मुख्य सतर्कता आयोज (सीवीसी) के बीच जुड़ी जा काम करते हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी की सहायता के लिए मुख्यालय में एक निदेशक (सतर्कता), ती-न सहायक महा-निदेशक और एक डेस्क अधिकारी हैं। इसके अलावा, हा-नि और धोजाधड़ी के मामलों की जांच करने, राजस्व की चोरी का पता लगाने तथा अ-य प्रजार के अ-नाचारों की जांच के लिए मुख्यालय में एक जांच प्रभाज और के-द्रीय जांच दल है।

11.2 निवारक सतर्कता के एक भाज के रूप में, मुख्य सतर्कता अधिकारी सतर्कता मामलों को देखने के अलावा (i) संवेद-शील स्था-नों का नियमित और अचा-क निरीजज करते हैं, (ii) ऐसी जार्यविधियों की समीजा करने और उ-हें दोषरहित ब-ाने के लिए भी जिम्मेदार है जि-में भ्रष्टाचार या उदाचार की आशंका हो (iii) विभाज और इसके फील्ड जार्यालयों में भ्रष्टाचार और दूसरे प्रजार के अ-नाचारों की रोजथाम और इ-क पता लगाने के लिए भी उत्तरदायी हैं।

11.3 विभिन्न स्तरों पर के-द्रीय अ-वेषज ब्यूरो (सीबीआई) के साथ समय-समय पर बैठकें होती हैं और सीबीआई के साथ परामर्श करते संदेहास्पद अधिजारियों की सूची तैयार की जाती है। इ-न संदेहास्पद अधिजारियों पर जुड़ी -जर रकी जाती है। फील्ड यू-नितों के साथ परामर्श करते संदेहास्पद निष्ठा वाले अधिजारियों की एक सूची भी तैयार की जाती है।

11.4 सर्जिल, जेत्रीय और डिविज-नल स्तर पर सतर्कता संबंधी जार्य इ-के प्रमुज यानि प्रधान मुख्य पोस्टमास्टर ज-रल/मुख्य पोस्टमास्टर ज-रल, जेत्रीय पोस्टमास्टर ज-रल और डिविज-नल अध्यक्ष द्वारा अप-ने समज जार्य और

उत्तरदायित्वों के ही एक भाज के रूप में किए जाते हैं।

फील्ड यू-नितों द्वारा नि-मालिजित मुख्य जार्यकलाप किए जाते हैं:-

- प्रत्येक सर्जिल का एक सतर्कता अधिकारी (वीओ) होता है जो सतर्कता संबंधी मामलों के लिए -नोडल अधिकारी के तौर पर जार्य करते हैं।
- अचा-क निरीजज के माध्यम से राजस्व की चोरी आदि का पता लगाने के लिए सभी स्तरों पर (के-द्रीय) जांच दल का जठ-न किया गया है।
- विभाजीय निधियों / संसाध-नों के बेहतर प्रबंध-न के लिए संवेदी जार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
- सभी जार्यालयों को जवर करने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रजाली तैयार की जा रही है।
- अ-गुशासनिज जार्यवाही प्रारंभ करने और अ-गुवर्ती जार्यवाई करने के लिए जांच की जाती है तथा सतर्कता मामले प्रोसेस किए जाते हैं।
- आवधिज विवरकी की मा-नीटरिज के माध्यम से अ-य घटकों के साथ सतर्कता संबंधी जतिविधियों पर निजरा-नी रकी जाती है।

11.5 वर्ष के दौरान सतर्कता जार्यकलाप (सम्बद्ध एवं अधी-स्थ जार्यालय सहित) इस प्रजार रहे:-

- के-द्रीय सतर्कता आयोज के निदेशों के अनुसार, -नवम्बर, 2007 में सतर्कता सप्ताह म-ाया गया।
- 22 अधिजारियों और 1158 अ-य जर्मचारियों को मुख्य शास्ति और 63 अधिजारियों और 7134 अ-य जर्मचारियों को लघु शास्ति दी गई।
- 18 मामलों की जांच की गई और उ-हें के-द्रीय सतर्कता आयोज (सीवीसी) को भेजा गया।



## Chapter 11

# VIGILANCE ACTIVITIES

11.1 With an extensive network of 1.55 lakh post offices and huge work force (5 lakh approximately), the Department has set-up an efficient vigilance structure. Beginning with the Headquarters at New Delhi, the set-up is headed by the Secretary (Posts), who in turn, is assisted by the Deputy Director General (Vigilance), i.e. the Chief Vigilance Officer (CVO) of the Department. The CVO assists the Secretary in all matters pertaining to vigilance and provides a link between the Department of Posts and the Central Vigilance Commission (CVC). The CVO is assisted by a Director (Vigilance), three Assistant Directors General and one Desk Officer at the Headquarters. Besides, there is also an Investigation Wing and a Central Checking Squad for investigation into loss and fraud cases, checking of leakage of revenue and other malpractices.

11.2 Besides, dealing with vigilance cases, as part of preventive vigilance, the CVO (i) arranges regular and surprise inspections of sensitive spots (ii) reviews/streamlines procedures, which appear to afford scope for corruption or misconduct, (iii) initiates measures for prevention, detection of corruption and other malpractices in the Department and its field offices.

11.3 Periodical meetings with CBI at various levels are held and Agreed Lists of suspected officers are drawn up in consultation with CBI. Close watch is kept on the listed officers. List of Officers of doubtful integrity is also prepared in consultation with the field units.

11.4 At the Circle, Regional and Divisional levels, vigilance related functions are discharged by Heads of these units, viz. Principal Chief Postmaster General/Chief Postmasters General,

Regional Postmasters General and Divisional Heads, as part of their overall duties and responsibilities.

The main activities carried out in the field units are stated in the ensuing:-

- (i) Each Circle has a Vigilance Officer (VO) who serves as a nodal officer for vigilance related matters.
- (ii) (Central) Checking Squads are formed at all levels to detect leakage of revenue, etc. through surprise checks.
- (iii) Sensitization programmes are conducted for better management of Departmental funds/resources.
- (iv) A methodical system of annual inspections covering all offices is in place.
- (v) Enquiries are conducted and vigilance cases processed for initiating disciplinary proceedings, and taking follow up action.
- (vi) A tab is kept on vigilance related activities, amongst other factors, through, monitoring of periodical statements.

11.5 Vigilance related activities during the year (including attached and subordinate office) were as follows: -

- (i) Vigilance week was observed in November, 2007 in the Department, as per directions of CVC.
- (ii) 22 Officers and 1158 other staff were awarded major penalty while 63 Officers and 7134 other staff were awarded minor penalty.
- (iii) 18 cases were examined and referred to CVC.

## अध्याय-12

# महिलाओं से संबंधित मुद्दे

12.1 डाक विभाग महिलाओं को समानता और न्याय दिलाने के सामाजिक उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध है। समान सहभागिता सुनिश्चित करते हुए, महिलाएं निर्णय लेने के लिए शीर्षस्थ स्तर पर कार्यरत हैं जबकि दूसरी ओर, पुरानी रूढ़ियों को तोड़ते हुए, कार्य की दक्षता के नए मानदंडों को प्रस्तुत करते हुए, महिलाएं प्रचालक यूनिटों में रात्रि पाली में भी कार्य करती हैं।

12.2 प्रत्येक प्रशिक्षण मॉड्यूल में महिलाओं के प्रति संवेदनशील होने संबंधी विषयों को शामिल किया गया है जिससे कि न्यायसंगत, समर्थ और महिलाओं के प्रति संवेदनशील कार्यस्थल बनाने की ओर, पुरुषों एवं महिलाओं में दायित्व की भावना उत्पन्न की जा सकें।

12.3 संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार की अध्यक्षता में महिला बजट प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जो महिलाओं से संबंधित विशिष्ट स्कीमों की पहचान करने की प्रक्रिया में है। इनके लिए विशिष्ट रूप से नामोद्दिष्ट बजटीय आबंटन के साथ इनका कार्यान्वयन किया जाएगा।

12.4 क्रेश सुविधा जैसी प्रोत्साहन सेवाएं प्रदान करने के अतिरिक्त, विभागीय रिहायशी क्वार्टर आबंटित करते समय महिला कर्मचारियों को वरीयता दी जाती है।

12.5 निदेशक (स्टाफ) की अध्यक्षता में यौन उत्पीड़न समिति निदेशालय में कार्य करती है और फील्ड संगठनों में भी समान प्रकार की स्थापना की गई है।

## Chapter 12

# GENDER ISSUES

12.1 The Department of Posts is committed to the social objectives of Gender Equality and Justice. Ensuring equal participation, women hold the highest levels of decision-making, while on the other hand, women in the operational units work night shift introducing new parameters to work efficiency, while breaking age-old stereotypes.

12.2 Gender Sensitization themes have been incorporated in each of the training modules to inculcate the element of social responsibility in men and women towards creating an equitable, enabling and gender sensitized work place.

12.3 Gender Budget cell has been formed under the chairpersonship of JS&FA which is in the process of identifying gender specific schemes which would be implemented with budgetary allocation earmarked specially for these.

12.4 Besides providing support services like creche facility, preferential treatment is given to women employees while allotting departmental residential quarters.

12.5 Sexual harassment committee functions under the chairpersonship of Director (Staff) at the Directorate and similar set-up is available in the field organizations.



कोच्ची ( केरल ) में स्थापित “स्पीड पोस्ट ड्रॉप बाक्स” ।

"Speed Post Drop Box" installed in Kochi (Kerala).

## अध्याय 13 शारीरिक विकलांग

13.1 निशक्तता क्षेत्र जैसी भाषा शैली का प्रयोज वास्तविकता में अयथार्थ है क्योंकि इसका अभिप्राय -1 केवल -1जारात्मक है बल्कि यह समाज के एक ऐसे वर्ग को जम सजम ठहराता है जि-1का इसमें स्वयं का जोई दोष -1हीं है। ऐसे विजलांज व्यक्तियों के लिए डाक विभाज की -1ीतियां स्पष्ट है।

(i) जो डाक जर्मचारी 13,100 रुपये प्रतिमाह तज का वेत-1 ले रहे हैं, उ-1के शारीरिज रूप से विजलांज/ मा-1सिज रूप से विजिप्त/-1ेत्रही-1/ मूज एवं बधिर बच्चे 'डाक जलयाज निधि से डाक जर्मचारियों के बच्चों के सहायतार्थ शैजिज सहायता का अ-1ुदा-1' स्जीम के अंतर्गत 45/-रुपये प्रतिमाह की वार्षिज छात्रवृत्ति पा-1े के हजदार हैं। छात्रवृत्ति और अ-1य शैजिज स्जीमों के अंतर्गत उपलब्ध निधियों की 3% निधि विजलांज बच्चों के लिए निर्दिष्ट है।

(ii) अस्थिज-1 रोजों से ज्रस्त विजलांज जर्मचारी जलयाज निधि से नि-1ालिजित सहायता प्राप्त ज-1रे के पात्र हैं।

(ज) विजलांज जर्मचारी मशी-1चालित तिपहिया साइजिल के ज्रय पर जिए व्यय की पूरी प्रतिपूर्ति प्राप्त ज-1र सजता है। (अधिज-1तम 2000/- रुपये तज)

(ज) वित्तीय सहायता के रूप में विजलांज जर्मचारी को मोटरचालित तिपहिया साइजिल के ज्रय पर सर्जिल जलयाज निधि से 15000/-रुपये की राशि अथवा मोटरचालित तिपहिया साइजिल की लाजत का 50% जो भी जम हो, दिया जाता है। यदि संबंधित जर्मचारी स्जूटर अज्रिम के लिए आवेद-1 ज-1रता है, तो ऐसे मामले में सहा-1भूतिपूर्वज प्राथमिजता देज-1र उस पर विचार जिया जाता है।

(ज) अस्थिज-1 रोज से ज्रस्त विजलांज जर्मचारी के-1्रीय सेवा (चिजित्सा परिचर) नियमावली के अंतर्गत व्हील चेयर की पूर्ज लाजत की प्रतिपूर्ति के लिए पात्र होंगे।

(iii) प्रथम से बारहवीं जका तज पढ़-1े वाले शारीरिज विजलांज/मा-1सिज रूप से विजिप्त/ -1ेत्रही-1/ मूक-बधिर बच्चों को परिवह-1ा प्रभार तथा छात्रावास/ मेस सबसिडी (परिवह-1ा प्रभार के स्था-1 पर) दी जाएगी। श्रेजी 'ज' शहरों में यह दर इस समय 50 रु. प्रति माह और श्रेजी 'ज' शहरों में 40 रुपये प्रति माह है।

(iv) 5 जि.ज्रा. तज के भार वाले अ-1ध साहित्य पैजेट डाक विभाज द्वारा नि:शुल्क भेजे जाते हैं।

13.2 जार्मिज एवं प्रशिजज विभाज -1े समूह 'ज', 'ज', 'ज' एवं 'घ' के संबंध में सीधी भर्तियों का 3% आरजज विजलांज व्यक्तियों के लिए आरजित जिया है जिसमें से 1% उ-1ा व्यक्तियों के लिए आरजित है जो (i) -1ेत्रही-1ता अथवा दृष्टि जमजोर हो-1ा (ii) बधिर हो-1ा (iii) जति विजलांजता अथवा मस्तिष्क अंजघात से पीड़ित है। यह आरजज इस प्रज-1र की निशक्तता के लिए निर्दिष्ट पदों पर लाजू होजा।

13.3 1996 से 942 रिक्तियां जार्मिज एवं प्रशिजज विभाज के अ-1ुदेशों के अ-1ुसार विजलांज व्यक्तियों से भरी जई।

## Chapter 13

# PHYSICALLY CHALLENGED

13.1 Disability Sector is actually a misnomer, not only does it have negative connotation, it also projects certain sections of society as having less ability for no fault of their own. The Department of Posts has clear policies for people who are so challenged:-

- (i) Physically handicapped /Mentally retarded/ Blind/Deaf and Dumb children of postal employees drawing pay up to Rs. 13,100/- p. m. are eligible to get annual scholarship of Rs. 45/- p.m. under the scheme of "Grant of educational assistance to the children of postal employees from the postal welfare fund". 3% funds are earmarked for scholarship of such challenged children out of the available funds under scholarships and other educational schemes.
- (ii) Orthopaedically challenged employees are eligible to get the following financial assistance from the Welfare Fund.
  - (a) A challenged employee is entitled to get full reimbursement of amount spent on purchase of mechanized Tri-cycle (maximum up to Rs. 2,000/-).
  - (b) An amount of Rs. 15,000/- from the Circle Welfare Fund or 50% of the total cost of a Motorized Tri-cycle, whichever is less, can be granted to a challenged employee as financial assistance. If the same employee applies for the grant of scooter advance, his or her case is considered sympathetically on priority basis.
- (c) Orthopaedically challenged employee can get full re-imburement of cost of Wheel Chair under the Central Services (Medical Attendance) Rules.
- (iii) Transport Charges and Hostel/Mess Subsidy (in lieu of Transport Charges) is allowed to challenged /mentally retarded/ blind/deaf and dumb children studying from 1<sup>st</sup> to 12<sup>th</sup> standard @ Rs. 50 p.m. in 'A' class cities and Rs. 40 p.m. in 'B' class cities.
- (iv) Blind Literature Packets weighing up to 5 Kg is transmitted free by the Department of Posts.

13.2 The Department of Personnel and Training has fixed 3% reservation in respect of direct recruitment vacancies to Group 'A', 'B', 'C' & 'D' to be reserved for persons with disabilities of which 1% each shall be reserved for persons suffering from (i) Blindness or low vision (ii) Hearing impairment and (iii) loco-motor disability or cerebral palsy in the posts identified for such disability.

13.3 Since 1996, 942 vacancies were filled by persons with disability as per the instructions of Department of Personnel and Training.

## अध्याय 14

# पूर्वोत्तर जेत्र में विज्ञासात्मक कार्यकलाप

14.1 भारतीय डाक ने, सरकार के नीतिगत मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार, पूर्वोत्तर जेत्र में विज्ञासात्मक कार्यकलापों के लिए विशेष पहल की है।

14.2 पहले पूरे पूर्वोत्तर जेत्र में केवल एक डाक सर्किल द्वारा सेवा उपलब्ध कराई जाती थी। तथापि, इस जेत्र के सामरिक महत्व पर विचार करते हुए एवं विज्ञासात्मक कार्यकलापों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से तत्कालीन सर्किल को दो स्वतंत्र डाक सर्किलों में विभाजित कर दिया गया। इसमें एक असम सर्किल है जो असम राज्य के साथ जोटर्मि-स है तथा दूसरा पूर्वोत्तर डाक सर्किल है, जिसमें छः राज्य-अरुणाचल प्रदेश, मजिपुर, मेघालय, मिजोरम, नाजालैंड और त्रिपुरा आते हैं। प्रत्येक सर्किल मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के प्रशासनिक नियंत्रण में है।

14.3 असम डाक सर्किल में 4,008 डाक घर हैं, जिसका मुख्यालय जुवाहाटी में है। प्रत्येक डाक घर औसतन 7156 की जनसंख्या को तथा 19.60 वर्ग किलोमीटर जेत्र में सेवा प्रदान करता है। पूर्वोत्तर डाक सर्किल का मुख्यालय शिलांग में है और इससे अधिचार जेत्र में कुल 2,932 डाक घर हैं। प्रत्येक डाक घर औसतन क्रमशः 60.24 वर्ग किलोमीटर और 4,051 की जनसंख्या को सेवा उपलब्ध कराता है।

### योजना कार्यकलाप

14.4 पिछले वर्षों में शुरू किए गए विज्ञासात्मक कार्यक्रमों को दसवीं योजना के दौरान जारी रखा गया। दसवीं योजना के दौरान समूचे देश भर में योजना कार्यकलापों पर किए गए कुल व्यय के दृष्टिकोण से पूर्वोत्तर जेत्र में किया गया व्यय निम्नवत है:

तालिका 8 पूर्वोत्तर जेत्र में योजनागत व्यय (मिलियन रु. में)			
वार्षिक योजना	कुल योजना व्यय	पूर्वोत्तर में व्यय	कुल व्यय का प्रतिशत
2002-03	459.10	25.30	5.51%
2003-04	633.04	39.13	6.18%
2004-05	1421.60	42.40	2.98%
2005-06	3011.11	48.20	1.60%
2006-07	3221.90	250.90	7.78%

14.5 मानव संसाधन विकास हेतु प्रौद्योगिकी के समावेश से उत्पन्न आवश्यकताओं के अनुरूप ब्राह्मो-गुजल सेवाओं की व्यवस्था करने के उद्देश्य से उर्मचारियों को विभिन्न जेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विवरण नीचे दिया गया है:-





## Chapter 14

# DEVELOPMENT ACTIVITIES IN NORTH EASTERN REGION

14.1 India Post has taken up special initiatives for developmental activities in the North-Eastern Region, in accordance with the policy guidelines of the Government.

14.2 The North Eastern Region was previously served by one Postal Circle only. However, considering the strategic importance of the region, and to ensure focussed attention on developmental activities, the erstwhile Circle was bifurcated into two independent Postal Circles, namely, Assam Circle, co-terminus with the State of Assam, and the North-East Postal Circle, covering the six states of Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland and Tripura. Each Circle is under the administrative control of a Chief Postmaster General.

14.3 Assam Postal Circle, with its headquarters at Guwahati, has a network of 4,008 Post Offices. On an average, each Post Office serves a population of 7,156 persons and an area of 19.60 sq. kms. North East Postal Circle has its headquarters at Shillong. It has within its jurisdiction a total of 2,932 Post Offices. On an average, each Post Office serves an area and population of 60.24 sq. kms. and 4,051 persons respectively.

### Plan Activities

14.4 The developmental programmes initiated in previous years were continued in the Tenth Plan. The expenditure in the North Eastern region vis-à-vis the total expenditure on Plan activities throughout the country during Tenth Plan is given below:

<b>TABLE 8</b>			
<b>PLAN EXPENDITURE IN NORTH EASTERN REGION</b>			
<b>(Rs. in Million)</b>			
<b>Annual Plan</b>	<b>Total Plan Expenditure</b>	<b>Expenditure in North-East</b>	<b>% over total expenditure</b>
2002-03	459.10	25.30	5.51%
2003-04	633.04	39.13	6.18%
2004-05	1421.60	42.40	2.98%
2005-06	3011.11	48.20	1.60%
2006-07	3221.90	250.90	7.78%

14.5 In order to develop human resources, in line with emerging needs of technology induction and provision of customer-centric services, officials in the North Eastern region were imparted training in various fields. The details are given below:

### तालिका-9

राज्य	समूह 'उ' और 'ज' जर्मचारियों जो प्रशिजज	समूह 'ज' जर्मचारियों जो सेवाजाली-1 प्रशिजज	जंप्यूटर प्रशिजज	डाजिए जे लिए प्रशिजज
असम	12	216	219	128
अरुजाचल प्रदेश	1	9	53	57
मजिपुर	-	15	114	50
मेघालय	3	16	46	50
मिजोरम	2	13	-	50
-गजालैंड	-	8	13	50
त्रिपुरा	2	10	108	50

14.6 योजन-गजज्ज जे अंतर्जत 2006-2007 जे दौर-गज जी जई अ-य मुज्य विजस जतिविधियों जग राज्यवार विवरज निम्न-गुसार है :-

#### असम

14.7 वर्ष जे दौर-गज 197 डाजघरों, 4 पंजीजरज छंटाई जेंद्रों जग जंप्यूटरीजरज जिया जया, और आठ डाजघरों जग आधुनिजीजरज जिया जया तथा 176 अतिरिक्त विभाजीय शाजग डाजघरों जे बुनियादी सजग-साम-ग उपलब्ध जराया जया। 7 डाज वित्तीय मार्ट और 4 तत्जाल म-नीऑर्डर जेंद्र स्थापित जिए जए हैं। एज डाजघर भव-ग जग निर्माज जिया जया है। ए-आईसी द्वारा विजसित जीपीएफ सॉफ्टवेयर जे डाज लेजग जग्यालय में संस्थापित जिया जया है।

#### अरुजाचल प्रदेश

14.8 वर्ष जे दौर-गज 11 डाजघरों, 1 स्पीड पोस्ट बुज्जिज/वितरज डाजघर, 3 डाजघरों जग जंप्यूटरीजरज जिया जया और 2 डाजघरों जग आधुनिजीजरज जिया जया। एज डाज वित्तीय मार्ट और एज तत्जाल म-नीऑर्डर जेंद्र स्थापित जिया

जया। एज पार्सल डाज जेंद्र भी स्थापित जिया जया।

#### मजिपुर

14.9 वर्ष जे दौर-गज 8 डाजघर, 2 स्पीड पोस्ट बुज्जिज/वितरज डाजघरों, 7 डाजघरों जग जंप्यूटरीजरज जिया जया। 124 अतिरिक्त विभाजीय शाजग डाजघरों जे बुनियादी सजग-साम-ग उपलब्ध जराया जया। एज डाजघर जग आधुनिजीजरज जिया जया। इसजे अतिरिक्त, एज डाज वित्तीय मार्ट और एज तत्जाल म-नीऑर्डर जेंद्र भी स्थापित जिया जया।

#### मेघालय

14.10 वर्ष जे दौर-गज 23 डाजघर, एज स्पीड पोस्ट बुज्जिज/वितरज डाजघर, 15 डाजघरों जे जंप्यूटरीजृत जिया जया, और 2 डाजघरों जग आधुनिजीजरज जिया जया। इसजे अतिरिक्त एज डाज वित्तीय मार्ट, एज तत्जाल म-नीऑर्डर जेंद्र स्थापित जिए जए हैं। ए-आईसी द्वारा विजसित जीपीएफ सॉफ्टवेयर जे डाज लेजग जग्यालय में संस्थापित जिया जया है।

<b>TABLE 9</b>				
States	Training to Group 'A' & 'B' officials	In-service training to Group C' Officials	Computer Training	Training for Postmen
Assam	12	216	219	128
Arunachal Pradesh	1	9	53	57
Manipur	-	15	114	50
Meghalaya	3	16	46	50
Mizoram	2	13	-	50
Nagaland	-	8	13	50
Tripura	2	10	108	50

14.6 The details of the major developmental activities initiated under plan segment during 2006-07, state-wise, are given below:

#### **Assam**

14.7 During the year, 197 Post Offices, 4 Registration sorting centres were computerized, and 8 Post Offices were modernized, and 176 EDBOs were provided with infrastructural equipments. 7 Postal Finance Marts and 4 iMO centres have been set up. One post office building has been constructed. The GPF software developed by NIC has been replicated in the Postal Accounts Office.

#### **Arunachal Pradesh**

14.8 During the year, 11 Post Offices, 1 Speed Post booking/delivery office, 3 Post Offices, were computerized, and 2 Post Offices were modernised. One Postal Finance Mart, and one iMO centre have been set up. One Parcel Post centre was also set up.

#### **Manipur**

14.9 During the year, 8 Post Offices, 2 Speed Post booking/delivery offices, 7 Post Offices were computerized. 124 EDBOs were provided with Infrastructural Equipments. One Post Offices was modernized. Further, one Postal Finance Mart, and one iMO centre have been set up.

#### **Meghalaya**

14.10 During the year, 23 Post Offices, one Speed Post booking/delivery office, 15 Post Offices were computerized, and 2 Post Offices were modernized. Further, one Postal Finance Mart, and one iMO centre have been set up. The GPF software developed by NIC has been replicated in the Postal Accounts Office.

## मिजोरम

14.11 वर्ष के दौरान 11 डाकघर, एक स्पीड पोस्ट सेंटर, 4 डाकघरों को कंप्यूटरीकृत किया गया और 2 डाकघरों को आधुनिकीकृत किया गया। 16 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघरों को बुनियादी साजो-सामान उपलब्ध कराया गया। इससे अतिरिक्त, एक डाक वित्तीय मार्ग, एक तत्काल मनीऑर्डर सेंटर स्थापित किया गया। एक फिलेटलिज इजार्ड को उपकरण तथा उपस्कर मुहैया कराए गए। एक पार्सल पोस्ट सेंटर स्थापित किया गया है।

## -गजालैंड

14.12 वर्ष के दौरान 9 डाकघरों, एक स्पीड पोस्ट बुजिज/वितरण डाकघर को कंप्यूटरीकरण किया गया और 2 डाकघरों को आधुनिकीकरण किया गया। एक अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर को बुनियादी साजो-सामान मुहैया कराए गए। इससे अलावा, एक डाक वित्तीय मार्ग और एक तत्काल मनीऑर्डर सेंटर भी स्थापित किया गया। एक पार्सल डाक सेंटर भी जोला गया है।

## त्रिपुरा

14.13 वर्ष के दौरान 37 डाकघरों, एक स्पीड पोस्ट बुजिज/वितरण डाकघर, 25 डाकघरों को कंप्यूटरीकरण किया गया, दो डाकघरों को आधुनिकीकरण किया गया और 4 स्पीड पोस्ट सेंटरों को स्पीड पोस्ट व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए उ-हें स्पीड -ोट पर ट्रेज एंड ट्रेस सुविधा उपलब्ध कराई गई। इससे अतिरिक्त 2 डाक वित्तीय मार्ग और 2 तत्काल मनीऑर्डर सेंटर स्थापित किए गए हैं।

## सिक्किम

14.14 वर्ष के दौरान 2 डाकघरों को कंप्यूटरीकरण किया गया। एक डाकघर को आधुनिकीकरण किया गया। एक डाक वित्तीय मार्ग और एक तत्काल मनीऑर्डर सेंटर की स्थापना की गई है। 4 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघरों को बुनियादी साजो-सामान उपलब्ध कराए गए हैं।



### **Mizoram**

14.11 During the year, 11 Post Offices, one Speed Post center, 4 Post Offices were computerized, and 2 Post Offices were modernized. 16 EDBOs were provided with Infrastructural Equipments. Further, one Postal Finance Mart, and one iMO centre have been set up. One Philatelic unit was supplied with tools & equipments. One Parcel Post Centre has been set up.

### **Nagaland**

14.12 During the year, 9 Post Offices, one Speed Post booking/delivery office were computerized, and 2 Post Offices were modernised. One EDBO was provided with infrastructural Equipments. Further, one Postal Finance Mart, and one iMO centre have been set up. One Parcel Post Centre was also opened.

### **Tripura**

14.13 During the year, 37 Post Offices, one Speed Post booking/delivery office, 25 Post Offices were computerized, 2 Post Offices were modernized and 4 Speed Post Centers were upgraded with Track & Trace on *Speed Net* to promote Speed Post business. Further, 2 Postal Finance Marts, and 2 iMO centres have been set up.

### **Sikkim**

14.14 During the year, 2 Post Offices were computerized. One Post Office was modernized. One Postal Finance Mart, and one iMO center have been set up. 4 EDBOs were provided with Infrastructural Equipments.

## अध्याय 15 अ-य जार्यज लाप

### जर्मचारी संबंध

15.1 अवधि के दौरान विभाज ने अपने जर्मचारियों के परिसंघों और यूनियनों/संघों से आत्मिय और सार्थक संबंध बनाने का पूरा प्रयास किया। डाक विभाज की विभाजीय परिषद(जेसीएम) बैठक 1 जून, 2006 को हुई। बैठक सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में हुई और सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई ताकि इस योजना की भावना के अनुरूप जर्मचारी पत्र के साथ परस्पर समझौता हो सके। जर्मिज तथा प्रशिक्षण विभाज की सलाह पर 19 जुलाई, 2006 को विभाजीय परिषद की विशेष बैठक हुई जिसमें -जदी हैंडल करने वाले उन डाक जर्मचारियों को -जदी हैंडलिंग भत्ता देने के संबंध में मध्यस्थता बोर्ड के निर्णय पर चर्चा की गई जो (i) -जदी हैंडल करने के लिए नियमित रूप से जाउंटर ड्यूटी करते हैं और (ii) जो वेतनों/बिलों/पेंशन के वितरण का कार्य नियमित रूप से करते हैं (रोज-डिया/सहायक रोज-डिया को छोड़कर)।

15.2 विभाज ने 10 अप्रैल, 2006 को जर्मचारी पत्र के साथ बैठक की ताकि उन्हें डाक आउटलेटों को फ्रेंचाइज करने की स्कीम की शुरुआत के प्रस्ताव की जा-जारी दी जाए। इसके बाद 3 नवंबर, 2006 को एक और बैठक की गई ताकि इस विषय पर आगे और चर्चा की जा सके। इस बैठक में यूनियन की आपत्तियों पर स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया।

15.3 1999/2000 में शुरू की गई प्रमाजीकरण प्रक्रिया के परिणामों को जारी करने पर मा-नीय चेन्नई उच्च-यायालय के रोक आदेश को रद्द करने के परिणामस्वरूप विभाज ने सीसीएस (आरएसए) नियमावली, 1993 और ईडीए(आरए) नियमावली, 1995 के नियमों के अनुसार विभिन्न संजठ-नों को मा-यता प्रदान करने हेतु 30 जून, 2006 को आदेश जारी किया। तदनुसार प्रदान की गई मा-यता 2 वर्षों तक वैध रहेगी।

15.4 राष्ट्रीय डाक जर्मचारी परिसंघों (ए-एफपीई) और उससे संबद्ध यूनियनों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 22 की उप धारा (1) के अंतर्गत 14 दिसंबर, 2006 को एक दि-नी सामा-य हड़ताल का -ोटिस दिया था। यह -ोटिस 14 दिसंबर, 2006 को ट्रेड यूनियन-समिति के आहवा-न पर हुई आम हड़ताल को संघ सरकार की जथित जामजार वर्ज विरोधी -ीतियों के खिलाफ और अपने 16 सूत्री मांज पत्र पर बल देने के लिए थी, की गई थी। अ-य दो परिसंघ, -नामत: राष्ट्रीय डाक संजठ-न परिसंघ और भारतीय डाक जर्मचारी परिसंघ ने हड़ताल में भाग -ही लिया।

### जर्मचारी जल्ल्याज

15.5 डाक सेवा जर्मचारी जल्ल्याज बोर्ड का उद्देश्य विभाज के जर्मचारियों के लिए जल्ल्याज, जेलजूद और सांस्कृ-तिज जार्यजलापों को आयोजित करने-गा, बढ़ावा दे-गा और विजसित करने-गा है। बोर्ड को इसके लिए भारत की समेजित निधि से सहायता अ-नुदान प्राप्त होता है। जर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिज अंशदान तथा जेलों एवं सांस्कृ-तिज जार्यजलापों से ध-न एकत्र करने की व्यवस्था की जाती है।

15.6 जल्ल्याज बोर्ड के जेषों का उपयोग जेलजूद, म-गोरज-न क्लबों, बीमारी, मृत्यु तथा प्राकृ-तिज आपदाओं में वित्तीय सहायता प्रदान करने-गे, शैजजिज छात्रवृत्ति, पर्यट-न यात्राओं के लिए सबसिडी, विजलांज जर्मचारियों तथा उन-के बच्चों की सहायता करने-गे, व्यावसायिज प्रशिक्षण के-द्रों, ट्रे-शों (शिश्जुहों) आदि के लिए किया जाता है। वर्ष 2006-07 के दौरान 65 मिलियन रु. के बजट अ-नुदान में से 32.3 मिलियन रु. का अ-नुदान विभाज के जल्ल्याज जार्यजलापों के कुल व्यय के लिए प्रदान किया गया और 8.55 मिलियन रु. जेल-जूद जार्यजलापों के लिए सर्जिलों को वितरित किए गए। डाक विभाज के जम्मू व जश्मीर सर्जिल के भूजप पीड़ित जर्मचारियों के लिए 30 तंबुओं हेतु

## Chapter 15

# OTHER ACTIVITIES

### Staff Relations

15.1 During the period, the Department endeavored to maintain harmonious and meaningful relations with the Federations and Unions/Associations of its employees. A meeting of Department Council (JCM) in the Department of Posts was held on 1<sup>st</sup> June, 2006. The meeting was held in a congenial atmosphere and all agenda items were discussed threadbare with a view to arrive at mutual agreement with the Staff Side, as per spirit of the scheme. A special meeting of the Departmental Council (JCM), on the advice of the Department of Personnel and Training, was held on 19<sup>th</sup> July, 2006 to discuss the Board of Arbitration Award dealing with cash handling allowance to postal staff (i) who attend counter duties, to handle cash as a regular measure; and (ii) those engaged in disbursing salaries/bills/pension as a regular measure (excluding Treasurer/Assistant Treasurer).

15.2 The Department had a meeting with the Staff Side on 10<sup>th</sup> April, 2006 to apprise them of the proposal for "Initial Launch of a Scheme for Franchising Postal Outlets". This was followed by another meeting on 3<sup>rd</sup> November, 2006 for further discussion on the subject, wherein the reservations expressed by Union were clarified.

15.3 As a sequel to the vacation of stay order by Hon'ble High Court of Chennai regarding release of results of verification process initiated in 1999/2000, the Department issued orders on 30<sup>th</sup> June, 2006 for recognition of various Association in terms of CCS (RSA) Rules, 1993 and EDA (RA) Rules, 1995. The recognition so granted will be valid for 2 years.

15.4 National Federations of Postal Employees (NFPE) and its affiliated unions gave a notice for observing one day general strike on 14<sup>th</sup> December, 2006 in terms of sub section (1) of Section 22 of Industrial Dispute Act, 1947. The strike notice was a part of nation-wide general strike on 14<sup>th</sup> December, 2006 which was called by the Committee of Trade Unions in protest against the alleged anti-working class policies of the Union Government and to press for their 16 points charter of demands. The other two Federations, namely, Federation of National Postal Organisation and Bharatiya Postal Employees Federation did not participate in the strike.

### Staff Welfare

15.5 The objective of the Postal Services Staff Welfare Board is to promote, develop and organise welfare, sports and cultural activities for the employees of the Department. The Board receives grant-in-aid for these purposes from the Consolidated Fund of India. Voluntary contributions from the staff and collections through sports and cultural activities are also arranged.

15.6 The funds of the Welfare Board are utilised for activities like sports, recreation clubs, financial assistance in cases of illness, death, natural calamities, educational scholarships, subsidy for excursion trips, grant to help handicapped staff and their children, vocational training centres and creches, etc. During the year 2006-07, out of budget grant of Rs. 65 Million, Rs. 32.3 Million was granted towards the total expenditure on welfare activities of the Department and Rs. 8.55 Million was disbursed to Circles for sports activities. Sanction for Rs. 0.23

0.23 मिलियन रु. की स्वीकृति केन्द्रीय बजट में से प्रदान की गई।

**ड्यूटी के दौरान लुटेरों, आतंकवादियों द्वारा किए गए हमलों और दंडों आदि के कारण विभागीय कर्मचारियों की मृत्यु के मामलों में केन्द्रीय बजट में से वित्तीय सहायता।**

15.7 वर्ष के दौरान, ऐसे दो मामले हुए जिनमें प्रत्येक मृत कर्मचारी के परिवार को वर्तमान नियमों के अनुसार सर्जिल बजट में से 7000/- रु. के अतिरिक्त केन्द्रीय बजट में से 43,000/-रु. भुजता-उत्तर की मंजूरी प्रदान की गई।

15.8 इससे अतिरिक्त, संबंधित समिति द्वारा अनुसूचित आधार पर वित्तीय सहायतास्वरूप अनुदान के मामलों पर भी विचार किया गया।

## खेल

15.9 डाक खेल-कूद बोर्ड विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं के लिए राष्ट्रीय परिसरों से संबद्ध था। डाक खेल-कूद बोर्ड ने एक नीतिगत निर्णय लिया है कि विभिन्न परिसरों के चुनावों के संबंध में किसी भी प्रतिनिधि का नामांकन नहीं किया जाएगा। सभी डाक सर्जिलों के अध्यक्षों को सलाह दी गई है कि वे उपरोक्त नीतिगत निर्णय का अनुपालन करें और किसी भी खेल-कूद आयोजन के परिसरों के चुनाव में बतौर मतदाता या उम्मीदवार भाग लेने का कोई प्रस्ताव निदेशालय-1 भेजे और-1 ही ऐसे किसी प्रस्ताव को स्वयं मंजूरी प्रदान करें।

15.10 विभाग में चूंकि प्रशिक्षित अंपायरों/रेफरियों की कोई कमी नहीं है। इसलिए निर्णय लिया गया है कि सभी सर्जिल अपने यहां उपलब्ध प्रशिक्षित रेफरियों/अंपायरों की सूचियां तैयार करें और इन्हें खेल-विशेष के मेजबान सर्जिलों को भेज दें। मेजबान सर्जिल खेल-विशेष की अजिल भारतीय डाक प्रतियोगिता के दौरान ऐसे जितने भी विशेषज्ञों की मदद ले सकते हैं।

15.11 अप्रैल 2006 से 31 मार्च 2007 की अवधि के

दौरान विभिन्न खेल-कूदों में अजिल भारतीय डाक खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जैसे शतरंज, हॉकी, बास्केटबॉल, बड्डी, टेबल टेनिस, फुटबॉल, कैरम, बैडमिंटन, क्रिकेट, एथलेटिक्स और साइक्लिज, भारोत्तोलन/पावर लिफ्टिंग/ सर्वश्रेष्ठ शारीरिक सौष्ठव, वॉलीबॉल और कुश्ती। जुवाहाटी में 29.1.07 से 2.02.07 तक सांस्कृतिक आयोजन भी किया गया।

## स्मारिकाओं का मुद्रण

15.12 अनेक डाक सर्जिल जनसाधारण से निधियां जुटाकर क्षेत्रीय/अजिल भारतीय डाक खेल-कूद प्रतियोगिताओं के लिए स्मारिकाएं मुद्रित करवाते रहे हैं। अब निर्णय लिया गया है कि निजी पत्रकारों से निधियां जुटाने के इस विधुत चलना को बंद कर दिया जाए।

## मेघदूत पुरस्कार

15.13 वर्ष 2006 के लिए सात व्यक्तिशः श्रेणियों में मेघदूत पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया है। इस पुरस्कार के अंतर्गत एक प्रशस्ति-पत्र, लजभज 5000/-रु. की एक स्वर्ण-मुद्रा और 11,000/-रु. का एक पुरस्कार शामिल है।

## चिजित्सा

15.14 बजट स्कीम के अंतर्गत, देश के विभिन्न भागों में डाक विभाग द्वारा 45 शहरों/कस्बों में लजभज 52 डाक औषधालय चलाए जा रहे हैं। डाक विभाग और दूरसंचार विभाग के कर्मचारी और पेंशन-भोजी डाक औषधालयों की सुविधा, जहां भी उपलब्ध हो, का लाभ उठाने के पात्र हैं। पात्र लाभार्थियों को इनाम औषधालयों से आउटडोर चिजित्सा सुविधा मुहैया कराई जाती है। 31.03.2007 की स्थिति के अनुसार 1,90,919 लाभार्थियों को उबर करने वाले लजभज 50,126 कर्षधारक हैं जिसमें कर्मचारियों तथा पेंशन-रों सहित उन पर आश्रित उनके परिवारों के सदस्य भी शामिल हैं। सेवारत कर्मचारियों को यह सुविधा सी एस (एमए) नियम के एवज में, बिना किसी शुल्क/अंशदान के प्रदान की जाती है जबकि पेंशन-रों से 9/- रु. प्रति माह का नाममात्र का अंशदान लिया जाता है। ये औषधालय भारत



Million being cost of 30 tents for Earthquake affected staff of Department of Posts in J&K Circle was made from Central Welfare Fund.

**Financial Assistance from Central Welfare Fund in cases of Departmental Official's death due to attack by robbers, terrorists and riots etc. while on duty.**

15.7 During the year, two such cases occurred in which Rs. 43,000/- to each official were sanctioned for payment to the family of the deceased officials from Central Welfare Fund besides Rs. 7,000/- each sanctioned from Circle Welfare Fund as per existing instructions.

15.8 Furthermore, cases of grants of financial assistance on compassionate grounds were also considered by the relevant committee.

**Sports**

15.9 The Postal Sports Board, had affiliation with National Federations of different Sports events. The Postal Board has taken a policy decision not to nominate any representative in connection with elections to the various Federations. All the Heads of Postal Circles have been advised to adhere to the above policy decision and no proposal need to be sent to the Directorate or approved by them to participate in elections to Federations of any sports events either as a voter or contestant.

15.10 As there is no dearth of talent in the Department in respect of qualified umpires/referees, it has been decided that all the Circles may prepare lists of qualified referees/umpires available in their Circles and forward these to the Host Circles of particular games. The Host Circle may take services of as many as required of such experts during the particular All India Postal Tournament.

15.11 During the period from 1<sup>st</sup> April 2006 to 31<sup>st</sup> March 2007, All India Postal Sports Tournaments in various events, viz. Chess, Hockey, Basketball, Kabaddi, Table Tennis, Football, Carrom, Badminton, Cricket, Athletics and Cycling, Weightlifting/Power lifting/Best Physique, Volleyball and Wrestling were conducted. A cultural meet was organized at Guwahati from 29.1.07 to 2.02.07.

**Printing of Souvenirs**

15.12 Many Postal Circles have been publishing Souvenirs for Regional/All / India Postal Sports Meets by raising funds from public. It has been now decided to discontinue forthwith the unhealthy practice of raising funds from private parties.

**Meghdoot Awards**

15.13 It has been decided to give the Meghdoot Awards for the year 2006 in seven individual categories. The award comprises of a scroll, a gold sovereign of about Rs. 5000/- and cash award of Rs. 11,000/-.

**Medical**

15.14 As a welfare measure, the Department of Posts is running 52 Postal Dispensaries in 45 cities/towns in various parts of the country. These Dispensaries extend outdoor treatment facilities to the eligible beneficiaries. The employees, as well as, the pensioners of Department of Posts and Department of Telecom are entitled to Postal Dispensary facilities, wherever such facilities are available. As on 31.03.2007 there were about 50,126 Cardholders covering approximately 190,919 beneficiaries, which include the dependant family members of the employees, as well as, pensioners. Serving employees are being provided these facilities free of cost/contribution in lieu of CS (MA) Rules; a

सरकार के परिवार कल्याण कार्यक्रमों के कार्या-व्यय-न में भी अप-न योज-द-न देते हैं। वर्ष 2006-07 के दौर-न इ-न औष-ध-ाल-यों पर ल-ज-भ-ज 241 मिलि-य-न रुप-ये ज-र्-च ज़ि-या ज-या । अ-य स्था-नों पर ज-हां डा-ज औष-ध-ाल-य मौ-जू-द -हीं हैं, व-हां वि-भ-ज के ज-र्म-च-ारी के .स.स्वा.यो. (सीजीएचएस) औष-ध-ाल-यों या प्रा-धि-कृत मे-डि-क-ल अ-टें-डेंटों की से-वाओं के प्र-यो-ज के स-ज-ते हैं।

### डा-ज भ-व-न

15.15 वर्ष के दौर-न, 15 डा-ज-घ-र भ-व-न, 4 प्रशा-स-नि-ज कार्या-लय भ-व-न और 18 ज-र्म-च-ारी क्वा-ट-रों के निर्मा-ज कार-्य पू-रा ज़ि-या ज-या।

### अ-नुसू-चित जा-ति/अ-नुसू-चित ज-न-जा-ति

15.16 मु-ज-य पो-स्ट-मा-स्टर ज-न-र-ल कार्या-लय, हरि-या-जा सर्जि-ल, अंबाला द्वा-रा र-जे जा रहे आ-र-ज-ज रो-स्टरों के 6.7.06 और 7.7.06 के नि-री-ज-ज ज़ि-या ज-या। मु-ज-य पो-स्ट-मा-स्टर ज-न-र-ल कार्या-लय, बिहार सर्जि-ल, प-ट-न-ा द्वा-रा र-जे जा रहे आ-र-ज-ज रो-स्टर के नि-री-ज-ज 27.11.06 से 29.11.06 तक डा-ज नि-दे-शा-लय के एससीटी सेल की ए-ज-टी-म द्वा-रा ज़ि-या ज-या। डा-ज वि-भ-ज द्वा-रा 2006 में अ-नुसू-चित जा-ति/अ-नुसू-चित ज-न-जा-ति की रि-क्ति-यों के भ-र-ने के लिए ए-ज-वि-शेष भ-र्ती अभि-या-न चला-या ज-या। सी-धी भ-र्ती के-टा में अ-नुसू-चित जा-ति वर्-ज के उ-म्मी-द-वा-रों की 579 रि-क्ति-यां, अ-नुसू-चित ज-न-जा-ति वर्-ज के उ-म्मी-द-वा-रों की 247 रि-क्ति-यां और अ-य पि-छ-ड़ा वर्-ज के उ-म्मी-द-वा-रों की 826 रि-क्ति-यां भ-री जईं। 2006 में अ-नुसू-चित जा-ति वर्-ज में 429 उ-म्मी-द-वा-र और अ-नुसू-चित ज-न-जा-ति वर्-ज में 220 उ-म्मी-द-वा-रों के प-दो-न्न-ति प्र-दा-न की जईं।

### अ-नुसू-चित जा-ति/ज-न-जा-ति, भू-त-पूर्-व सै-नि-ज तथा महि-लाओं के प्र-ति-नि-धि-त्व

15.17 31.03.2007 तक वि-भ-ज में वि-भि-न्न जे-डों में अ-नुसू-चित जा-ति के 41,442 अ-नुसू-चित ज-न-जा-ति के 15925, भू-त-पूर्-व सै-नि-ज 1639, वि-ज-ला-ज भू-त-पूर्-व सै-नि-ज 33 तथा 30,462 महि-ला ज-र्म-च-ारी हैं (तालि-ज 12 एवं 13 दे-जें)।

### कार-्य अध-य-न

15.18 वर्ष के दौर-न डी-ए और आई-आ-र अ-नु-भा-जों के कार-्य अध-य-न ज़ि-या ज-या और रि-पो-र्ट जारी के दी जईं हैं। वर्ष 2006-07 के दौर-न पो-स्ट-मै-न वि-त-र-ज मा-द-ंड अधि-नि-य-म और एसबी लै-न के लिए जं-क्यू-टरी-कृत मा-द-ंडों के आ-ज-ल-न के अध-य-न ज़ि-या ज-या और रि-पो-र्ट प्र-स्तु-त के दी जईं हैं। अ-व-धि के दौर-न वे-स्ट-र्न यू-नि-य-न म-नी ट्रां-स-फ-र के लिए कार-्य सू-ची तै-या-र की जईं और उसे स-भी सर्जि-लों में परि-चा-लि-त के दी-या ज-या। इसी प्र-कार, डा-ज एवं तार औष-ध-ाल-यों के लिए कार-्य सू-ची तै-या-र की जईं और उसे स-भी औष-ध-ाल-यों में परि-चा-लि-त के दी-या ज-या।

### रा-ज-भा-षा

15.19 के-द्र सरकार की नी-ति के अ-नु-सर-ज में वि-भ-ज, सर-क-ारी पत्रा-च-ार तथा स-भी स्तरों पर दि-न-प्र-ति दि-न के प्रशा-स-नि-ज कार-्यों में हि-दी के इ-ष्ट-त-म प्र-यो-ज के सु-नि-श्चि-त के-ने के लिए हर सं-भ-व प्र-या-स के रहा है। रा-ज-भा-षा अधि-नि-य-म 1963 तथा उसके अंत-र्ज-त ब-ने नि-य-मों तथा द्वि-भा-षी रूप या केवल हि-दी में जारी हो-ने वाले स-भी अपे-जि-त द-स्ता-वे-जों के अ-नु-वा-द के द-ायि-त्व रा-ज-भा-षा शा-का पर है।

15.20 वार्षि-क रि-पो-र्ट, ले-जा परी-जा पै-रा, ब-ज-ट, मंत्रि-मंड-ल के लिए टि-प्प-जी तथा सार, संहि-ताओं तथा नि-य-म पु-स्ति-क-ओं, स्था-यी स-मि-ति की बैठ-जों से संबं-धि-त साम-ग्री, फि-लै-ट-लि-ज वि-वर-जि-क-ओं व फि-लै-ट-लि-ज स-मा-च-ार बु-ले-टि-न, संस-दी-य प्र-श-नों, आ-श्वा-स-नों, मह-त्व-पूर्-ज व्य-क्ति-यों के संद-र्भों, वि-भि-न्न वि-भा-जी-य परी-जाओं से संबं-धि-त प्र-श-न पत्रों आदि के अ-नु-वा-द कु-छ ऐसे मु-ज-य कार-्य हैं जि-हें इस अ-व-धि के दौर-न पू-रा ज़ि-या ज-या। डा-ज नि-दे-शा-लय में ज़ि-ए जा-ने वाले कार-्यों के अ-नु-वा-द कार-्य के अति-रि-क्त वि-भ-ज के व्य-व-सा-य वि-ज-स एवं वि-प-ज-न नि-दे-शा-लय तथा डा-ज जी-व-न बी-मा नि-दे-शा-लय द्वा-रा ज़ि-ए जा-ने वाले कार-्यों के भी अ-नु-वा-द रा-ज-भा-षा अ-नु-भा-ज द्वा-रा ही ज़ि-या जा-ता है।

15.21 वि-भ-ज के कार्या-लयों में हि-दी के प्र-जा-मी प्र-यो-ज के सु-च-ारू रूप से मॉ-नी-टर के-ने के लिए मु-ज-या-लयों तथा अधि-न-स्थ कार्या-लयों में रा-ज-भा-षा कार्या-व्य-य-न स-मि-ति-यां कार-्य के रही हैं।

nominal contribution of Rupees 9 per month is being charged from the pensioners. These Dispensaries also help in implementation of the family welfare programmes of the Government of India. During the year 2006-2007, an expenditure of about Rs. 241 Million was incurred on these Dispensaries. In other places where Postal Dispensaries are not available, the employees of the Department can avail comprehensive health care facilities from CGHS Dispensaries wherever available or from the authorised medical attendant.

### **Postal Buildings**

15.15 During the year, the construction of 15 Post Office buildings, 4 Administrative Office buildings and 18 Staff Quarters was completed.

### **Scheduled Castes/Scheduled Tribes**

15.16 The Reservation Rosters maintained by the O/o Chief Postmaster General, Haryana Circle, Ambala were inspected on 6.7.06 and 7.7.06. The Reservation Rosters maintained by the O/o Chief Postmaster General, Bihar Circle, Patna were inspected from 27.11.06 to 29.11.06 by an Inspection team of SCT Cell of Postal Directorate. A special recruitment drive was conducted in the Department of Posts for filling up the backlog SC/ST vacancies in 2006. In direct recruitment quota, 579 vacancies of SC candidates, 247 vacancies of ST candidates, and 826 vacancies of OBC candidates were filled-up. In promotion quota, 429 SC candidates and 220 ST candidates were promoted during 2006.

### **Representation of SC, ST, Ex-Serviceman and Women**

15.17 As on 31.03.2007, there were 41,442 SC, 15,925 ST, 1,639 Ex-Servicemen, 33 Disabled Ex-servicemen and 30,462 Women employees in various grades in the Department (see Table 12 & 13 ).

### **Work Study**

15.18 During the year the work measurement studies in respect of DAA and IR Sections have been conducted and the reports have been issued. The Postman delivery norms study and study for evaluation of computerized norms for SB LAN have been conducted during the year 2006-07 and reports submitted. Job list for Western Union Money Transfer prepared and circulated amongst all the Circles during that period. Similarly, job list for P& T dispensaries study prepared and circulated amongst all the dispensaries.

### **Official Language (OL)**

15.19 In pursuance of the policy of the Central Government, the Department has been making sustained efforts to ensure optimum use of Hindi in official correspondence and day-to-day administrative work at all levels. The Official Language Branch is responsible for the implementation of Official Languages Act, 1963 and the Rules made thereunder, as well as, translation of all kinds of documents required to be issued either in bilingual form or in Hindi only.

15.20 The translation of the Annual Report, Audit Paras, Budget, Cabinet Notes and Summary, Code and Manuals, material in connection with the meetings of the Standing Committee, Philatelic Brochures/ Philatelic News Bulletin, Parliament Questions, Assurances, VIP references and Papers relating to various Departmental Examinations are some of the major works accomplished during the period. In addition to the translation work generated in the Directorate of Posts, translation support has also been provided to the Business Development & Marketing Directorate, and PLI Directorate of the Department.

15.21 In order to effectively monitor the progressive use of Hindi in the Offices of the Department, Official Language Implementation Committees are functioning in the Headquarters as well as in the Subordinate Offices.

15.22 हिन्दी के प्रजामी प्रयोज के उद्देश्य से राजभाषा शाखा ने विभिन्न प्रोत्साहना स्कीमों का प्रवर्तना तथा प्रचार किया है। इसने हिन्दी शिजज योजना के अंतर्गत प्रशिजज प्रदान करने के लिए उर्मचारियों को नामांकित किया तथा निदेशालय के सभी अनुभाजों, सर्जिल मुख्यालयों तथा डाक विभाज के अन्तर्गत सभी संबंधित कार्यालयों को, राजभाषा अधिनियम के नियमों तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए इन्हीं नियमों के अंतर्गत जारी अनुदेशों के अनुपालन से अवगत कराया।

15.23 हिन्दी के प्रजामी प्रयोज के संबंध में निदेशालय के सभी अनुभाजों, सर्जिल मुख्यालयों, डाक प्रशिजज केन्द्रों, पोस्टल स्टॉफ जालेज, डाक जीवना बीमा निदेशालय तथा व्यवसाय विकास एवं विपजना निदेशालय से प्राप्त त्रैमासिक प्रजति रिपोर्ट की पुनरीक्षा भी राजभाषा अनुभाज में की गई तथा जहां जहीं भी त्रुटियां पाई गई उनमें सुधार लाने के लिए आवश्यक उचित उपाय किए गए।

15.24 राजभाषा के संबंध में संसदीय समिति की द्वितीय उप समिति भी राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को मॉनीटर करती है। अवधि के दौरान राजभाषा पर संसदीय समिति की द्वितीय उप समिति ने विभिन्न सर्जिलों के आठ कार्यालयों का निरीक्षण किया।

15.25 राजभाषा विभाज (जृह मंत्रालय) द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2006-07 में दिए निर्देशों का अनुपालन करते हुए विभाज के अधिकारियों द्वारा दस कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। राजभाषा पर संसदीय समिति की आलेज एवं साज्य उप समिति ने विभिन्न सर्जिलों में भिन्न स्तरों के आठ कार्यालयों के अध्यजों से विचार विमर्श किया।

15.26 दिनांक 14 सितंबर, 2006 को विभाज में हिन्दी दिवस आयोजित किया गया तथा 14 से 28 सितंबर, 2006 को हिन्दी पजवाड़ा मनाया गया। हिन्दी पजवाड़ा में आयोजित प्रतियोजिताओं के विजेताओं को पुरस्कार बांटे गए।

## जना शिजायतें

15.27 विभाज ने एज सुव्यवस्थित जना शिजायत निपटान प्रजाली विजसित की है जिसमें समय के साथ और सुधार हुआ है। देशभर में इस समय 1116 कंप्यूटरीकृत ज्राहक सेवा केन्द्र काम कर रहे हैं। जना शिजायत (पीजी) शाखा द्वारा सर्जिलों से प्राप्त तिमाही विवरजियों की समीक्षा की जाती है। शिजायत आशंकित जेत्रों की पहचान की जाती है और उसके बाद सेवाओं की जुजवत्ता बरकरार रखने के लिए ठोस उपाय किए जाते हैं। सर्जिलों में जना शिजायत प्रजाली के कार्याकरण की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है। उपभोक्ताओं को हमारी वेबसाइट [www.indiapost.gov.in](http://www.indiapost.gov.in) पर शिजायतें दर्ज कराने की सुविधा भी प्राप्त है।

15.28 वर्ष 2006-2007 के दौरान, विभाज ने जना शिजायतों के 864,475 मामले हैंडल किए और कुल 808,042 मामले निपटा दिए गए।

15.29 मौजे पर ही निपटान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वर्ष के दौरान डाक अदालतें और डाक फोरम नियमित रूप से आयोजित किए गए।

15.30 डाक परिचालनों और सेवा प्रदान करने की जुजवत्ता में सुधार लाने के लिए विभाज ने एज प्रमुज पहल की है। इसने प्रशासनिक सुधार एवं जना शिजायत विभाज द्वारा विजसित सेवोत्तम नामक एज सेवा वितरक श्रेष्ठता मॉडल अपनाया है, जिसके अंतर्गत नाजरिक चार्टर, जना शिजायत प्रजाली और सेवा प्रदान करने की जमताओं में सुधार लाने पर बल दिया जाता है। यह सेवा जुजवत्ता प्रबंधन मानक आईएस 15700:2005 पर आधारित है, जिसमें मूल रूप से प्रयास यह किया जाता है कि एज 'प्रजालीजत दृष्टिजोज' अपनाया जाए ताकि एज ऐसी जुजवत्ता प्रबंधन प्रजाली स्थापित हो सके जो ज्राहकों की अपेजाओं को पूरा कर सजने वाली कारगर तथा कुशल सेवा प्रदान करने की जमता का प्रदर्शन कर सके।

15.31 विभाज ने सेवोत्तम को लाजू करने की प्रमुज पहल की है और डाक विभाज को आईएस 15700:2005 प्रमाजना दिलवाने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की

15.22 OL Branch promoted and propagated various incentive schemes in order to accelerate the use of Hindi. It nominated officials for imparting training under the Hindi teaching scheme and also acquainted all the Sections of the Directorate, Circle Headquarters and other concerned Offices of the Department of Posts with the OL Act, Rules and instructions issued thereunder for their compliance and for achieving the targets fixed by the Department of Official Language in their Annual Programme.

15.23 The Quarterly Progress Reports received from all the Sections of the Directorate, Circle Headquarters, Postal Training Centres, Postal Staff College, PLI Directorate and Business Development & Marketing Directorate regarding the progressive use of Hindi were also reviewed by the OL Branch and necessary corrective measures were taken in respect of those wherein discrepancies were noticed.

15.24 The Second Sub-Committee of the Committee of Parliament on Official Language also monitors the implementation of Official Language Policy in the offices of the Department. During the period under review, the Second Sub-Committee of the Committee of Parliament on Official Language inspected nine offices in different Circles.

15.25 In pursuance of the directives laid down in the Annual Programme 2006-07 issued by the Department of Official Language (Ministry of Home Affairs), ten offices were inspected by the Officers of the Department. The Drafting and Evidence Sub-Committee of Parliament on Official Language held discussions with the Heads of the ten offices of various levels in different Circles.

15.26 Hindi Diwas was observed in the Department on 14<sup>th</sup> September, 2006 and Hindi Fort-night was observed from 14<sup>th</sup> to 28<sup>th</sup> September 2006. Prizes were distributed to the winners of various competitions held during the Hindi Fort-night.

## Public Grievances

15.27 The Department has built-up a well structured public grievance redressal machinery that has improved further with passage of time. 1116 Computerized Customer Care Centres are now functioning across the country. Quarterly statements received from the Circles are reviewed by the Public Grievance (PG) Branch. Complaint prone areas are identified, and, thereupon, concrete measures are taken to maintain fine quality of service. Functioning of the PG machinery in the Circles, is regularly reviewed. The customers also have the facility to register their complaints on our website [www.indiapost.gov.in](http://www.indiapost.gov.in).

15.28 During the year 2006-2007, the Department handled 864,475 cases of public grievances and a total of 808,042 cases were settled.

15.29 To provide an on-the-spot redressal, Dak Adalats and Post Forums were conducted during the year on a regular basis.

15.30 The Department has undertaken a major initiative for bringing out qualitative changes in the Postal operations and service delivery to the customers. It has adopted "Sevottam" – a Service Delivery Excellence Model developed by the Department of Administrative Reforms and Public Grievances, which stresses upon improvement in the areas of Citizens Charter, Public Grievance Mechanism and Service Delivery Capabilities. This is backed by Service Quality Management Standard IS 15700:2005, which basically seeks adoption of a 'process approach' with specific requirement of putting in place a Quality Management System with demonstrable ability to provide effective and efficient service that needs customer's requirements.

15.31 The Department has taken a leading initiative for implementation of "Sevottam" and almost completed the various preparatory activities for getting the Department of Posts certified by the Bureau of Indian Standards (BIS)

अपेजाओं जो पूरा करने की तैयारियों संबंधी विभिन्न कार्यजलाप लजभज पूरे कर लिए हैं। ये कार्यजलाप निम्नांकित हैं:

- (i) विभिन्न श्रेजियों के कर्मियों को सेवोत्तम तथा आईएस 15700:2005 के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करने का। सितंबर, 2006 में प्रशिक्षणों के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया और इसके आधार पर विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विजसित किए गए। फरवरी, 2007 में पोस्टल स्टाफ कॉलेज भारत, जाजियाबाद में परियोजना प्रबंधकों के लिए एक कार्यशाला लजाई गई और अप्रैल, जून, अजस्त तथा अक्टूबर, 2007 में चार और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- (ii) मा-र के जज्ड VII में यथाअपेजित -ाजरिज चार्टर को तैयार करने का।
- (iii) मा-र में यथापेजित प्रलेज-न। इस प्रलेज-न में उ-ा विभिन्न नियमावलियों का संदर्भ कार्य शामिल है जि-र का प्रयोज विभाज अप-नी सेवाएं प्रदान करने के लिए 'सेवोत्तम' को अप-नाए जाने से पहले कर रहा था।
- (iv) उचित पदाधिकारियों को ये प्रलेज जारी करने का।
- (v) प्रारंभ में -ई दिल्ली प्रधान डाकघर और अलवर प्रधान डाकघर को प्रायोजिज परियोजनाओं के रूप में चुना गया। सुधार करने की जुंजाइश ढूंढ ली गई और तदनुसार सुधारात्मक कार्रवाई कर दी गई है ताकि जाउंटर सेवाओं, डाक वितरज, वित्तीय सेवाओं और ज्राहक सेवा में सुधार लाया जा सके।

### सूच-न का अधिजर अधिनियम, 2005

15.32 वर्ष 2006-2007 के दौरान, डाक विभाज ने सूच-न का अधिजर अधिनियम, 2005 के कार्या-वय-न को सबल बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस अधिनियम के कारजर कार्या-वय-न के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं और इ-हें फील्ड इजाइयों को जारी कर दिया गया है।

15.33 डाक विभाज को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह अप-नी सेवाएं प्रदान कर इस अधिनियम के कार्या-वय-न में केंद्रीय सरजर के अ-य सार्वजनिज प्राधिजरजों को सहायता प्रदान करे। ज-साधारज को यह सुविधा तहसील स्तर तक के डाकघरों को इस उद्देश्य से सहायक लोज सूच-न अधिजारी (सीएपीआईओ) -ामित करके प्रदान की जा रही है। ऐसी सेवाएं प्रदान करने वाले ऐसे डाकघरों की संज्या लजभज 3,500 है। ये सेवाएं इंटर-नेट के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं, जिसके लिए ए-आईसी द्वारा सूच-न का अधिजर अधिनियम के आवेद-नों/अपीलों के ऑ-लाइ-न पंजीजरज हेतु एक सीएपीआईओ मॉड्यूल विजसित किया गया है। इस मॉड्यूल की जा-जारी देने और इसे प्रयोज में लाने के लिए इस मॉड्यूल पर काम करने वाले सभी संबद्ध ऑपरेटरों और पर्यवेजकों को अपेजित प्रशिक्षण प्रदान कर दिया गया है।

15.34 के-द्र सरजर के अधी-न लजभज 120 सार्वजनिज प्राधिजरज इ-न -ामित सीएपीआईओ का प्रयोज कर रहे हैं। हमारी सेवाओं का लाभ उठाने वाले इ-न कार्यालयों की संज्या में दि-नों-दि-न बढ़ोतरी हो रही है। इ-न सार्वजनिज प्राधिजरजों के -ोडल अधिकारियों के पतों की सूची विभाज की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

15.35 इ-न -ामित सीएपीआईओ द्वारा विभिन्न सरजर विभाजों/सार्वजनिज उपग्र-मों से संबंधित 6348 सूच-न का अधिजर अधिनियम के आवेद-न प्राप्त हुए और इ-न आवेद-नों को संबंधित सार्वजनिज प्राधिजरजों के -ोडल अधिकारियों को अज्रेषित कर दिया गया। समीजाधी-न अवधि के दौरान डाक विभाज द्वारा सूच-न का अधिजर अधिनियम के अंतर्गत 6917 आवेद-न प्राप्त हुए और इ-हें अधिनियम में निर्धारित प्रावधान के अनुसार समयबद्ध रूप से निपटा दिया गया।

15.36 विभाज के कार्यजरज में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से यह अधिनियम ज-साधारज को सामा-य सूच-न समजता से सुलभ करता है। इसके लिए 17 नियम-पुस्तकों को अपलोड कर दिया गया है। प्रयास किए जा रहे हैं कि सूच-न को नियमित आधार पर अपडेट किया जाए।

### दर्ज में परिवर्त-न

15.37 जुलबर्ज डाक डिवीज-न का दर्जा घटाकर ज़ुप क से ज़ुप ज कर दिया गया। निर्जय लिया गया कि मुज्य



against the requirement of IS 15700:2005 certification. The preparatory activities are as under:

- (i) Imparting training on “ Sevottam” and IS 15700:2005 to various categories of personnel. A seminar for trainers was held in September, 2006 and based on that the training modules were developed for staff and officers at different levels. A workshop for Project Managers was held at Postal Staff College of India, Ghaziabad in February, 2007 and four more workshops were held in April, June, August and October, 2007.
- (ii) Preparation of Citizens' Charter as required in Clause VII of the Standard.
- (iii) Preparation of documentation as required in the standard. This documentation includes reference to various manuals, which Department of Posts was using in delivery of its services before embarking upon “Sevottam”.
- (iv) Issuing the documentation to appropriate functionaries.
- (v) Initially New Delhi Head Post Office and Alwar Head Post Office have been taken up as pilot projects. Opportunities for improvements have been identified and corrective action has been taken accordingly to establish the improvement in counter services, mail delivery, financial services and customer care.

### **Right to Information Act 2005**

15.32 During the year 2006-2007, the Department of Posts has taken various steps to strengthen the implementation of the Right to Information Act, 2005. In order to have effective implementation of the Act, detailed guidelines have been prepared and issued to all field units.

15.33 The Department of Posts is bestowed with the responsibility of assisting other Public Authorities of the Central Government in implementation of the Act by providing its services to them. The service is being provided to general public by the Post Offices up to the level of Tehsil designating them as Central Assistant Public Information Officers (CAPIOs) for the purpose. The number of such offices providing the services is about 3,500. The services are being provided through Internet for which a CAPIO Module has been developed by the NIC for on-line registration of the RTI applications/appeals. To familiarize and use this module, necessary training has been imparted to all concerned operators and supervisors working on the Module.

15.34 Around 120 Public Authorities under Central Government are utilizing the services of these designated CAPIOs. The number of these offices utilizing our services is increasing day-by-day. List of Addresses of Nodal Officers of these Public Authorities have been uploaded on the website of the Department.

15.35 6348 RTI applications concerning various Government Departments/PSUs were received by the designated CAPIOs, and forwarded to the respective Nodal Officers of the concerned public authorities. During the period under review, 6917 applications for information under RTI Act were received and disposed off by the Department of Posts in time-bound manner, as stipulated under the Act.

15.36 In order to have transparency in the working of the Department, the Act provides for easy and wide accessibility of general information to public. The same has been achieved by uploading 17 Manuals. Efforts are on to update the information on regular basis.

### **Change in Status**

15.37 Gulbarga Postal Division was downgraded from Group A to Group B status. It was

डाक घरों (एमडीजी) की स्थापना समीक्षा मौजूदा एक वर्ष के स्थापना पर प्रत्येक दो वर्षों में की जाएगी। दिनांक 1 जनवरी 2007 को राजौरी डाक डिवीजन, जम्मू व जश्मीर सर्जिल का सृजन किया गया। आंध्र प्रदेश सर्जिल का जुंटा डाक डिवीजन समाप्त कर दिया गया और इसका विलय अंतपुर डाक डिवीजन में कर दिया गया। आवर्ती जमा और मासिक आय योजना के विजेंद्रीकरण के बाद प्रधान डाकघरों/उप डाकघरों के जुलने के समय के मानकों की समीक्षा की गई। डाक सेवा समूह के अधिकारी के एक पद को अर्द्ध जुंभ मेला, 2007 में मेला अधिकारी के रूप में पुनर्नात किया गया। डाक विभाज में समूह के और समूह के (राजपत्रित/अराजपत्रित) के 279 अस्थायी पदों को स्थायी में परिवर्तित कर दिया गया।

## स्थापना

15.38 श्रीमती ज्योत्सना धीश (भा.डा.से.-1969) को 30.06.2006 की अपराहना को सचिव, डाक विभाज, महानिदेशक(डाक विभाज) तथा पदेन अध्यक्ष, डाक सेवा बोर्ड नियुक्त किया गया। श्रीमती ज्योत्सना धीश की सेवानिवृत्ति के बाद श्री आई.एम.जी.जा-1(भा.डा.से.-1970) को 31.12.2006 की अपराहना को सचिव, डाक विभाज, महानिदेशक(डाक विभाज) तथा पदेन अध्यक्ष, डाक सेवा बोर्ड नियुक्त किया गया। श्रीमती वत्सला रघु (भा.डा.से. 1970) और श्री डी.कैलाश प्रसाद (भा.डा.से.-1971) को बतौर सदस्य, डाक सेवा बोर्ड पदोन्नति प्रदान की गई। उच्च प्रशासनिक जेड(एचएजी) के तीन अधिकारियों को प्रधान मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के जेड में पदोन्नत किया गया। वरिष्ठ प्रशासनिक जेड के छह अधिकारियों को वरि.उप महानिदेशक/मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के जेड में पदोन्नत किया गया। जनिष्ठ प्रशासनिक जेड के सात अधिकारियों को वरिष्ठ प्रशासनिक जेड में पदोन्नति प्रदान की गई। 10 वरिष्ठ समयमाना अधिकारियों को जनिष्ठ प्रशासनिक जेड में पदोन्नत किया गया। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संस्तुत चौदह उम्मीदवारों को भारतीय डाक सेवा समूह के जे जनिष्ठ समयमाना में नियुक्ति प्रदान की गई। भारतीय डाक सेवा समूह के (2004 बैच) के सात परिवीजार्थियों को प्रशिक्षण पूरा करने के उपरांत स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया। 133 निरीजक लाइन्स जर्मचारियों को विभाजीय पदोन्नति समिति के माध्यम से डाक सेवा समूह के में पदोन्नति प्रदान की गई। सेना डाक सेवा में सेवारत ज्यारह अधिकारियों को

ज-रल के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। डाक सेवा समूह के जे 14 अधिकारियों को प्रोफोर्मा पदोन्नति प्रदान की गई। एक जनरल लाइन्स जर्मचारी को डाक सेवा समूह के में पदोन्नति प्रदान की गई। -गै जर्मचारियों को जीसीएस समूह के जेड में पदोन्नति प्रदान की गई। वरिष्ठ प्रशासनिक जेड के एक अधिकारी को वरि.उप महानिदेशक/मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के जेड में पदोन्नति प्रदान की गई। सेना डाक सेवा के छह अधिकारियों को लेफ्टिनेंट के पद पर पदोन्नत किया गया। श्रीमती आर.दोरईस्वामी को प्रधान मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, तमिलनाडु सर्जिल के रूप में पदोन्नति प्रदान की गई। जनिष्ठ प्रशासनिक जेड के 8 अधिकारियों को ए-एफएसजी प्रदान किया गया। 54 अधिकारियों को समूह के में जनिष्ठ समयमाना में पदोन्नति प्रदान की गई।

## लाजत और प्रशुल्क

15.39 वर्तमान में डाक विभाज अपनी कार्यनीतियों को पुनः व्यवस्थित करने में लजा हुआ है जो उसे प्रतिस्पर्द्धा के क्षेत्र में अधिक सजम बनाएंगी। ऐसे परिदृश्य में लाजत और प्रशुल्क पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इससे संजठन वित्तीय मामलों में सही निर्जय ले सजता है तथा इससे साथ-साथ वह प्रारंभ की जाने वाली सेवाओं की प्रजृति/बल देने के संबंध में निर्जय ले सजता है और उन प्रचालन जेत्रों की पहचान कर सजता है जहां से अतिरिक्त जमता जुटाई जा सजती है।

15.40 लाजत और प्रशुल्क अनुभाज हर वर्ष एक ऐसी जारवाई करता है जिसमें सभी परंपराजत सेवाओं की यूनिट लाजत दर्शाई जाती है। इससे अलावा नियमित आधार पर एजेंसी सेवाओं की जॉस्टिज (ऐसी सेवाएं जो अ-य मंत्रालयों/ एजेंसियों की ओर से निष्पादित की जाती हैं) भी की जाती है। यह अनुभाज जेत्रीय स्तर पर लाजत पद्धतियों में प्रशिक्षण जार्यशालाएं आयोजित करने का इच्छुक है। सभी प्रशिक्षण संस्थाओं को अधिकारियों के विभिन्न स्तरों को लजित करने तैयार किए गए अपने प्रशिक्षण माड्यूल में लाजत और प्रशुल्क शामिल करने के लिए जहा जया है। इंस्टीट्यूट ऑफ जॉस्ट एंड वकर्स एजाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीडब्ल्यूएआई) -ने मार्च, 2007 में निदेशालय में एक तीना दिवसीय जार्यशाला का आयोजन करने हमारे लाजत और प्रशुल्क प्रशिक्षण को तैयार करने में अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराई है।



decided that establishment review of Mukhya Dak Ghars (MDGs) would be carried out every two years, in place of existing one year. Rajouri Postal Division, Jammu and Kashmir Circle was created with effect from 1<sup>st</sup> January, 2007. Guntakal Postal Division of Andhra Pradesh Circle was abolished and merged with Ananthapur Postal Division. Review of standards of work hours of Head Offices/Sub Offices after decentralization of RD and MIS schemes was done. A post of PS Group 'B' officer was redeployed as Mela Officer for Ardh Kumbh Mela, 2007. 279 temporary Group 'A' and Group 'B' (Gazetted /Non-Gazetted) posts were converted into permanent ones in the Department of Posts.

### **Establishment**

15.38 Smt. Jyotsna Diesh (IPoS-1969) was appointed Secretary, Department of Posts, Director General (Posts) and ex-officio Chairman, Postal Services Board in the after noon of 30.06.2006. After the retirement of Smt. Jyotsna Diesh, Shri I.M.G. Khan (IPoS -1970) was appointed Secretary, Department of Posts, Director General (Posts) and ex-officio Chairman, Postal Services Board in the afternoon of 31.12.2006. Smt. Vatsala Raghu (IPoS -1970) and Shri D. Kailasa Prasad (IPoS -1971) were promoted to the grade of Member, Postal Services Board. Three HAG officers were promoted to the grade of Principal CPMG. Six SAG officers were promoted to the grade of Sr.DDG/CPMG. Seven JAG officers were promoted to the grade of SAG. Ten STS officers were promoted to the grade of JAG. Fourteen candidates recommended by UPSC were offered appointment in Junior Time Scale of Indian Postal Service Group 'A'. Seven probationers of Indian Postal Service Group 'A' (2004 batch) were given independent charge after completion of training. 133 Inspector's line officials were promoted to the grade of PS Group 'B' through DPC. Eleven Officers serving in Army Postal Service were promoted to the rank of Colonel. Fourteen PS Group 'B' officers were given proforma promo-

tion. One General Line Official was promoted to the grade of PS Group 'B'. Nine officials were promoted to the GCS Group 'B' grade. One SAG officer was promoted to the grade of Sr.DDG/CPMG. Six officers in Army Postal Service were promoted to the rank of Lieutenants. Ms. R. Doraiswamy was promoted as Principal CPMG, Tamilnadu Circle. 8 JAG officers were granted NFSG. 54 officers were promoted in Junior Time Scale in Gr. 'A'.

### **Costing and Tariff**

15.39 The Department of Post is currently embarked on the path of re-orienting its strategies which equipt it better at beating competition. In such a scenario, it becomes crucial to bring the costing and tariff exercise centre stage. This enables the organization in taking financially prudent decisions while deciding on the nature of services to be launched/emphasised and identifying those operational areas which may provide- spare capacities.

15.40 The costing and triff section carries out an annual exercise which reflects the unit cost of all traditional services. In addition, costing of agency services (those services which are performed on behalf of other Ministries / Agencies), is also attempted, on a regular basis. The Section aspires to organize training workshops in costing methodologies at regional level. All the traning institutions have been asked to include costing and tariff in their training modules targeted at different levels of officers. Institute of Cost and Works Accountants of India (ICWAI), have provided their expertise in shaping our costing and tariif training, by conducting a three days workshop in the Directorate, in March 2007.



श्री आई.एम.जी. खान, सचिव ( डाक ) त्रिवेन्द्रम ( केरल ) में विद्युत कार को झंडी दिखा कर खाना करते हुए।

Shri I.M.G. Khan, Secretary (Posts) flags off the Electric Car at Trivandrum (Kerala).



मेल मोटर कर्मियों द्वारा दिल्ली में मेल वैन की सर्विस ।

Service of Mail Van by Mail Motor personnel in Delhi.



शिलांग, पूर्वोत्तर सर्किल में हिन्दी पखवाड़ा 2007 का आयोजन ।

Celebration of Hindi Fortnight 2007 at Shillong, North Eastern Circle.



पूर्वोत्तर सर्किल में फिलैटली कार्यशाला सह फिलैटली उत्सव ।

Philatelic Workshop cum Philatelic Festival in North Eastern Circle.

## भाज - II उर्यज लाप (अप्रैल-दिसम्बर 2007)

### डाज -नेटवर्क ज़ा विस्तार

1.1 मौजूदा फ्रैंचाइजिज स्कीम जी पु-रीजा जी जई तथा प्रस्ताव रजा जया है ज़ि फ्रैंचाइजिज स्कीम ज़ा विस्तार ज़िया जाए जिससे -ए शहरी ज़स्वे, विशेष आर्थिज जेत्र, मुज्य राजमार्ज परियोज-गएंग, -ए ब-न-ने वाले औद्योजिज जे-द्र, जालेज, पॉलिटेक्निज, विश्वविद्यालय, व्यावसायिज जालेज आदि जवर हो सजें ।

### पूर्वोत्तर जेत्र में डाज जी दुलाई जे लिए मालवाहज वायुया-न ज़ा समावेश

1.2 पूर्वोत्तर में डाज वितरज तथा पारेषज सेवाओं में सुधार ला-ने जे उद्देश्य से, डाज विभाज -ने पूर्वोत्तर से डाज पार्सल तथा लाजिस्टिक्स ला-ने-ले-जा-ने जे लिए समर्पित मालवाहज वायुया-न ज़ा समावेश ज़िया हैं । आज दुनिया भर में डाज जी दुलाई जे लिए समर्पित मालवाहज वायुया-न जी सेवाओं ज़ा उपयोज ज़िया जा रहा है । भारतीय डाज जे लिए एज विश्वस-नीय पारेषज -नेटवर्क ज़ा हो-ना बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योकि आज यह एज जड़े प्रतिस्पर्धात्मज परिवेश में सेवाएं निष्पादित ज़र रहा है । संचार एवं सूच-ना प्रौद्योजिजी मंत्री श्री ए. राजा -ने 29 अजस्त, 2007 जे मालवाहज वायुया-न देश जे समर्पित ज़िया । XIवीं योज-ना में मेट्रो तथा देश जे अ-य महत्वपूर्ण शहरों जे बीच डाज तथा पार्सल जी दुलाई जे लिए ती-न और विमा-नों जी सेवाएं आरंभ ज़र-ने जी योज-ना है ।

### डाज व्यवसाय जे-द्र स्थापित ज़र-ना

1.3 डाज विभाज -ने वर्ष 2006 में एज -नया प्रतिमा-न आरंभ ज़िया है जो परम्पराजत डाज प्रबंध-न से एजदम अलज है । डाज एवं वितरज -नेटवर्क ज़ा समेज-न तथा डाज व्यवसाय जे-द्र (एमबीसी) स्थापित ज़र-ना इस -ए प्रतिमा-न जे महत्वपूर्ण घटज हैं । डाज व्यवसाय जे-द्रों जे भारतीय डाज जे अज़जी व्यवसाय विंज जे तौर पर देजा जाता है जो

ज़ाहजों जी विभिन्न मेलिज आवश्यकताओं जे एज ही जजह पर पूरा ज़रते हैं । व्यवसाय डाज जे-द्रों ज़ा एजीकृत डाज व्यवसाय हब जे तौर पर विज़ास ज़िया जा रहा है जो डाज (बल्ज) जे संज़हज, प्रोसेसिज तथा वितरज संबंधी ज़ार्य ज़रेंजे । 30.11.2007 तज देशभर में 126 डाज व्यवसाय जे-द्र स्थापित ज़िए जा चुजे हैं ।

### बिल मेल सेवा जे लिए संशोधित परियात तथा राष्ट्रीय बिल मेल सेवा जे पु-न: तैयार ज़र-ना

1.4 बिल मेल सेवा जे भार स्लैब में संशोध-न ज़िए जए हैं जिससे वह ज़ाहजों जे स्पर्धात्मज व लुभाव-नी लजे । राष्ट्रीय बिल मेल सेवा जे पु-न: तैयार ज़िया जया है तथा एज अलज उत्पाद जे तौर पर इसे आरंभ ज़िया जया है जिसमें वितरज जी इलेक्ट्रानिज सूच-ना जी सुविधा शामिल है ।

### ज़ाहजों जे लिए अ-न-य पि-न जेड

1.5 ज़ारपोरेट ज़ाहजों जी मेलिज आवश्यकताओं पर पूरा ध्या-न दे-ने जे उद्देश्य से मौजूदा पि-न जेड प्रजाली जे पु-न:विरूपित ज़िया जया है । ज़ारपोरेट ज़ाहजों जे विशेष ज़ाहज पि-न जेड प्रदा-न ज़िए जा रहे हैं । ऐसी डाज जी प्रोसेसिज अलज से ज़रजे डाज व्यवसाय जे-द्र द्वारा पा-ने वाले जे उसजे द्वार पर वितरित जी जाती है ।

### 'नि:शुल्क डाज' ज़ा आरंभ

1.6 विभाज -ने टॉल फ्री -नम्बर जे रूप में नि:शुल्क डाज सेवा आरंभ जी है जिसज़ा उपयोज बल्ज ज़ाहजों द्वारा डाज से उत्तर/आदेश पा-ने जे लिए ज़िया जा सजता है । इसे वे जवाबी ज़ार्ड, लेबल या लिफाफे दिए बि-ना पा सजते हैं । ज़ाहजों जे एज नि:शुल्क डाज जेड आबंटित ज़िया जाता है जो 6 अंजों वाला री-डिज़ाइन पि-न जेड होता है जिस पर वे जवाब पा सजते हैं ।



## PART-II

# ACTIVITIES

### (April - December 2007)

#### **Expansion of Postal Network**

1.1 A review of the existing Franchising Scheme has been carried out and it is proposed to expand the Franchising Scheme to cover areas such as new upcoming urban townships, special economic zones, major highway projects, upcoming new industrial centres, colleges, polytechnics, universities, professional colleges, etc.

#### **Induction of Freighter Aircraft for conveyance of mail in North Eastern Region**

1.2 In order to improve mail delivery and transmission services in the North-East, Department of Posts has inducted a dedicated freighter aircraft for carriage of mail, parcel and logistics to and fro from the North Eastern Region. Use of dedicated freighter aircrafts for carriage of mail is a worldwide practice today. Availability of a reliable and transmission network is crucial for India Post, which is performing, in a fiercely competitive environment today. Thiru A. Raja, Minister of Communications & IT dedicated the freighter aircraft to the nation on 29<sup>th</sup> August 2007. Under the XI<sup>th</sup> Plan, there is a plan scheme for induction of three more aircrafts for conveyance of mail and parcel between Metro and other important cities in the country.

#### **Setting up of Mail Business Centres**

1.3 Department of Posts introduced a New Mail Paradigm in 2006, which marked a significant departure from the traditional mail management. Consolidation of mail and delivery network, and setting up of Mail Business Centres (MBCs) are important components of the New

Paradigm. MBCs are envisioned as frontline business wing of India Post offering one stop solution for varied mailing needs of the customers. MBCs are being developed as an integrated mail business hub undertaking the task of collection, processing and delivery of (bulk) mail. As on 30.11.2007, 126 MBCs have been set up across the country.

#### **Revised Tariff for Bill Mail Service and revamp of National Bill Mail Service**

1.4 The weight slab for Bill Mail Service has been revised in order to make it more competitive and attractive for the customers. National Bill Mail Service has been revamped and introduced as a separate product, with a built in Electronic Intimation of Delivery facility.

#### **Exclusive Pin Codes for customers**

1.5 In order to give a focused attention to mailing needs of corporate customers, existing Pin Code system has been re-designed. Corporate customers are being provided exclusive customer Pin Codes. Such mail would be processed separately and delivered to the addressee by MBCs at their doorsteps.

#### **Introduction of "Free Post"**

1.6 The Department has introduced Free Post in the shape of a toll free number that could be availed of by bulk customers to receive responses/orders by post without having to supply reply cards, labels or envelopes. Customers are allocated a Free Post Code, which is a 6-digit re-designed pin code, against which they can receive responses.

## वितरज जी इलैक्ट्रानिज सूच-ना (ई-आईओडी) सेवा आरंभ ज र-ना

1.7 उचित दरों पर ज्राहजों जे वितरज सूच-ना उपलब्ध जरा-ने जे उद्देश्य से वितरज जी ई-सूच-ना (ई-आईओडी) वेब आधारित मूल्यवर्धित सेवा आरंभ जी जई है, जो प्रेषज जे मदों जे वितरज जी इलैक्ट्रानिज सूच-ना ई-मेल जे माध्यम से उपलब्ध जराती है।

### अंतर्राष्ट्रीय संबंध

#### यूनिवर्सल पोस्टल यूनिवर्सल जी डाज प्रचाल-ना परिषद ज अधिवेश-ना

1.8 सचिव (डाज) जी अध्यक्षता में एज छह सदस्यीय प्रतिनिधि दल -ने ब-र्न स्थित यूपीयू मुज्यालय में अप्रैल-मई, 2007 में आयोजित यूनिवर्सल पोस्टल यूनिवर्सल जी डाज प्रचाल-ना परिषद जे वार्षिज अधिवेश-ना में भाज लिया।

1.9 ब-र्न, स्विट्जरलैंड स्थित यूपीयू मुज्यालय पर अक्टूबर 2007 में आयोजित प्रशास-ना परिषद जे अधिवेश-ना सत्र जे दौरा-ना उप महा-निदेशज (आईआर) जी अध्यक्षता में एज चार सदस्यीय प्रतिनिधि दल -ने पीओसी जी बैठजों में भाज लिया। डाज प्रचाल-ना परिषद जी बैठजों/जार्जलापों में भारत सज्रिय रूप से भाज लेता है। डाज परिदृश्य में भारत जे महत्व तथा योजदा-ना जे सम्मान दे-ने जे उद्देश्य से अजस्त 2008 में आयोजित हो-ने वाली यूपीयू जी 24वीं जंज्रेस जे लिए मनोनीत 4 उपाध्यजों में से भारत भी एज है।

### प्रतिनिधिमंडल

1.10 विभाज जे उप महा-निदेशज (फिलै.), निदेशज (डाज) तथा अध्यक्ष, डाज सेवा बोर्ड जे जार्जजारी सहायज सहित ती-ना सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल -ने 20 से 23 मई 2007 तज ची-ना डाज (चाइ-ना पोस्ट) जे दौरा जिया। इस दौरे जे उद्देश्य भारत तथा ची-ना जे बीच स्मारज डाज-टिजटों जी संयुक्त श्रृंजला जारी जर-ने पर विचार-विमर्श जर-ना तथा परस्पर हित जे विभिन्न जेत्रों में आपसी सहयोज बढ़ा-ना था। दौरे जे दौरा-ना विचार-विमर्श जी जार्जसूची में जि-ना मुद्दों जे शामिल जिया जया, वे हैं: (ज) सड़ज/वायु परिवह-ना प्रबंध-ना सहित डाज प्रबंध, दूर-दराज जे इलाजों जे

साथ सम्पर्ज ब-ना-ना (ज) डाज घर बचत बैंज (ज) लॉजिस्टिक्स सेवा (घ) अ-तर्राष्ट्रीय पार्सलों जे जेत्र में जठजोड़ स्थापित जर-ना (ङ) अ-तर्राष्ट्रीय ध-ना अंतरज तथा अंतर्राष्ट्रीय डाज जे संचाल-ना में बेहतर तरीजों जे आदा-ना-प्रदा-ना, विशेष रूप से ईएमएस तथा भारत और ची-ना जे बीच एज उपयुक्त स्था-ना/सीमा बि-दु पर डाज जे आदान-प्रदान जर-ना।

1.11 विभाज से सचिव (डाज) जी अध्यक्षता में मुज्य महा प्रबंधज (व्यवसाय विज्जस), पोस्टमास्टर ज-रल, पश्चिम बंजाल सर्जिल, जेलजता तथा निदेशज लेजा (डाज) , जयपुर जे चार सदस्यों जे एज दल -ने पोस्ट बैंज, अंतर्राष्ट्रीय डाज, एक्सप्रेस सेवाएं, लाजिस्टिक्स तथा डायरेक्ट मार्जेटिज आदि सहित सहयोज जे संभाव्य जेत्रों पर विचार-विमर्श जर-ने जे लिए 9 से 11 जून 2007 जे बॉ-ना (जर्म-नी) जे दौरा जिया। इस प्रतिनिधिमंडल -ने चौथी इंडो-फ्रांस संयुक्त समिति जी बैठज जो 1998 में इ-ना दो-नों देशों जे बीच हस्ताजरित संजम ज्ञाप-ना जे अ-जुसरज में आयोजित जी जई थी, में भाज ले-ने जे लिए 12 से 14 जून, 2007 जे पेरिस (फ्रांस) जे भी दौरा जिया। अ-य बातों जे साथ-साथ विचार-विमर्श जे मुज्य मुद्दों में मेल जार्जालयों तथा डाज घर प्रचाल-नों में डाज प्रोसेसिज जे आधु-निजीज-रज तथा मशी-नीज-रज जर-ना, डाज-टिजटों तथा मोहरों सहित डाज उपस्जर जे उन्नय-ना, विपज-ना योज-नाएं तथा उत्पाद विज्जस जे विरूपज में सहायता दे-ना, आईएफएस-यूपीयू द्वारा विजसित इलैक्ट्रानिज अंतर्राष्ट्रीय म-नीआर्डर आदि जे साफ्टवेयर जे अधिष्ठापित जर-ने जे लिए फ्रांस जे साथ द्विपजीय जरार आदि थे। श्री जार्ल शैलफहौत, निदेशज आईआर, एशियाई प्रशांत मध्य पूर्व, मेल इंटर-नेश-नाल डोयचे पोस्ट वर्ल्ड -नेट/डीएचएल (जर्म-नी) जी अध्यक्षता में एज सात सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल -ने विभिन्न जेत्रों में द्विपजीय सहभाजिता पर विचार विमर्श जर-ने जे लिए 9 अजस्त 2007 जे भारत जे दौरा जिया। ठोस संभाव-नाओं जे जांच-ने जे लिए चार संयुक्त जार्ज दल (जेडब्ल्यूजी) स्थापित जिए जए। सभी 4 संयुक्त जार्ज दलों -ने डोयचे पोस्ट जे दो प्रतिनिधियों जे साथ बैठज जी और प्रस्तावित सहयोज जी विस्तृत रूपरेजा तैयार जी। डोयचे पोस्ट जे चार सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल -ने विभाज जे वरिष्ठ अधिजार्जियों जे साथ द्विपजीय सहयोज पर विचार विमर्श जर-ने जे लिए 5.10.2007 जे भारत जे दौरा जिया। डाज विभाज -ने 30 अक्टूबर 2007 जे भारत जे



## **Introduction of Electronic Intimation of Delivery (e-IOD)**

1.7 In order to provide intimation of delivery to the customers at a reasonable price, e-intimation of delivery (e-IOD) has been introduced as a web-based value added service, which provides electronic information about delivery of articles through e-mail to the sender.

## **INTERNATIONAL RELATIONS**

### **Postal Operations Council Session (POC) of Universal Postal Union**

1.8 A six-member delegation headed by Secretary (Posts) attended the Annual Postal Operations Council Session (POC), 2007 of Universal Postal Union at UPU Headquarter in Berne held during the month of April-May, 2007.

1.9 A four-member delegation from the Department led by DDG (IR) participated in the meetings of POC during the Council of Administration Session at UPU Headquarters in Berne, Switzerland in October, 2007. India has been actively participating in the meetings/activities of the Postal Operation Council. In recognition of the stature and contribution of India to the postal scenario, India has been nominated as one of the 4 Vice Chairs of the forthcoming 24<sup>th</sup> Congress of the UPU to be held in August, 2008.

### **Delegations**

1.10 A three-member delegation from the Department comprising DDG (Phil.), Director (Mails) and Executive Assistant to Chairman, PSB visited China Post from 20<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> May, 2007. The purpose of the visit was to hold discussions regarding the joint issue of commemorative postage stamps between India and China and to enhance co-operation in various fields of mutual interest. The areas that formed part

of agenda for discussions during the visit included were (a) mail Management including road/air transportation arrangement, linkage to far-flung areas (b) Postal Savings Bank (c) logistic Services (d) tie-up in the area of international parcels (e) International Money Transfer and exchange of best practices in the handling of international mail especially EMS and exchange of mail between India and China at or suitable land/border point.

1.11 A four member delegation from the Department led by Secretary (Posts), CGM (BD), PMG, West Bengal Circle, Kolkata and Director of Accounts (Postal), Jaipur visited Bonn (Germany) from 9<sup>th</sup> to 11<sup>th</sup> June, 2007 to discuss possible areas of cooperation including Post Bank, international mail, express services, logistics and Direct Marketing etc. The delegation further visited Paris (France) from 12<sup>th</sup> to 14<sup>th</sup> June, 2007 to attend the fourth Indo-France Joint Committee Meeting held in pursuance of the Memorandum of understanding signed between the two countries in 1998. The major areas of discussion inter alia included modernization and mechanization of mail processing in mail offices and operations in post offices; up gradation of postal equipment including stamps and seals; assistance in designing marketing strategies and product development, bilateral agreement with France for introduction of IFS – the UPU software for electronic international money orders etc. A seven-member delegation led by Mr. Carl Schelfhaut, Director-IR, Asia Pacific Middle East, Mail International from Deutsche Post World Net/DHL (Germany) visited India on 9<sup>th</sup> August, 2007 to discuss bilateral cooperation in different areas. In order to identify concrete possibilities, four Joint Working Groups(JWGs) have been set up. On 9<sup>th</sup> August, 2007, all the 4 JWGs met along with 2 representatives of Deutsche Post to work out details of the proposed cooperation. A four-member delegation from Deutsche Post visited India on 05/10/2007 to discuss on bilat-

मा-नीय प्रधा-मंत्री तथा जर्मनी के चांसलर के साथ -ई दिल्ली में आयोजित एज समारोह में दो-नों पजों के बीच द्विपक्षीय सहयोज पर डोयचे पोस्ट वर्ल्ड -ेट/ डीएचएल (जर्मनी) के साथ एज संजम ज्ञापन पर हस्ताजर जिए।

1.12 विभाज से निदेशज (पीओ एवं आई) तथा निदेशज (मेल) के दो सदस्यों वाले एज प्रतिनिधिमंडल -ो, यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन जी रेजोल्यूशन सी-33 एडवाइजरी टीम जी बैठज में भाज ले-ने के लिए टीम सदस्यों के तौर पर 19 से 21 जून 2007 को बर्न, स्विट्जरलैंड जा दौरा जिया। इस समिति जा उद्देश्य यूपीयू सदस्य देशों के बीच मेल एक्सचेंज तथा लेजांज-न प्रजिया को जाजरहित प्रलेजन जी ओर अजरसर जर-न है।

1.13 सहायज महानिदेशज (अंतर्राष्ट्रीय संबंध), डाज विभाज -े दि-गांज 20-22 अजस्त, 2007 को हांज-जांज में आयोजित एशियाई प्रशांत डाज सहजारी प्रबंधन बोर्ड (एपीपी सीएमबी) जी बैठज में भाज लिया। भारत वर्ष 2001 से एपीपीसीएमबी जा चयनित सदस्य है। सीएमबी में सात वोटिंग सदस्य होते हैं जो एपीपी को-आपरेटिव के सदस्यों में से चुने जाते हैं।

1.14 सदस्य (ओ एज्ड एम), डाज सेवा बोर्ड तथा उप महानिदेशज (आई आर), डाज विभाज -े 4 से 6 सितम्बर 2007 को मनीला फिलिपीन-स में आयोजित 14वीं एसईएए-न डाज व्यवसाय बैठज में भाज लिया। चूंजि भारत, सेवा जुजवत्ता निधि (क्यूएसएफ) -यासी बोर्ड जा एज सदस्य है, इसलिए उच्च जुजवत्ता मा-दज्ज प्राप्त जर-ने के लिए क्यूएसएफ जोर के प्रभावी उपयोज के लिए सदस्य देशों जी सहायता जर-ने तथा डाज सेवा जी बेहतर जुजवत्ता के संबंध में विजसित डाज प्रशास-नों के व्यवसाय के संबंध में सेवा जुजवत्ता निधि (क्यूएसएफ) जी स्थिति, विषयों पर एज प्रस्तुतीजरज (प्रेजे-टेश-न) प्रस्तुत जिया।

1.15 सदस्य (ओ एज्ड एम), मुख्य महा प्रबंधज (डाज व्यवसाय) तथा महाप्रबंधज (व्यवसाय विजस) के ती-न सदस्यों वाले एज प्रतिनिधिमंडल -ो वर्ल्ड पोस्टल बिजनेस फोरम तथा पोस्ट एक्सपो 2007 में भाज ले-ने के लिए 2 से 4 अक्टूबर 2007 तज बार्सिलो-न, स्पे-न जा दौरा जिया। पोस्ट एक्सपो एज बहुत बड़ी अ-तर्राष्ट्रीय डाज प्रदर्शनी

तथा सम्मेलन-न है जहां डाज जेत्र में महत्वपूर्ण निर्जय ले-ने वाले एजजुट होते हैं। पोस्ट एक्सपो में डाज प्रचालन से संबंधित जई विषयों को जवर जिया जाता है जैसे जि-नवी-तम प्रौद्योजिजी जा जिस प्रजर लाभ उठाया जाए तथा डाज के विजस, उसके व्यवसाय तथा ज्राहज आधार को बेहतर बनाया जाए।

1.16 सचिव (डाज) जी अध्यक्षता में छह सदस्यों वाले एज प्रतिनिधिमंडल -ो 16 नवरी से 1 फरवरी 2008 तज आयोजित यूपीयू जी डाज प्रचालन परिषद (पीओसी) जी बैठज में भाज लिया। पीओसी पर महत्वपूर्ण प्रचालन-तमज, वाजिजिज, आर्थिज तथा तज-नीजी सहयोज के मुद्दों पर अध्ययन जर-ने जा दायित्व है।

### विदेशी प्रतिनिधिमंडलों जा भारत दौरा

1.17 श्री प्रजब शाह, जार्यजरी निदेशज, संयुक्त राज्य पोस्टल सर्विस -ो दो-नों डाज प्रशास-नों के बीच आपसी सहयोज के संभाव्य जेत्रों पर विचार-विमर्श जर-ने के लिए 13-16 अजस्त 2007 को भारतीय डाज जा दौरा जिया। उ-होंने सचिव (डाज) तथा विभाज के अ-य वरिष्ठ अधिजरियों के साथ, संयुक्त व्यवसाय -ीति, ईएमएस, एयर पार्सल, एक्सप्रेस तथा पैजेज व्यवसाय, आईएफएस जा प्रयोज जरते हुए अंतर्राष्ट्रीय धन अंतरज, बैंज के साथ जठजोड/सहभाजिता तथा प्रचालन एवं प्रौद्योजिजी जैसे जई मुद्दों पर विचार विमर्श जिया।

### दजिज-एशियाई डाज संघ (एसएपीयू)

1.18 उप महानिदेशज (अंतर्राष्ट्रीय संबंध), डाज विभाज -ो 29 से 31 अजस्त 2007 को -ई दिल्ली में आयोजित सार्ज परिवहन मंत्रियों जी बैठज में भाज लिया। उप महानिदेशज (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) -ो 30 अजस्त, 2007 को, दजिज-एशियाई डाज संघ (एसएपीयू) के प्रस्ताव पर, एज पावर प्वाइंट प्रस्तुतीजरज पेश जिया। एसएपीयू जा जठन जो सार्ज के समरूप होजा और यह इस जेत्र के उ-न देशों जो भौजोलिज दृष्टि से एज-दूसरे के निजट हैं, उ-नमें सांस्कृतिज समरूपता है तथा डाज प्रशासन जी एज जैसी प्रजाली है के बीच डाज परियात जी आवाजाही को बाधारहित बनाएजा।





eral cooperation with Sr. Officers of the Department. Department of Posts signed a Memorandum of Understanding with Deutsche Post World Net/DHL (Germany) on bilateral cooperation between the two sides in a function organized at New Delhi on 30<sup>th</sup> October, 2007 in the presence of Hon'ble Prime Minister of India and Chancellor of Germany.

1.12 A two-member delegation from the Department comprising Director (PO&I) and Director (Mails) visited Berne, Switzerland from 19<sup>th</sup> to 21<sup>st</sup> June, 2007 to participate as team members in the meeting of Resolution C 33 Advisory Team of Universal Postal Union. The objective of the committee is to move towards paperless documentation of mail exchange & accounting procedures across UPU member countries.

1.13 Assistant Director General (International Relations), Department of Posts attended the meeting of Asia Pacific Post Cooperative Management Board (APPCMB) held in Hong Kong from 20<sup>th</sup> – 22<sup>nd</sup> August, 2007. India is an elected member of APPCMB since 2001. The CMB is composed of seven voting members elected from among the members of the APP Cooperative.

1.14 Member (O&M), Postal Services Board and Deputy Director General (International Relations), Department of Posts attended the 14<sup>th</sup> ASEAN Postal Business Meeting held in Manila, Philippines from 4<sup>th</sup> to 6<sup>th</sup> September, 2007. India, being a member of Quality of Service Fund (QSF) Board of Trustees made a presentation on the status, issues of Quality of Service Fund (QSF) to convey the business concern of developed postal administrations regarding Quality of Postal Services and to assist the member countries in effective utilization of QSF corpus towards achieving high quality standards.

1.15 A three-member delegation from the Department comprising Member (O&M), CGM (Mail

Business) and GM (BD) visited Barcelona, Spain from 2<sup>nd</sup> to 4<sup>th</sup> October, 2007 to attend the World Postal Business Forum and Post Expo 2007. Post Expo is the largest international postal exhibition and conference, bringing together the key decision makers of the Postal Sector. The Post Expo covered a wide range of subjects related to postal operations such as how to capitalize on the latest technologies and how to optimize development for Posts, their business and customer base.

1.16 A six-member delegation headed by Secretary (Posts) visited Berne, Switzerland to attend the meetings of the Postal Operation Council (POC) of UPU held from 16<sup>th</sup> January, 2008 to 1<sup>st</sup> February, 2008. The POC is responsible for conducting studies on important operational, commercial, economical and technical cooperation issues.

### **Visits of Foreign Delegations**

1.17 Shri Pranab Shah, Executive Director, United States Postal Service visited India Post from 13<sup>th</sup> – 16<sup>th</sup> August, 2007 to discuss possible areas of cooperation between the two postal administrations. He held discussion with Secretary (Posts) and other Senior Officers of the Department in several areas such as Joint Business Strategy, EMS, Air Parcels, Express and Package Business, International Money Transfer using IFS, alliance/partnership with a bank and Operations and Technology.

### **South-Asian Postal Union (SAPU)**

1.18 Deputy Director General (International Relations), Department of Posts attended the SAARC Transport Ministers Meetings held from 29<sup>th</sup> - 31<sup>st</sup> August, 2007 at New Delhi. A Power Point presentation on the proposal of a South-Asian Postal Union (SAPU) was made by Deputy Director General (International Relations) on 30<sup>th</sup>

## भारतीय डाक - 30वीं एपीपीयू-ईसी जी मेज़बानी जी

1.19 भारतीय डाक - 27 नवम्बर 2007 से 1 दिसम्बर, 2007 को -ई दिल्ली में 30वीं एशियाई प्रशांत डाक यूनिवर्सल जार्यजारी परिषद (एपीपीयू-ईसी) जी मेज़बानी जी। बैठक से पहले 26 से 27 नवम्बर 2007 तक यूनिवर्सल पोस्टल यूनिवर्सल जी जुजवत्ता सेवा निधि पर एज जार्यशाला आयोजित जी जई। इस जार्यशाला का उद्देश्य डाक प्रशासकों को जुजवत्ता सेवा निधि नियमों तथा प्रक्रियाओं से परिचित करना था जिससे उन्हे संबंधित बातों में जुजवत्ता सेवानिधि राशि का लाभप्रद उपयोग किया जा सके। इस जार्यशाला का आयोजन जुजवत्ता सेवा निधि -यासी बोर्ड तथा आईबी, यूपीयू जी जुजवत्ता सेवा निधि दल द्वारा आयोजित किया गया।

1.20 एपीपीयू के 30 सदस्य देशों से लगभग 170 प्रतिनिधियों, एपीपीयू व यूपीयू के अधिकारियों तथा विभिन्न देशों के प्रेजेंटों ने एपीपीयू-ईसी जी इस बैठक में भाग लिया। इस बैठक में, भारतीय डाक जी ओर से सचिव (डाक) जी अध्यक्षता में, उप महादेशज (आईआर) (प्रतिनिधि दल के उपाध्यक्ष), संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, उप महादेशज (जीबी), उप महादेशज (प्रशिजज), सहायक महादेशज (आईएम) तथा सहायक महादेशज (आईआर) सहित सात सदस्यों के प्रतिनिधि दल ने प्रतिनिधित्व किया।

1.21 27 से 30 नवम्बर 2007 को आयोजित एपीपीयू-ईसी के दौरान निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गईं:

- एशियाई प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सहायता के-द्र (आरएससीएपी)
- टर्मिनल ड्यूटी जार्यदल
- डाक सुरक्षा जार्यदल
- डाक वित्त सेवा जार्यदल
- तजनीजी सहायता एवं क्यूएसएफ
- वित्त समिति

- एशियाई प्रशांत डाक-शासी निजय (एपीपी-जीबी)

- एशियाई प्रशांत डाक सहकारी प्रबंधन बोर्ड (एपीपीसीएमबी)

1.22 एशियाई प्रशांत डाक सहकारी प्रबंधन (एपीपीसीएमबी) बैठक में, भारत का एपीपीसीएमबी के सदस्य के तौर पर एज उड़े मुजाबले में पुनः चयन किया गया।

1.23 महादेशज, भारतीय डाक - 30वीं डाक प्रशासकों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय सहयोग एवं व्यवसाय समझौतों के मुद्दों पर बैठक की। यूपीयू ने क्षेत्रीय विकास योजनाओं तथा उन्हे जार्यवयन के लिए भारत में उप क्षेत्रीय विस्तार के-द्र स्थापित करने में अपनी सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव किया है।

## सम्मेलनों/कार्यशालाओं में शामिल होना

1.24 विभाज से सचिव (डाक) तथा उप महादेशज (आईआर) के दो सदस्यों वाले प्रतिनिधि दल ने दिनांक 14 व 15 नवम्बर 2007 को विश्व डाक एवं सूचना प्रौद्योगिकी सम्मेलन (पीओटेज 2007) में शामिल होने के लिए जद्दाह, सऊदी अरब का दौरा किया। यह सम्मेलन डाक के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी आधारित अवसर का जो बढ़ावा देने पर केन्द्रित था। यूपीयू के महादेशज इसमें मुख्य प्रवक्ता थे। एज सीईओ फोरम बनाया गया जिसका फोजस प्रौद्योगिकी मुद्दों तथा अ-य महत्वपूर्ण मुद्दे जैसे सीधी डाक का भविष्य, ई-बिलिंग तथा ई-भुजता, स्थान तथा श्रेणीकरण जाजरूता, भविष्य के उत्पादों एवं सेवाओं का निर्माण, भविष्य में पता लेजना तथा छंटाई पर विचार विमर्श करने पर था।

1.25 सचिव (डाक) तथा उप महादेशज (जीबी) के दो सदस्यों वाले प्रतिनिधि दल ने 4 से 6 दिसम्बर, 2007 तक ज्वानज़ाऊ, चीन में यूपीयू डाक नीति पर आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए 3 से 6 दिसम्बर, 2007 को ज्वानज़ाऊ, चीन का दौरा किया। सम्मेलन में मसौदा नैरोबी डाक नीति पर विचार-विमर्श किया गया।



August, 2007. The formation of SAPU, which will be akin to SAARC, would enable the countries of this region, which have geographical contiguity, relative homogeneity of culture and a common system of postal administration to provide for a seamless flow of postal traffic across the region.

### **India Post hosts the 30<sup>th</sup> APPU-EC**

1.19 Department of Posts, India hosted the 30<sup>th</sup> Asian Pacific Postal Union Executive Council (APPU-EC) Meeting from 27<sup>th</sup> November to 1<sup>st</sup> December, 2007 at New Delhi. The meeting was preceded by a Workshop on Quality of Service Fund (QSF) of the Universal Postal Union on 26<sup>th</sup> to 27<sup>th</sup> November, 2007. The aim of this Workshop was to familiarize Postal Administrations with QSF rules and procedures in order to enable them to gainfully utilize QSF money in their respective accounts. The Workshop was conducted by the QSF Board of Trustees and the QSF Team of IB, UPU.

1.20 About 170 delegates from 30 member countries of APPU; officers of APPU and UPU and observers from various countries attended the APPU-EC meeting. In this meeting, India Post was represented by a seven member delegation headed by Secretary (Posts) and DDG(IR) (Dy. Head of delegation), JS &FA, DDG(GB), DDG(Trg.), ADG(IM) and ADG(IR).

1.21 The following meetings were held during the APPU-EC from 27<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> November, 2007:-

- The Regional Support Centre for Asia Pacific (RSCAP)
- The Terminal Dues Working Group
- The Postal Security Working Group
- The Postal Finance Service Working Group
- The Technical Assistance and QSF
- The Finance Committee

- The Asia Pacific Post-Governing Board (APP-GB)
- The Asia Pacific Post Cooperative Management Board (APP-CMB)

1.22 During the meeting of Asia Pacific Post Cooperative Management (APP-CMB), India was re-elected as member of the APP CMB in a closely contested election.

1.23 DG India Post held meetings with CEOs of most of the Postal administration on issues of bilateral cooperation & business collaboration. UPU has offered its assistance in setting up of a Sub-Regional deployment center in India for regional development plans & implementation thereof.

### **Participating in Conferences/ Workshops**

1.24 A two-member delegation from the Department comprising Secretary (Posts) and Deputy Director General (International Relations) visited Jeddah, Saudi Arabia to attend the Global Postal and Information Technology Conference (Pos Tech 2007) from 14<sup>th</sup> to 15<sup>th</sup> November, 2007. The event focused on promoting technology-based infrastructure for posts. Director General of the UPU was the keynote speaker at the Conference. A CEO Forum with strategic focus on technology issues and other important topics such as the future of Direct Mail, e-Billing and e-payment, locational and positioning awareness, building tomorrow's products and services, addressing and sorting in the future etc. were discussed therein.

1.25 A two-member delegation comprising Secretary (Posts) and DDG (GB) visited Guangzhou, China from 3<sup>rd</sup> to 6<sup>th</sup> December, 2007 for attending the Conference on UPU Postal Strategy held at Guangzhou from 4<sup>th</sup> to 6<sup>th</sup> December, 2007. The conference looked into the draft Nairobi Postal Strategy.

1.26 निदेशक (डाक व्यवसाय) ने 15 से 16 अक्टूबर, 2007 तक बीजिंग, चीन में आयोजित रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) कार्यशाला में भाग लिया।

1.27 अध्यक्ष (डाक सेवा बोर्ड) के कार्यकारी सहायक तथा निदेशक डाक सेवाएं, मजिपुर के दो सदस्यीय प्रतिनिधि दल ने 2 से 5 दिसम्बर, 2007 तक एसएडीसी/एसएपीओए क्षेत्र के लिए यूपीयू के विश्वव्यापी इलेक्ट्रॉनिक भुजता-नेटवर्क पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेने के लिए दार-ए-सलाम, तंजानिया जा दौरा किया।

### यूपीयू के परामर्शी सेवाएं प्रदान करना

1.28 मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, पश्चिम बंगाल सर्जिल के 3 से 21 दिसम्बर, 2007 तक बतौर यूपीयू परामर्शदाता, जम्बोडिया के डाक प्रशासन के लिए व्यवसाय योजना तैयार करने के मिशन के साथ जम्बोडिया में प्रतिनियुक्त किया गया।

### इलेक्ट्रॉनिक अंतर्राष्ट्रीय मनीऑर्डर सेवा का प्रारंभ

1.29 यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की सुरजित अंतर्राष्ट्रीय वित्त प्रजाली (आईएफएस) का प्रयोजन करते हुए डाक नेटवर्क के माध्यम से 'इलेक्ट्रॉनिक अंतर्राष्ट्रीय मनीऑर्डर' प्रारंभ करने के एक करार पर भारतीय डाक और अमीरात डाक, संयुक्त अरब अमीरात के बीच करार पर हस्ताक्षर करने के पश्चात फरवरी, 2008 से भारतीय डाक और संयुक्त अरब अमीरात के लोगों के बीच अंतर्राष्ट्रीय धन प्रेषण आसान हो जाएगा।

1.30 प्रजाली को सरल एवं कारगर बनाने के एक करार पर दुबई में 2 जनवरी, 2008 को महानिदेशक, भारतीय डाक तथा अमीरात डाक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

1.31 आरंभिक चरण में यह सेवा भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, जलजाला तथा जेरल को जवर करते हुए 97 प्रधान डाकघरों तथा 2400 से अधिक उप डाकघरों के माध्यम से यूएई द्वारा प्रदान की जाएगी। यूएई के निवासी, विशेष रूप से प्रवासी श्रमिक भारतीय डाक के माध्यम से इन डाकघरों में किसी भी स्थान पर डिफायती दरों पर शीघ्रता से धन अंतरण कर सकते हैं और शीघ्र ही विश्व के सबसे बड़े नेटवर्क को जवर करते हुए देशभर में इन स्थानों की संख्या बढ़ जाएगी।

1.32 भारत में डाकघर काउंटर पर देय इलेक्ट्रॉनिक मनीऑर्डर प्रमुख डाकघरों में उसी दिन वितरित कर दिए जाएंगे। पाने वाले के गंतव्य स्थल पर देय होने की स्थिति में वितरण आईएफएस नेटवर्क के माध्यम से दो दिनों के अंदर कर दिया जाएगा। आईएफएस नेटवर्क के बाहर वितरण पांच दिनों के अंदर कर दिया जाएगा। धन यदि भारत से संयुक्त अरब अमीरात भेजा जा रहा है तो राशि उसी दिन अमीरात डाकघरों से प्राप्त की जा सकती है।

1.33 समझौते के अंतर्गत अमीरात डाक द्वारा भारत में भुजता-नेटवर्क के लिए जारी कोई एकल मनीऑर्डर 2,500 अमेरिकी डॉलर या उसकी तुल्य राशि से ज्यादा का नहीं होगा। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी एक लाभार्थी को एक वर्ष में केवल 12 मनीऑर्डर भेजे जाने की अनुमति होगी।

1.34 20,000/-रु. तक की राशि का भुजता-नेटवर्क द्वारा पाने वाले के पते पर भेजा जाएगा। 20,000/- रु. से अधिक और 50,000/-रु. तक की राशि का भुजता-नेटवर्क काउंटर पर भेजा जाने में किया जाएगा और 50,000/- रु. से अधिक राशि का भुजता-नेटवर्क के माध्यम से किया जाएगा।

### प्रौद्योगिकी

1.35 चालू वर्ष के दौरान दिसंबर 2007 तक पूर्वोत्तर के 463 उप डाकघरों में कंप्यूटरों की आपूर्ति कर दी गई थी। कंप्यूटरीकृत उप डाकघरों के लिए जनरेटर सेट खरीदने हेतु सर्किलों को 120.1 मिलियन रु. की राशि आवंटित की गई है।

1.36 चालू वर्ष के दौरान 1318 डाकघरों में वाइड एरिया नेटवर्क (वैन) स्थापित करने की एक परियोजना शुरू की गई। इस परियोजना के पहले चरण के अंतर्गत 544 स्थलों पर नेटवर्किंग के साजो-सामान की आपूर्ति तथा स्थापना की जा चुकी है और पहले चरण में 31 दिसंबर, 2007 तक 333 स्थानों का लीड लाइन नेटवर्क शुरू किया जा चुका है। ये अब राष्ट्रीय डाटा सेंटर (ए-डीसी) में होस्ट किए गए एप्लीकेशन का प्रयोजन कर पा रहे हैं। फिलहाल, इस नेटवर्क के माध्यम से तत्काल मनीऑर्डर, ई-पोस्ट, सीसीसी और भारतीय डाक वेबसाइट का प्रयोजन किया जा सकता है। 22 डाक सर्किलों को 3687 डाकघरों के लिए इलेक्ट्रॉनिक



1.26 Director (Mail Business) attended the Radio Frequency Identification (RFID) workshop held at Beijing, China from 15<sup>th</sup> to 16<sup>th</sup> October, 2007.

1.27 A two-member delegation comprising Executive Assistant to Chairman (PSB) and DPS, Manipur visited Dar-es-Salaam, Tanzania from 2<sup>nd</sup> to 5<sup>th</sup> December, 2007 for attending the Workshop on the Development of UPU's worldwide electronic payment network for the SADC/SAPOA Region.

### **Providing Consultancy to UPU**

1.28 CPMG, W.B Circle was deputed to Cambodia from 3<sup>rd</sup> to 21<sup>st</sup> December, 2007 as a UPU consultant, to conduct a Mission to formulate a Business Plan for the postal administrations of Cambodia.

### **Launch of Electronic International Money Order Service**

1.29 International Money remittance between people of India and the UAE will become easier after India Post and Emirates Post, UAE signed an agreement to launch 'Electronic International Money Orders' through the postal network, using secure International Financial System (IFS) of the Universal Postal Union from February, 2008.

1.30 An agreement facilitating the system was signed in Dubai on 2<sup>nd</sup> January, 2008 by Director General of India Post and the Chief Executive officer of Emirates Post.

1.31 In the initial phase the service will be offered from UAE to India through all Head Post Offices in Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata and Kerala covering around 97 Head Post Offices and over 2,400 Sub Post Offices. Residents in UAE, especially migrant workers, can now transfer money speedily on very economical rates to any location under these Post Offices through

India Post and these locations will be extended through out the country soon covering the largest Postal Network in the world.

1.32 In India, the electronic money orders payable at post office counter will be delivered the same day at main post offices. In the case of Money Orders payable at addressee's destination, delivery will be within two days through the IFS network. Outside the IFS network, delivery will take place within five days. If the money is sent from India to the UAE, the amount can be collected the same day at Emirates Post Offices.

1.33 The agreement stipulates that a single money order issued by Emirates Post for payment in India shall not exceed 2,500 U.S. Dollars or its equivalent. It also states that only 12 Money Orders addressed to one beneficiary will be allowed in a calendar year.

1.34 Amounts up to Rs. 20,000/- will be paid at payee's address through Postmen in cash. Amounts more than Rs. 20,000/- and up to Rs. 50,000/- will be paid in cash across the post office counter, and those exceeding Rs. 50,000/- will be payable by cheque.

### **Technology**

1.35 During the current year up to the end of December, 2007, 463 sub post offices of North East were supplied with computers. Funds to the tune of Rs. 120.1 Million have been allotted to the circles for procurement of generator sets in computerized Sub Post Offices.

1.36 A project for establishing Wide Area Network(WAN) of 1318 offices was taken up during the current year. Networking equipment have been supplied and installed at 544 sites under phase-I of the project and up to the end of December 31<sup>st</sup>, 2007 leased line network for 333 locations has been commissioned in the first phase, which are now able to access the appli-

तराजू जरीद-ने हेतु 70.7 मिलियन रुपये की राशि आबंटित की गई है।

1.37 जम्मू व जश्मीर के 145 और बाजी देश के 645 डाकघरों के कंप्यूटरीकरण के एक प्रस्ताव पर चर्चा की जा रही है। इस संबंध में विज्ञान के चुनाव के विषय में सर्जिलों से उच्च प्राथमिकता मांगी गई है और अनुमान है कि संबंधित जरीद ऑर्डर 31 मार्च, 2008 तक जारी कर दिए जाएंगे। अनुमान है कि 1318 डाकघरों की नोटवर्क का कार्य मार्च, 2008 के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा और अन्य वेब आधारित एप्लीकेशन जैसे, स्पीड नोट, ई-भुजता का प्रयोजन के माध्यम से किया जा सकेगा। सर्जिलों को जेन-सेटों की जरीद के लिए और धनराशि आबंटित की जाएगी। परिचालन में सुधार लाने के लिए सभी प्रधान डाकघरों को हाई-स्पीड प्रिंटरों की आपूर्ति की जानी है।

### आंतरिक कार्य अध्ययन

1.38 एमडी लैन के लिए मानदंड बनाने, उप डाकघरों में आवर्ती जमा और मासिक आय योजना कार्य के विकेंद्रीकरण का अध्ययन कार्य पूरा कर लिया गया है और रिपोर्टें प्रस्तुत कर दी गई हैं। एसआर अनुभाग के कार्य अध्ययन का काम पूरा कर लिया गया है। पीई-1 अनुभाग का कार्य-अध्ययन पूरा कर लिया गया है और रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है। पीएपी अनुभाग का कार्य-अध्ययन पूरा कर लिया गया है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अनुमान है कि निदेशक डाक लेखा (डीएपी) और डाक एवं तार औषाधालयों के मानदंड बनाने का कार्य 1.1.08 से 31.3.08 की अवधि के दौरान पूरा कर लिया जाएगा। पीई-1 और पीएपी अनुभागों की कार्य-अध्ययन रिपोर्टों के शीघ्र जारी होने का अनुमान है। इसके अलावा, उम्मीद है कि सीआर और पीई-1 अनुभागों का कार्य-अध्ययन 31.03.08 से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

**व्यवसाय विज्ञान एवं विपणन निदेशालय द्वारा की गई 'पहल'**

### डाक घर -स्वयं सहायता समूह-नाबार्ड लिंकेज

1.39 महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को लघु ऋण वितरण हेतु डाकघर-स्वयं सहायता समूह-नाबार्ड लिंकेज

स्कीम को शिवगंगा तथा पुडुकोट्टई जिलों के कुछ चुनिंदा खंडों में 15.12.2006 को शुरू किया गया। इसके बाद 01.03.2007 को इसका विस्तार तिरुवन्नामलाई जिले के कुछ चुनिंदा खंडों में किया गया। अब तक 1963 ग्रामीण डाकघरों में कुल 2697 स्वयं सहायता खाते खोल गए हैं। स्वयं सहायता को बतौर ऋण 25 लाख रु. की राशि वितरित की गई है। निकट भविष्य में इस स्कीम का विस्तार नाबार्ड के परामर्श से 9 और राज्यों में किया जाएगा जिनके नाम हैं: महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर (मेघालय)।

### डाक घरों के माध्यम से यात्री आरक्षण प्रणाली

1.40 डाक विभाग ने रेल मंत्रालय के परामर्श से डाकघरों के माध्यम से रेलवे आरक्षण टिकट बुक करने का निर्णय लिया है। प्रारंभ में यह योजना देशभर के 30 चुनिंदा स्थानों पर शुरू की जाएगी। 31 जुलाई, 2007 को रेल मंत्री और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री दोनों की मौजूदगी में डाक विभाग और रेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

### भारतीय डाक-भारतीय स्टेट बैंक प्रायोजित परियोजना

1.41 भारतीय स्टेट बैंक ने भारतीय डाक के विशाल नोटवर्क के माध्यम से अपनी आस्तियों, दायित्वों और निवेश उत्पादों को सोर्स करने के लिए भारतीय डाक के साथ समझौता किया है। इस प्रायोजित योजना को पांच राज्यों-गामत: आंध्र प्रदेश, जर्नाटक, झारखंड, महाराष्ट्र और तमिलनाडु की 61 तालुकाओं में लाजु किया गया है। इस प्रायोजित योजना के लिए इन पांच राज्यों में 95 डाकघरों की पहचान की गई है। भारतीय डाक और भारतीय स्टेट बैंक के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारतीय स्टेट बैंक भारतीय डाक के माध्यम से अपनी ज़ामीज बैंकिंग योजनाओं को ज़ामीज जना तक पहुंचाता है। 2 जुलाई, 2007 को शुरू हुई इस योजना के अंतर्गत इन पांच राज्यों अर्थात् आंध्र प्रदेश, झारखंड, जर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में आस्तियों, देयताओं और निवेश के विविध प्रकार के उत्पाद उपलब्ध कराए जाते हैं।

cation hosted at National Data Centre (NDC). Presently iMO, epost, CCC and India Post Website are being accessed through this network. Funds to the tune of Rs. 70.7 Million have been allotted to 22 postal circles for procurement of electronic weighing scales for 3687 post offices.

1.37 A proposal for computerization of 145 post offices in J&K and 645 Post offices in rest of the country is under process. In this regard preference of Circles have been invited regarding vendor selection and it is expected that relevant purchase order will be issued by 31<sup>st</sup> March, 2008. Networking of 1318 offices is expected to be completed by the end of March, 2008 and other web based applications like speed net, e-payment etc. will be accessible through WAN. More funds for procurement of Gen-sets will be allotted to the circles. All Head Post Offices are to be supplied with high-speed printers to improve operational efficiency.

### **Internal Work Study**

1.38 The study of evolution of norms for MD LAN, Decentralization of RD & MIS work in sub post offices has been completed and the reports are under submission. The work measurement study in respect of SR Section has been completed. Work measurement study in respect of PE-I Section has also been completed and the report is under submission. Work measurement study in respect of PAP Section has been completed and the report is under preparation. The study of evolution of norms for DAP and P&T Dispensary is anticipated to be completed during the period from 1.1.08 to 31.3.08. The work measurement study reports in respect of PE-I and PAP Sections are likely to be issued shortly. Furthermore, the work measurement study in respect of CR and PE-II Sections are anticipated to be completed before 31.03.08.

## **'INITIATIVES' UNDERTAKEN BY BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING DIRECTORATE**

### **PO-SHG-NABARD LINKAGE**

1.39 The PO-SHG-NABARD Linkage Scheme for disbursement of micro credit to women Self Help Groups was commenced as a Pilot Project in a few identified blocks of Sivaganga and Pudukottai District on 15.12.2006. It was then extended to a few selected blocks of Tiruvannamalai District on 01.03.2007. A total of 2697 SHG accounts have been opened in 1963 rural post offices till date. Rs. 25 Lakhs have been disbursed as loans to the self help groups. This project will be expanded to nine more states namely Maharashtra, Bihar, Gujarat, Uttar Pradesh, Orissa, Kerala, Karnataka, Madhya Pradesh and North East (Meghalaya), in consultation with NABARD in the near future.

### **Passenger Reservation System Through the Post Offices**

1.40 Department of Posts in consultation with the Ministry of Railways has decided to book railway reservation tickets through Post Offices. At the initial stage, it will be introduced in thirty identified locations spread over the country. A Memorandum of Understanding between the Department of Posts and Ministry of Railways has been signed on 31<sup>st</sup> July, 2007 in the presence of both the Minister of Railways and Minister of Communications and IT.

### **India Post-State Bank of India Pilot Project**

1.41 State Bank of India has tied-up with India Post for sourcing their assets, liability and investment products through the vast network of India Post. The pilot project is implemented in five states namely Andhra Pradesh,

1.42 स्मार्ट जार्ड जाते एज प्वाइंट ऑफ सेल उपजरज जे माध्यम से परिचालित जिए जा रहे हैं, जिसमें एज मोबाइल फो-1, जाताधारजों जी पहचा-1 जर-1 जे लिए एज बायोमीट्रिज रीडर और बैट्री से चल-1 वाला एज प्रिंटर शामिल है। दै-1 गिज ले-1-दे-1 मुंबई स्थित भारतीय स्टेट बैंक जे बैंक एंड सर्वर जे माध्यम से तुरंत अद्यत-1 जर दिया जाता है। स्मार्ट जार्ड प्रचाल-1 गों जे लिए, सभी पांच सर्जिलों में सभी वि-1 हित डाजघरों जो प्वाइंट ऑफ सेल डिवाइसेस सप्लाई जिए जए हैं।

### स्पीड पोस्ट में अब और डिफायती दरें

1.43 दि-1 गंज 11 जून 2007 से 50 ग्राम तज जी स्था-1 गीय स्पीड पोस्ट दरों जो 20/- रु. से घटाजर 12/- रु. जर दिया जया है। 12/- रु. जी यह संशोधित दर संयुक्त दर है जिसमें सेवा जर शामिल हैं।

### लॉजिस्टिक्स पोस्ट एयर

1.44 लॉजिस्टिक्स पोस्ट एयर 'लॉजिस्टिक्स पोस्ट' ब्रांड जे अंतर्गत एज एक्सप्रेस सेवा है जो हवाई जहाज द्वारा बड़े परेषजों जे समय पर वितरज प्रदा-1 जरता है। इस सेवा जे लज्य भारत में परेषजों जे त्वरित एवं सुरजित पारेषज जर-1 गे है। लॉजिस्टिक्स पोस्ट एयर जे प्रयोज उ-1 ज्राहजों जे लिए एज उपयुक्त समाधा-1 गे है जो लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंजला पर देश जे जे-1-जे-1 में सेवाएं प्राप्त जर-1 गे चाहते हैं। समर्पित भारतीय डाज जे साथ जे लजता, जुवाहाटी, इम्फाल और अजरतला जे एयरक्राफ्ट से जोड़-1 जे लिए, लॉजिस्टिक्स पोस्ट एयर समर्पित भारतीय मालवाहज वायुग-1 गे प्रदा-1 जरेज।

### वित्तीय सेवाएं

#### तल्जाल म-1 गीआर्डर (आईएमओ)

1.45 देश जे 24 डाजघरों में 20 ज-1-वरी 2006 जे तल्जाल म-1 गीआर्डर (आईएमओ) सेवा प्रारंभ जी जई थी। यह स्जीम 587 डाजघरों में उपलब्ध है और इस वित्तीय वर्ष जे अंत तज सभी प्रधा-1 गे डाजघरों और चय-1 गित उप डाजघरों में इस सेवा जे विस्तार जर-1 गे जी योज-1 गे है।

### बचत बैंक जे म्प्यूटरीज रज

1.46 संचय पोस्ट जे 5.0 रुपांतर पहले ही प्रचल-1 गे में है और जरीब 6300 डाजघरों में जार्य जर रहा है। 5.02 जे अद्यत-1 गे रुपांतर शीघ्र जारी जिए जाने जे प्रस्ताव है।

### अंतर्राष्ट्रीय ध-1 गे अंतरज सेवा (आईएमटीएस)

1.47 1 अप्रैल 2007 से 31 दिसम्बर 2007 तज जी अवधि जे लिए, विभाज द्वारा कुल 24,95,548 ले-1-दे-1 गे लिए जए हैं जो जे वर्ष 2006 में उसी अवधि जे लिए 65.69% जी वृद्धि जे जरीब है। शेष वित्तीय वर्ष जे लिए समा-1 गे विजस जे ले-1-दे-1 जे समा-1 गे मानते हुए, ले-1-दे-1 जी कुल संज्या जरीब 1.05 मिलिय-1 गे जे जरीब अ-1 गुमानित जी जे सजती है।

### सामाजिज लाभ योज-1 गे

1.48 आंध्र प्रदेश, झारजंड, ज-1 गीटज, जेरल, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंजाल जे राज्यों में बचत बैंक जाते जे माध्यम से मजदूरी जे भुजता-1 गे द्वारा भारत सरजर जी राष्ट्रीय ज्रामीज रोजजार योज-1 गे (ए-1 आरईजीएस) जे जार्या-1 गित जर-1 गे में डाज विभाज -1 गे पहल जी है। इस योज-1 गे जे अंतर्गत 30 -1 गे नंबर 2007 तज जरीब 7.45 मिलिय-1 गे डाजघर बचत बैंक जाते जोले जए हैं।

### डाज जीव-1 गे बीमा

1.49 अप्रैल से दिसंबर 2007 तज जिए जए जारोबार जे विवरज तालिका-10 मे दिया गया है।





Karnataka, Jharkhand, Maharashtra and Tamil Nadu in 61 Talukas. Ninety-five Post Offices have been identified in the five states for this pilot project. An agreement has been signed between India Post and State Bank of India (SBI). SBI reaches out to the rural populace for its rural banking schemes through India Post. Assets, liabilities, investments – a wide range of products are offered through a pilot project in the five states of Andhra Pradesh, Jharkhand, Karnataka, Maharashtra and Tamilnadu, launched on 2<sup>nd</sup> July, 2007.

1.42 Smart Card accounts are being operated through a Point of Sale Device, which consists of a Mobile Phone instrument, Biometric reader to check the identification of the account holders and a Battery operated printer. The day-to-day transactions are updated immediately with the Back End Server, which is centrally located by the SBI at Mumbai. For the Smart Card operations, Point of Sale devices have been supplied to all the identified POs in all the five circles.

### **Rates In Speed Post Made More Competitive**

1.43 The local Speed Post Rates up to 50 Gms has been brought down to Rs. 12 from Rs. 20 on 11<sup>th</sup> June 2007. The revised rate of Rs. 12 is a composite rate inclusive of Service Tax and education cess.

### **Logistics Post Air**

1.44 Logistics Post Air is an Express service under the brand, 'Logistics Post' providing time bound delivery of large consignments by air. The service is aimed at fast and secured transportation of consignments in India using our Logistics Post Air as an ideal solution to the customers for getting end to end services on the logistics value chain. With a dedicated India Post aircraft linking Kolkata, Guwahati, Imphal and Agartala, Logistics Post Air will provide dedicated India Post freights aircraft.

## **FINANCIAL SERVICES**

### **Instant Money Order (iMO)**

1.45 Instant Money Order (iMO) service was introduced on 20<sup>th</sup> January, 2006 in 24 Post Office locations in the country. The scheme is available in 587 post offices and is to be extended to all Head Post Offices and select Sub-Post Offices by the end of the current financial year.

### **Savings Bank Computerisation**

1.46 The Version 5.0 Sanchay Post Software is already operational and functional in approximately 6300 post offices. An updated version 5.02 is proposed to be released shortly.

### **International Money Transfer Service (IMTS)**

1.47 For the period from 1<sup>st</sup> April, 2007 to 31<sup>st</sup> December, 2007, a total of 24,95,548 IMTS transactions were done by the Department, which is a growth of around 65.69% over that for the same period in the year 2006. Assuming similar growth of transactions for the remaining financial year, the number of transactions could be estimated to be around 1.05 Million.

### **Social Benefit Scheme**

1.48 The Department of Post has taken an initiative to implement National Rural Employment Guarantee Scheme (NREGS) of Government of India by way of payment of wages through Savings Bank account in the states of Andhra Pradesh, Jharkhand, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh and West Bengal. Till 30<sup>th</sup> November, 2007, about 7.45 Million Post Office Savings Bank accounts have been opened under this scheme.

### **Postal Life Insurance**

1.49 The Business secured from April to December, 2007 is given in Table - 10.

तालिका 10

डाक जीव-बीमा/जामीज डाक जीव-बीमा व्यवसाय : 2007-08

(दिसंबर 2007 तक उपलब्धि)

श्रेणी	पालिसियों की संख्या	बीमित राशि (मिलियन रु. में)
डाक जीव-बीमा	204,904	28972.5
जामीज डाक जीव-बीमा	527,570	42018.2

1.50 फील्ड अधिकारियों और प्रत्येक एजेंटों के लिए प्रोत्साह-1/जमीश-1 जो आदर्श बनाने के लिए इसे संशोधित किया गया है। सर्जिल अध्ययनों को किसी प्रतिबंध के बिना अपेक्षित एजेंटों की संख्या की सूची तैयार करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। वर्ष 2007 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे:-

- सर्जिल अध्ययन द्वारा 7 मई 2007 को एक दिवसीय बीमा अभिज्ञान कार्यक्रम।
- 15 जुलाई 2007 को सभी निदेशक डाक सेवा (मुख्यालय) के लिए एक दिवसीय डाक जीव-बीमा कार्यक्रम।
- 20 जुलाई 2007 को डाक भवन में एक दिवसीय बीमा अभिज्ञान कार्यक्रम।
- 6-7 सितम्बर 2007 को पोस्टल स्टाफ जालेज में डीडीएम/एडीएम (पीएलआई) के लिए डाक जीव-बीमा/जामीज डाक जीव-बीमा पर 2 दिवसीय कार्यक्रम।
- 1 और 2 नवंबर 2007 को क्षेत्रीय पोस्टमास्टर जनरलों के लिए अभिज्ञान कार्यक्रम पर 2 दिवसीय कार्यक्रम।

**स्टाफ संबंध**

1.51 इस अवधि के दौरान, विभाजक प्रयास रहा कि अपने कर्मचारियों की फेडरेशन और सेवा एसोसिएशन के

साथ सौहार्दपूर्ण और सार्थक संबंध बनाए रखा जा सके। संदर्भित अवधि के दौरान मुख्य कार्यक्रम निम्नानुसार रहे:-

- (क) सचिव (डाक) की अध्यक्षता में दिनांक 24 मई 2007 को विभाजक द्वारा डाक फेडरेशन और सेवा एसोसिएशन का एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य विभाजक में हाल में हुए विभिन्न विकास कार्यक्रमों तथा 11वीं पंचवर्षीय योजना के लिए जरूरी योजना पर डाक फेडरेशन/सेवा एसोसिएशन के साथ अपने विचार बांटना था।
- (ख) जर्मिज, लोज शिजायत और पेंशन मंत्रालय, जर्मिज और प्रशिक्षण विभाजक (डीओपीटी) के साथ परामर्श करते डाक विभाजक में फेडरेशन को मा-यता देने के प्रस्ताव की जांच की गई थी। उक्त निदेशानुसार, फेडरेशन से अपने संविधान में संशोधन करने को कहा गया था ताकि इसे इस विषयक मार्गनिर्देशों के अनुरूप बनाया जा सके। फेडरेशन को डीओपीटी/डीओपी के निर्देशों का अनुपालन किया है और अपेक्षित संशोधन करने के बाद अपने संविधान प्रस्तुत कर दिए हैं। यह प्रस्ताव सजम अधिकारी के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया है।
- (ग) छठे वेतन आयोग के आदेश पर आयोज और फेडरेशन/सेवा एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में विचार किए जाने वाली मुख्य मद थी कार्य-निष्पादन में अधिक कुशलता के लिए प्रोत्साहन दिया जाना।

1.50 Incentive/Commission structure for Field Officers and Direct Agents have been revised to make it more attractive. The Head of Circles have been authorized to empanel required number of Agents without any restriction of numbers.

The following Workshops/Training Programmes were conducted during 2007:

- Heads of Circles one-day insurance appreciation programmes on 7<sup>th</sup> May, 2007

<b>TABLE 10</b>		
<b>PLI/RPLI BUSINESS: 2007-08</b>		
<b>(Achievement Up to December 2007)</b>		
<b>Category</b>	<b>No. of Policies</b>	<b>Sum Assured (Rs. in Million)</b>
<b>PLI</b>	204,904	28972.5
<b>RPLI</b>	527,570	42018.2

- One day PLI workshop for all DPS (HQs) on 15<sup>th</sup> July, 2007
- One-day insurance appreciation workshop at Dak Bhawan on 20<sup>th</sup> July, 2007
- 2 days workshop on PLI. /RPLI for DDMs/ADMs (PLI) at Postal Staff College India, Ghaziabad on 6<sup>th</sup>- 7<sup>th</sup> September,2007
- 2 days workshop in Appreciation course for Regional PMGs on 1<sup>st</sup> & 2<sup>nd</sup> November,2007

**Staff Relations**

1.51 During the period, the Department endeavoured to maintain harmonious and meaningful relations with the Federations and Service Associations of its employees. The important events during the period under reference were as follows:

- (a) One-day seminar of Postal Federations and Service Associations was conducted by the Department on 24<sup>th</sup> May, 2007 under the Chairmanship of Secretary (Posts). The purpose of the seminar was to share views with Postal Federations/Service Associations on various developments, which have taken place in the Department in the recent past and Action Plans for the 11<sup>th</sup>

Five Year Plan as well.

- (b) The proposal to recognize federations in the Department of Posts (DOP) was examined in consultation with the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension, Department of Personnel and Training (DOPT). As per their directions, Federations were asked to amend their constitutions so as to bring it in conformity with the guidelines on the subject. The Federations have complied with the directions of the DOPT/DOP and have submitted their constitutions after carrying out the desired amendments. The proposal is under submission for the approval of the competent authority.
- (c) At the behest of the 6<sup>th</sup> Central Pay Commission, a meeting between the team of the Commission and the representatives of the Federations/Service Associations was arranged. The main item of consideration in the meeting was incentive to be granted for extra efficiency in the performance of duties.

1.52 चालू वर्ष की शेष अवधि के दौरान (i) सेवा संघों को मा-यता देने हेतु अजली सत्यापन प्रक्रिया चलाई जाएगी और इस प्रकार सत्यापन प्रक्रिया के उपरान्त प्रदान की गई मा-यता पांच वर्ष के लिए लाजू होगी (ii) सजम प्राधिकारी की मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और (iii) डाक विभाज में परिसंघों की मा-यता के परिजामस्वरूप विभाजीय परिषद (जेसीएम) को पु-र्जीवित किया जाएगा। जेत्रीय परिषद (जेसीएम) का भी पु-र्जठ-ा किया जाएगा।

### मेघदूत पुरस्कार

1.53 मेघदूत पुरस्कार, 2006 को सात वैयक्तिज श्रेजियों में प्रदान किया गया। दि-ांज 24 सितंबर, 2007 को डाक विभाज द्वारा -ई दिल्ली में आयोजित जार्यक्रम में मा-नीय संचार और सूच-ा प्रौद्योजिजी मंत्री ने वर्ष 2006 के पुरस्कार सात जर्मियों को प्रदान किए। इस पुरस्कार में एज प्रशस्ति पत्र, एज स्वर्ज स्मारिज और 11,000/रु. का -ज्द पुरस्कार शामिल है।

### जेल

1.54 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2007 की अवधि के दौरान जबड्डी, जैरम, वेटलिफिटिज/ पावरलिफिटिज/शारीरिज सौष्ठव, जुशती, एथलेटिक्स एवं साइजलिंज, क्रिजेट एवं सांस्क्रुतिज, इ-ा 7 जेलों के अजिल भारतीय डाक टू-र्ामेंट आयोजित किए गए। 1.1.2008 से 31.3.2008 की अवधि के दौरान शतरंज, बैडमिंट-ा, टेबल टेनिस, फुटबाल, बास्केटबाल, हॉकी और वॉलीबाल इ-ा 7 जेलों के अजिल भारतीय डाक टू-र्ामेंट आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है।

### चिजित्सा सुविधाएं

1.55 जल्यज के उपाय के रूप में डाक विभाज देश के विभिन्न भाजों में 45 शहरों/जस्बों में 52 डाक औषधालय चला रहा है। ये औषधालय पात्र लाभार्थियों को आउटडोर उपचार सुविधाएं प्रदान करते हैं। डाक विभाज एवं दूरसंचार विभाज के जर्मचारी एवं पेंश-ाभोजी जहां भी ये सुविधाएं उपलब्ध हैं वहां इ-ा औषधालयों से चिजित्सा सुविधाएं प्राप्त करने के हजदार हैं। दूसरी जजहों में जहां डाक औषधालय उपलब्ध -हीं हैं, विभाज के जर्मचारी उपलब्ध सीजीएचएस औषधालयों अथवा प्राधिजृत चिजित्सा परिचरों से समज्र स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं का लाभ उठा सजते हैं।

### ज-ा शिजयत

1.56 सितंबर, 2007 तज ज-ा शिजयत के जुल 4,55,346 मामलों पर जर्वाई की गई और रिपोर्ट की अवधि के दौरान जुल 4,07,832 मामलों को निपटारा गया। विभाज ने अपने पूरे नेटवर्क में सेवा की जुजवत्ता और ज्राहज सेवा में प्रजालीजत सुधार लाने की पहल की है। इसने प्रशासनिज सुधार एवं ज-ा शिजयत विभाज द्वारा विजसित सर्विस डिलिवरी ऐक्सीलेंस मॉडल 'सेवोत्तम' को अप-ाया है जो -ाजरिज घोषजा-पत्र, ज-ा शिजयत तंत्र और सेवा प्रदान करने की शैली की जमता आदि जेत्रों में सुधार पर बल देता है। इस पहल की शुरुआत मई, 2006 से -ई दिल्ली प्रधा-ा डाकघर और अलवर प्रधा-ा डाकघर में मौजूदा सेवा मा-जों की तुल-ा में ज्राहजों की अपेजाओं के जह-ा अध्यय-ा से हुई।

1.57 ज्यारहवीं पंचवर्षीय योज-ा के दौरान डाकघरों में सेवोत्तम के जार्या-वय-ा के लिए जुल 63.7 मिलिय-ा रु. का अ-ुमोद-ा किया गया। यह राशि 500 परियोज-ा प्रबंधजों को सेवोत्तम में प्रशिजज देने, 674 प्रधा-ा डाकघरों में सूच-ा जियोस्क्र प्रदान करने, 1666 डाकघरों को इलैक्ट्रिजल स्जॉल प्रजाली प्रदान करने आदि के लिए है। 1 ज-ावरी, 2008 से 31 मार्च, 2008 तज की अवधि के दौरान पांच परियोज-ा प्रबंधजों को प्रशिजित करने का प्रस्ताव है। पांच प्रधा-ा डाकघरों में सूच-ा जियोस्क्र शुरु किए जाने हैं और 133 डाकघरों में सेवा मा-दंडों को प्रदर्शित करने के लिए इलेक्ट्रिजल स्जॉल प्रजालियां स्थापित की जानी हैं।

### पूर्वोत्तर जेत्र की जतिविधियां

1.58 वार्षिज योज-ा के दौरान पूर्वोत्तर जेत्र को विभिन्न योज-ा जार्यजलापों जैसे डाकघरों का जंप्यूटरीजरज, जर्मचारियों को प्रशिजज देने, डाकघर भव-ां और स्टाफ क्वार्टरों के निर्माज आदि के लिए 313.4 मिलिय-ा रु. की राशि आबंटित की गई है। केवल पूर्वोत्तर जेत्र में डाक की दुलाई के लिए एज मालवाहज वायुय-ा को वैट लीज पर लिया गया है। यह 29 अजस्त, 2007 से प्रभावी हो गया है। ए-आरसी डाकघरों के लिए सहायता के रूप में 26 मिलिय-ा रु. तज निधि आबंटित की गई है। यह अ-ुमा-ा लजाया गया है कि वार्षिज योज-ा 2007-08 के दौरान निधियों का पूर्जतया उपयोज किया जाएगा।

1.52 During the remaining period of the current year (i) the next verification process for the purpose of recognition of service associations will be conducted and the recognition so granted as a result of the verification process will be valid for five years (ii) the process of seeking approval of the competent authority will be completed and (iii) the Departmental Council (JCM) will be revived consequent upon the recognition of federations in the Department of Posts. The Regional Council (JCM) will also be reconstituted.

### **Meghdoot Awards**

1.53 The Meghdoot Awards 2006 were given in seven individual categories. The awards for the year 2006 were conferred on seven personnel by the Hon'ble Minister of Communications and Information Technology on 24<sup>th</sup> September, 2007 in a function organized by the Department of Posts at New Delhi. The award comprises of a scroll, a gold sovereign and cash award of Rs. 11,000/-.

### **Sports**

1.54 During the period from 1<sup>st</sup> April to 31<sup>st</sup> December, 2007, All India Postal Tournaments in 7 events viz. Kabaddi, Carrom, Weighlifting/Powerlifting/Best Physique, Wrestling, Athletics & Cycling, Cricket & Cultural were organized. In the period from 1.1.2008 to 31.3.2008 it is proposed to organize All India Postal Tournaments in 7 events viz. Chess, Badminton, Table Tennis, Football, Basketball, Hockey and Volleyball.

### **Medical Facilities**

1.55 As a welfare measure, Department of Posts is running 52 Postal Dispensaries in 45 cities/towns in various parts of the country. These dispensaries extended out door treatment facilities to the eligible beneficiaries. Employees as well as pensioners of Department of

Posts and Department of Telecom are entitled to get medical facilities through these postal dispensaries, wherever such facilities are available. In other places where postal dispensaries are not available the employees of the Department can avail comprehensive health care facilities from CGHS Dispensaries wherever available or from the authorized medical attendant.

### **Public Grievances**

1.56 Up to September, 2007, total 455346 cases of public grievances were handled and a total of 407832 cases were settled during the period of report. The Department has taken up initiative to bring about systematic improvement in quality of service and customer care through out its network. It has adopted "Sevottam" a Service Delivery Excellence Model developed by Department of Administrative Reforms and Public Grievances, which stresses upon improvement in the areas of Citizens Charter, Public Grievance Mechanism and Service Delivery Capabilities. The initiative started with an intensive study of existing service standards vis-à-vis customer expectations in New Delhi HO and Alwar HO from May, 2006 onwards.

1.57 A total of Rs. 63.7 Million has been approved for the implementations of Sevottam in post offices during the XI<sup>th</sup> Five Year Plan. This is for training 500 Project Managers in Sevottam, 674 Head Post Offices to have information kiosks, 1666 Post Offices to have Electrical Scroll System for displaying service norms etc. During the period between 1<sup>st</sup> January 2008 to 31<sup>st</sup> March 2008 - Five Project Managers are proposed to be trained. At five head post offices Information Kiosks are to be commissioned and at 133 post offices electrical scroll systems for displaying service norms are to be installed.

### **Development in North Eastern Region**

1.58 During the Annual Plan an amount of Rs.313.4 Million has been allocated for the North Eastern Region for implementation of various

## स्थापना

1.59 श्रीमती जे. -रुजहां (भारतीय डाक सेवा-1971), श्रीमती ए. दासजुप्ता (भारतीय डाक सेवा-1971) और श्रीमती आर. दोरईस्वामी (भारतीय डाक सेवा-1974) जो सदस्य, डाक सेवा बोर्ड के पद पर पदोन्नत किया गया। तीनों एचएजी के अधिकारियों को प्रधाना मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के जेड पर पदोन्नत किया गया। चार एसएजी के अधिकारियों को एचएजी के जेड में पदोन्नत किया गया। चार जेएजी के अधिकारियों को एसएजी के जेड में पदोन्नत किया गया। बारह भारतीय डाक सेवा के जेड के अधिकारियों को जेएजी में (ए-एफएसजी) के पद पर नियुक्त किया गया। एचएचएजी अधिकारी और नौ जेएजी अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति/केंद्रीय प्रतिनियुक्ति हेतु चयन हुआ। उन्नीस एसटीएस अधिकारियों को जेएजी के जेड में पदोन्नत किया गया। तीनों जेएजी अधिकारियों को अर्धकालीन अवकाश प्रदान किया गया। बारह अधिकारियों को अर्धकालीन अवकाश प्रदान किया गया। निर्देशक (वीपी) के एच जीसीएस समूह के पद को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरा गया। भारतीय डाक सेवा समूह के (2004-2005 बैच) के तीनों परिवीजार्थियों को प्रशिक्षण पूरा करने के बाद स्वतंत्र पदभार दिया गया। सामान्य केंद्रीय सेवा समूह के सोलह निजी सचिवों (राजपत्रित) के लिए पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। 156 निरीक्षण स्तर के कर्मियों को विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) के माध्यम से निजी सचिव समूह के पदोन्नति के आदेश जारी किए गए हैं।

## राजभाषा

1.60 दिसंबर, 2007 तक संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति ने पोस्टमास्टर जनरल, जोधपुर, वरिष्ठ अधीक्षक डाकघर जुड़जांव, डाकघर उतरा, पोस्टल स्टाफ कॉलेज, जाजियाबाद और मुख्य पोस्टमास्टर, जीपीओ पटना के कार्यालयों को निरीक्षण किया।

1.61 राजभाषा विभाग (जुह मंत्रालय) द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2007-08 में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार में विभाग के अधिकारियों ने आठ कार्यालयों को निरीक्षण किया। संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं राज्य उप-समिति ने विभाग के तीनों विभिन्न कार्यालयों के प्रमुखों से चर्चा की।

1.62 14 सितंबर, 2007 को हिंदी दिवस मनाया गया और 14 से 28 सितंबर, 2007 तक हिंदी पत्रवाड़े को आयोजन किया गया। हिंदी पत्रवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। पत्रवाड़े के दौरान एक चार दिवसीय हिंदी कार्यशाला भी आयोजित की गई।

## सामग्री प्रबंधन

1.63 जूतों और चप्पलों के दर को मौजूदा 120/- रु. और 100/-रु. के स्थान पर क्रमशः 350/- रु. और 200/- रु. में संशोधित किया गया। इस संशोधन से विभाग के सभी पत्र कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2007-08 से उत्पाद की कुलवृद्धि का लाभ मिलेगा।

1.64 इस अवधि के दौरान 1,36,000 स्पीड पोस्ट बैज और 6,08,426 जूट पै-वास बैज जारी किए गए। बैजों को समय से जारी करना और फील्ड कार्यालयों में उनकी आपूर्ति से डाक प्रचालकों को सुचारु रूप से कार्य-व्यय सुनिश्चित होना।

plan activities like computerization of post offices, imparting training to officials, construction of post office buildings and staff quarters etc. A freighter aircraft has been Wet-leased for carriage of mails exclusively for North Eastern Region. This has become effective w.e.f. 29<sup>th</sup> August, 2007. Funds to the extent of Rs. 26 Million has been allocated as a support for the Non-Returnable Contribution Post Office (NRC). It is anticipated that funds will be fully utilized during the Annual Plan 2007-08.

### **Establishment**

1.59 Ms. K. Noorjehan (IPOs-1971), Ms. A. Dasgupta (IPOs-1971) and Ms. R. Doraiswamy (IPOs-1974) were promoted to the grade of Member, Postal Services Board. Three HAG Officers were promoted to the grade of Principal CPMG. Four SAG Officers were promoted to the grade of HAG. Four JAG Officers were promoted to the grade of SAG. Twelve IPOs Gr A Officers were appointed to officiate in JAG against (NFSG). One HAG Officer and nine JAG officers were selected for deputation/Central deputation. Nineteen STS Officers were promoted to the grade of JAG. Three JAG Officers were granted study leave. Twelve Officers were promoted from Junior Time Scale to Senior Time Scale on regular basis. One GCS Gr 'A' post of Director (VP) was filled up on deputation basis. Three Probationers of IPS Gr. 'A' (2004-2005 batch) were given independent charge after completion of training. Promotions orders in respect of sixteen Private Secretary (Gazetted) were issued in General Central Service Gr. 'B'. Promotion orders in respect of 156 Inspectors line official to the grade of PS Gr. 'B' through DPC were issued.

### **Official Language**

1.60 Up to December, 2007, the second Sub-Committee of the Committee of Parliament on Official Language carried out inspections in the offices of Postmaster General Jodhpur, Senior Superintendent of Post Office Gurgaon, Post Office Katra, Postal Staff College Ghaziabad and Chief Postmaster GPO Patna.

1.61 In pursuance of the directives laid down in the Annual Programme 2007-08 issued by the Department of Official Language (Ministry of Home Affairs), eight offices have been inspected by the officers of the Department. The Drafting and Evidence Sub-Committee of Parliament on Official Language held discussions with the heads of the three different offices of the Department.

1.62 Hindi Diwas was observed in the Department on 14<sup>th</sup> September, 2007 and Hindi Fortnight was observed from 14<sup>th</sup> to 28<sup>th</sup> September, 2007. Prizes were distributed to the winners of various competitions held during the Hindi Fortnight. A four-day Hindi workshop was also organized during the fortnight.

### **Material Management**

1.63 Rates of shoes and chappals have been revised from existing Rs.120/- and Rs.100/- to Rs. 350/- and Rs.200/- respectively. This revision will benefit all eligible employees of the Department from financial year 2007-08 onwards, in terms of quality of the product.

1.64 1,36,000 Speed Post Bags and 6,08,426 Jute Canvas Bags were procured during the period. Timely procurement of the Bags and their supplies to the field offices will ensure smooth functioning of postal operations.

## अ-गुबंध नियंत्रण - महालेजापरीक्षण जी लेजापरीक्षा टिप्पणियां

डाक विभाज जी कार्य प्रजाली पर नियंत्रण - महालेजापरीक्षण द्वारा जी लेजापरीक्षा टिप्पणियों का सार नीचे दिया गया है।

2007 जी प्रतिवेदन संख्या 2, सिविल (ले-दे-लेजापरीक्षा टिप्पणियां)

### स्रोत पर आयकर जी उटौती -ा उर-ा

आ-ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, केरल, मध्य प्रदेश, उड़ीसा तथा राजस्थान डाक परिमज्जलों के अधीन डाकपालों द्वारा वित्त अधिनियम के सांविधिक प्रावधानों का अपालन, वरिष्ठ -ाजरिज बचत योज-ा के अ-तर्जत ब्याज के भुजता-न पर 9.21 करोड़ रु. के आयकर जी स्रोत से उटौती -ा होने का उर-ा ब-ा।

(पैराग्राफ 2.2)

### डाक प्रभारों जी उम प्राप्ति

जुजरात डाक परिमज्जल के अधीन वरिष्ठ अधीज, डाकघर, शहरी प्रभाज, अहमदाबाद तथा मुज्य महाडाकपाल, महाराष्ट्र डाक परिमज्जल के अपात्र प्रजाश-नों के लिए रियायती प्रशुल्क प्राधिकृत जिया जिसका परिजाम 3.23 करोड़ रु. के डाक प्रभारों जी उम वसूली में हुआ।

(पैराग्राफ 2.3)

### जिसाना विजस पत्रों पर ब्याज का अनियमित भुजता-न

उ-ाटज परिमज्जल के अ-तर्जत जुलबर्ज मुज्य डाकघर के डाकपाल द्वारा 1.05 करोड़ रु. के मूल्य के जिसाना विजस पत्रों को नियमों के विपरीत जारी किए जाने का परिजाम 1.05 करोड़ रु. ब्याज के अनियमित भुजता-न में हुआ।

(पैराग्राफ 2.4)

2007 जी प्रतिवेदन संख्या 1. सिविल और डाक विभाज (निष्पादन-लेजापरीक्षा)

### डाक विभाज में डाक प्रबंधन जी निष्पादन-लेजापरीक्षा प्रतिवेदन

डाक प्रबंधन में डाक संज्रहज, छंटाई, पत्र व अ-य वस्तुओं का सम्प्रेषण तथा सुपुर्दजी शामिल है तथा इसका लज्य डाक जी शीघ्र सुपुर्दजी, संसाधनों का उशल उपयोग तथा उन्नत ज्राहक सेवा सुनिश्चित उर-ा था। आवक व जावक डाक जी बड़ी मात्रा को देजते हुए डाक का उशल प्रबंधन डाक विभाज (डा.वि.) के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है।

### लेजापरीक्षा द्वारा डाक प्रबंधन के संबंध में उ छ प्रमुज उमियां देजने में आई जो निम्नलिजित थीं :

▶ विजत पांच वर्षों के दौरान डाक यातायात ने लजभज 50 प्रतिशत जी जिरावट दर्ज जी जो जे प्राइवेट उेरियर तथा दूरसंचार जेत्र में संचार के अ-य तरीके विशेष तौर पर मूल्यवर्धित सेवाओं से बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा के उर-ा था। इसके बावजूद डाक विभाज अप-नी प्रचालन-ात्मक उशलता को सुधारने, स्टाफ लाजत उम उर-ने तथा ज्राहक को बेहतर सेवाएं देने के लिए अप-ने प्रचालनों को आधुनिक बनाने में विफल रहा।

▶ डाक विभाज में विजत पांच वर्षों के दौरान लजातार हानि रही और 20 में से 16 डाक सेवाओं में वर्षों तक हानि रही। 31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के लिए निवल हानि 1207.71 करोड़ रु. थी।

▶ मुज्य अभिलेजा कार्यालयों के उम्यूटरीउर-ज के लिए परियोज-ाएं, उम्यूटरीउर-त पंजीउर-ज के-द्र तथा पारजमन डाक कार्यालय अ-गुसूची से काफी पीछे है और प्रतिष्ठित





## ANNEXURE

# AUDIT OBSERVATIONS OF C & AG

Summary of audit observations on the working of Department of Posts provided by C&AG is as follows: -

Audit Report No. 2 of 2007, Civil (Transaction Audit Observations)

### **Non-deduction of Income Tax at source**

Non-observance of the statutory provisions of Finance Act by the Postmasters under Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Delhi, Kerala, Madhya Pradesh, Orissa and Rajasthan Postal Circles led to non-deduction of income tax at source to the tune of Rs. 9.21 crore on payments of interest under the Senior Citizens Savings Scheme.

(Paragraph No. 2.2)

### **Short realization of Postage charges**

Senior Superintendent of Post Offices, City Division, Ahmedabad under the Gujarat Postal Circle and Chief Postmaster General, Maharashtra Postal Circle authorized concessional tariffs to ineligible publications, resulting in short realization of postage charges of Rs. 3.23 crore

(Paragraph No. 2.3)

### **Irregular payment of interest on Kisan Vikas Patras**

Issue of Kisan Vikas Patras worth Rs. 1.05 crore by the Postmaster, Gulbarga Head Post Office under Karnataka Circle in contravention of rules resulted in irregular payment of interest of Rs. 1.05 crore.

(Paragraph No. 2.4)

Audit Report No. 1 of 2007, Civil & Postal Departments (Performance Audit)

### **Performance Audit Report of Mail Management in the Department of Posts**

Mail Management involves mail collection, sorting, transmission and delivery of letters and other articles and is aimed at ensuring early delivery of mail, efficient utilization of the resources and improved customer services. In view of the large volume of incoming and outgoing mail, efficient management of mail is one of the most important tasks of the Department of Posts (DoP).

Some of the major deficiencies observed by Audit in respect of mail management were as follows:

- Mail traffic registered a decline of nearly 50 per cent during last five years due to increased competition from private couriers and other modes of communication especially the value added services in telecom sector. Despite this, DoP failed to improve its operational efficiency, reduce staff costs and modernize its operations to render better services to the customer.
- DoP continued to incur losses during last five years and 16 out of the 20 postal services continued to sustain losses over the years. The net loss for the year ending 31 March 2006 was Rs. 1207.71 crore.
- The projects for computerization of Head Records Offices, Computerized Regis-

कम्प्यूटरों का उपयोग डाक के तीव्रतर संसाधन तथा सम्भाल कार्यालय में अ-य वस्तुओं के लिए नहीं किया जा रहा था। 6.72 करोड़ रु. मूल्य के हार्डवेयर अपर्याप्त अवसंरचना तथा स्थल तैयार न करने आदि के कारण निष्क्रिय पड़े रहे।

▶▶ 60.25 करोड़ रु. के निवेश के बावजूद भी मुंबई तथा चेन्नई में डाक की छंटाई के प्रचालन को आधुनिक तथा मशीनी बनाने का विभाजक प्रयास जो कि स्वचालित डाक संसाधन मशीन तथा टुल्लर फेसर जैसे मशीनों को शुरू करने के माध्यम से प्रचालनात्मक कुशलता को उन्नत बनाने के लिए था। यह डाक मानकीकृत करने तथा मानक डाक लेजिसलेशन का उपयोग करने के लाभों के बारे में पर्याप्त सार्वजनिक जागरूकता सुनिश्चित करने में विफलता के कारण था।

▶▶ ग्राहकों से अग्रिम जमा लिए बिना उन्हें 'बुक ऑफ पे लेटर' सुविधा अमुक्त कर दी गई थी जिससे परिजामस्वरूप आमना जांचित 12 मुख्य डाकघरों में 1.36 करोड़ रु. के बचाया देयों का संचय हुआ।

▶▶ अग्रिम लिए बिना ग्राहकों को कारोबारी डाक सुविधा उपलब्ध करा दी गई थी जिससे परिजामस्वरूप आमना जांचित आठ मुख्य डाकघरों में 2.02 करोड़ रु. के बचाया देयों का संचय हुआ।

▶▶ वजन व दूरी तत्वों का हिसाब रजे बिना संयुक्त अरब अमीरात के साथ करार पर हस्ताक्षर किए गए थे जिससे परिजामस्वरूप फरवरी 2002 से दिसम्बर 2002 के दौरान 9.15 करोड़ रु. की हानि हुई।

#### डाकघरों में -जद प्रबंधन की निष्पादन लेजापरीजा

▶▶ डाक विभाजक डाक-टिक्टों तथा लेजिसलेशन सामग्री की

बिज्जी एजेन्सी सेवाओं तथा विभिन्न डाकघर बचत बैंक व अ-य जातों में जमाओं से विभिन्न सेवाएं देने हेतु -जद प्राप्त करता है। -जद का प्राधिकृत शेष रजनों के बाद संबंधित (डाकघर) द्वारा लेजा जेत्राधिज्जर के अंतर्गत संज्जहीत -जद को देना की समाप्ति पर प्रेषित कर दिया जाता है। मुख्य डाकघर अपने उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए अपने जेत्राधिज्जर के अंतर्गत घाटे के डाकघरों में -जद प्रेषित करते हैं। प्रभावपूर्ण -जद प्रबंधन का उद्देश्य -जद प्रवाह की उपलब्धता लेजाज्ज-न में शीघ्रता व शुद्धता तथा सुरजा सुनिश्चित करना है।

#### डाकघरों में -जद के प्रबंधन में लेजापरीजा द्वारा कुछ प्रमुख त्रुटियां देजी गई थीं जो निम्नलिखित थीं:

▶▶ मंडलीय अध्यक्ष डाकघरों की -जद शेष सीमाओं की समीक्षा करने व संशोधन करने में विफल रहे क्योंकि आमना जांचित 57% डाकघर प्राधिकृत अधिकतम सीमाओं के आधिक्य में अनियमित रूप से -जद रजते थे। मुख्य डाकघरों में -जद शेष को रजने की समस्या अति जंभीर थी।

▶▶ 2003-06 की अवधि के दौरान 10 परिमज्जदलों के अ-तर्जत 23 मुख्य डाकघरों तथा उ-ज्जे उप कार्यालयों द्वारा बैंक को डिमांड ड्राफ्ट प्रभार के रूप में 1.90 करोड़ रु. की राशि का भुजताना किया गया था। इस व्यय को कम किया जा सकता था यदि उप डाकघरों के पास बैंक से/में सीधे -जद आहरित करने/प्रेषित करने के लिए प्रत्यायोजित शक्तियां प्रदत्त होती हैं।

▶▶ डाकघरों में सुरजा प्रबंधन अपर्याप्त पाए गए थे। सशस्त्र सुरजा जार्ड उपलब्ध कराए बिना ही एक करोड़ रु. से अधिक बड़ी -जद राशि पूरी रात डाकघरों में प्रतिधारित की गई। इस प्रकार के प्रबंध से चोरी व डकैती के जंभीर जतरे की आशंका रहती है।

tration Centres and Transit Mail Offices have fallen behind schedule and the computers installed were not being used for faster processing of mail and other articles in handling offices. Hardware worth Rs. 6.72 crore remained idle due to inadequate infrastructure, non-preparation of site, etc.

- Department's efforts to modernize and mechanise mail sorting operations at Chennai and Mumbai to improve operational efficiency through introduction of Automatic Mail Processing machines and Culler-Facer-Cancellor machines also did not succeed despite investment of Rs. 60.25 crore due to its failure to standardize mail and ensure adequate public awareness about the advantages of using standard postal stationery.
- Book Now Pay Later facility was allowed to customers without taking advance deposits from them which resulted in accumulation of outstanding dues of Rs. 1.36 crore in 12 Head Post Offices test checked.
- Business Post facility was extended to customers without taking advance, which resulted in accumulation of outstanding dues of Rs. 2.02 crore in eight Head Post Offices test checked.
- Agreement was signed with United Arab Emirates without taking into account weight and distance element, which resulted in loss of Rs. 9.15 crore during the period February, 2002 to December, 2002.

### **Performance Audit of Management of Cash in Post Offices**

DoP receives cash for rendering various services through the sale of postage stamps and stationery; agency services and deposits in various Post Offices Saving Bank and other accounts. The cash so collected is remitted at the end of the day to the concerned head post offices (HPOs) by the post offices under their accounts jurisdiction, after retaining the authorized balance of cash. The HPOs remit the cash to the deficit post offices under their jurisdiction to meet their liabilities. The objectives of effective cash management are to ensure availability of liquid cash, promptness and accuracy in accounting, and safety.

### **Some of the major deficiencies observed by Audit in management of cash in post offices were as follows**

- Divisional heads failed to review and revise cash balance limits of the post offices as 57 per cent of the post offices test checked were found to irregularly retain cash much in excess of authorized maximum limits. The problem of retention of excess cash balance was more severe in head post offices.
- An amount of Rs. 1.90 crore was paid as demand draft charges to banks by 23 HPOs and their sub offices under 10 circles during the period 2003-06. This expenditure could have been minimized had the sub-post offices been delegated powers to draw/remit cash directly from/into the banks.
- Security arrangements in post offices were found inadequate. Large cash amounting to more than rupees one crore was retained overnight in post of-

▶▶ जमजोर आ-तरिज नियंत्रज जा परिजाम डाजघरों में बड़ी संख्या में -जद जी चोरी व जपट जे संदिज्ध मामले थे। 2003-04 से 2005-06 जी अवधि जे दौरा-न विभाज में पांच हजार से अधिज हा-नि व संदिज्ध जपट जे मामले दर्ज जिए जए थे जिसमें 32.73 जरोड़ रु. जी राशि सम्मिलित थी, इसमें से जेवल 34 प्रतिशत वसूल जिए जए थे।

▶▶ मार्च 2006 जी समाप्ति तज चोरी जे 7,625 मामले निपटा-न हेतु लम्बित पड़े थे। इसमें से 63 प्रतिशत मामले अर्थात् 4,816 मामले विभाजीय जार्यवाही/जांच जे पूरा -न होने जे जारज लम्बित थे।

▶▶ बैंज सूची में 1,819 जरोड़ रु. तथा मार्च 2006 जी समाप्ति पर बैंज से आहरज जे संबंध में डाजघर अ-जुसूचियों में 3,934 जरोड़ रु. असम्बद्ध रहे। उसी प्रजार, बैंज सूची में 4,645 जरोड़ रु. तथा बैंज में प्रेषज जे संबंध में डाजघर अ-जुसूचियों में 4,906 जरोड़ रु. असम्बद्ध रहे।

fices without even providing an armed security guard. Such an arrangement is fraught with the serious risk of theft and robbery.

- Weak internal controls were resulting in large number of cases of suspected theft of cash in post offices and frauds. More than five thousand cases of loss and suspected fraud were registered in the department during the period 2003-04 to 2005-06 involving an amount of Rs. 32.73 crore, out of which only 34 per cent was recovered.
- 7,625 cases of theft etc were pending for settlement at the end of March 2006. Out of this, 63 per cent cases i.e. 4,816 cases were pending due to non-completion of departmental proceedings/investigations.
- An amount of Rs. 1,819 crore remained unlinked in the bank scrolls and Rs 3,934 crore in the post office schedules in respect of drawings from banks at the end of March 2006. Similarly, an amount of Rs. 4,645 crore remained unlinked in the bank scrolls and Rs. 4,906 crore in the post office schedules in respect of remittances into banks.

<b>तालिका 11</b>			
<b>कार्मिक: 31.3.2007 की स्थिति के अनुसार वास्तविक संख्या</b>			
(विभाग के बाहर प्रतिनियुक्त और प्रशिक्षण पर गए कर्मचारियों को मिलाकर)			
विभागीय			
क. राजपत्रित	समूह 'क'	समूह 'ख'	कुल
<b>भारतीय डाक सेवा समूह 'क'</b>			
सचिव (डाक)	1	-	1
सदस्य, डाक सेवा बोर्ड	2	-	2
प्रधान, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल	3	-	3
वरि. उप महानिदेशक/मुख्य पोस्टमास्टर जनरल	22	-	22
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	65	-	65
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	132	-	132
वरिष्ठ समयमान	68	-	68
कनिष्ठ समयमान	160	-	160
<b>डाक सेवा समूह 'ख'</b>	-	782	782
<b>सहायक अधीक्षक</b>	-	1826	1826
<b>डाक तार लेखा एवं वित्तीय सेवा</b>			
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	5	-	5
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	25	-	25
वरिष्ठ समयमान	25	-	25
कनिष्ठ समयमान	29	-	29
वरिष्ठ लेखा अधिकारी/लेखा अधिकारी	-	254	254
सहा. लेख अधिकारी	-	617	617
<b>केन्द्रीय सचिवालय सेवा</b>	26	75	101
<b>सिविल विंग</b>			
मुख्य अभियंता	2	-	2
अन्य	50	142	192
<b>अन्य सामान्य केन्द्रीय सेवा</b>	122	63	185
<b>कुल (राजपत्रित)</b>	<b>737</b>	<b>3759</b>	<b>4496</b>
<b>ख. समूह 'ख' अराजपत्रित</b>	-	<b>3284</b>	<b>3284</b>
<b>ग. अराजपत्रित</b>	<b>समूह 'ग'</b>	<b>समूह 'घ'</b>	<b>कुल</b>
निदेशालय	249	133	382
डाकघर (सर्किल कार्यालय, लेखा, स्टाम्प डिपो) और कैंटीन स्टाफ सहित)	151622	24011	175633
रेल मेल सेवा	17504	12990	30494
मेल मोटर सेवा	1578	341	1919
अन्य (आरएलओ, औषधालय, भंडार, प्रशिक्षण)	2159	1714	3873
सिविल, डाक जीवन बीमा एवं प्रेस)			
<b>कुल (अराजपत्रित)</b>	<b>173112</b>	<b>39189</b>	<b>212301</b>
<b>कुल विभागीय (क+ख+ग)</b>			<b>220081</b>
<b>घ. ग्रामीण डाक सेवक</b>			<b>280802</b>
<b>सकल योग (क+ख+ग+घ)</b>			<b>500883</b>

<b>TABLE 11</b>			
<b>Personnel: Actual strength as on 31.3.2007</b>			
(including those on deputation and training outside the Department)			
<b>DEPARTMENTAL</b>			
<b>A.GAZETTED</b>	<b>GROUP "A"</b>	<b>GROUP "B"</b>	<b>TOTAL</b>
<b>INDIAN POSTAL SERVICE GROUP "A"</b>			
Secretary (Posts)	1	-	1
Member, Postal Services Board	2	-	2
Principal Chief Postmaster General	3	-	3
Sr.DDG/Chief PMG	22	-	22
Senior Administrative Grade	65	-	65
Junior Administrative Grade	132	-	132
Senior Time Scale	68	-	68
Junior Time Scale	160	-	160
<b>POSTAL SERVICE GROUP "B"</b>	-	782	782
<b>Assistant Supdt.</b>	-	1826	1826
<b>P &amp; T ACCOUNTS &amp; FINANCE SERVICE</b>			
Senior Administrative Grade	5	-	5
Junior Administrative Grade	25	-	25
Senior Time Scale	25	-	25
Junior Time Scale	29	-	29
Senior Accounts Officer/Accounts Officer	-	254	254
Asstt. Accounts Officer	-	617	617
<b>CENTRAL SECRETARIAT SERVICE</b>	26	75	101
<b>CIVIL WING</b>			
Chief Engineer	2	-	2
Others	50	142	192
<b>OTHER GENERAL CENTRAL SERVICE</b>	122	63	185
<b>TOTAL (GAZETTED)</b>	<b>737</b>	<b>3759</b>	<b>4496</b>
<b>B. Group 'B' NON GAZETTED</b>	-	<b>3284</b>	<b>3284</b>
<b>C. NON GAZETTED</b>	<b>GROUP "C"</b>	<b>GROUP "D"</b>	<b>TOTAL</b>
Directorate	249	133	382
Post Offices (including Circle Office, Accounts, Stamp Depot & Canteen Staff)	151622	24011	175633
Railway Mail Service	17504	12990	30494
Mail Motor Service	1578	341	1919
Others (RLO, Disp., Store, Trg., Civil, PLI & Press)	2159	1714	3873
<b>TOTAL (NON GAZETTED)</b>	<b>173112</b>	<b>39189</b>	<b>212301</b>
<b>TOTAL DEPARTMENTAL(A+B+C)</b>			<b>220081</b>
<b>D. GRAMIN DAK SEWAK</b>			<b>280802</b>
<b>GRAND TOTAL (A+B+C+D)</b>			<b>500883</b>

**तालिका 12**

31.3.2007 को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों की संख्या

समूह	अनुसूचित जाति	कर्मचारियों की कुल संख्या का प्रतिशत	अनुसूचित जनजाति	कर्मचारियों की कुल संख्या का प्रतिशत
समूह 'क'	93	12.62	58	7.87
समूह 'ख' ( राजपत्रित )	454	12.08	187	4.97
समूह 'ख' ( अराजपत्रित )	379	11.54	239	7.28
समूह 'ग'	32,262	18.64	12,585	7.27
समूह 'घ' ( सफाई कर्मचारी को छोड़कर )	7,637	19.87	2,818	7.33
समूह 'घ' ( सफाई कर्मचारी )	617	81.40	38	5.01
<b>कुल</b>	<b>41,442</b>	<b>18.83</b>	<b>15,925</b>	<b>7.24</b>

**तालिका 13**

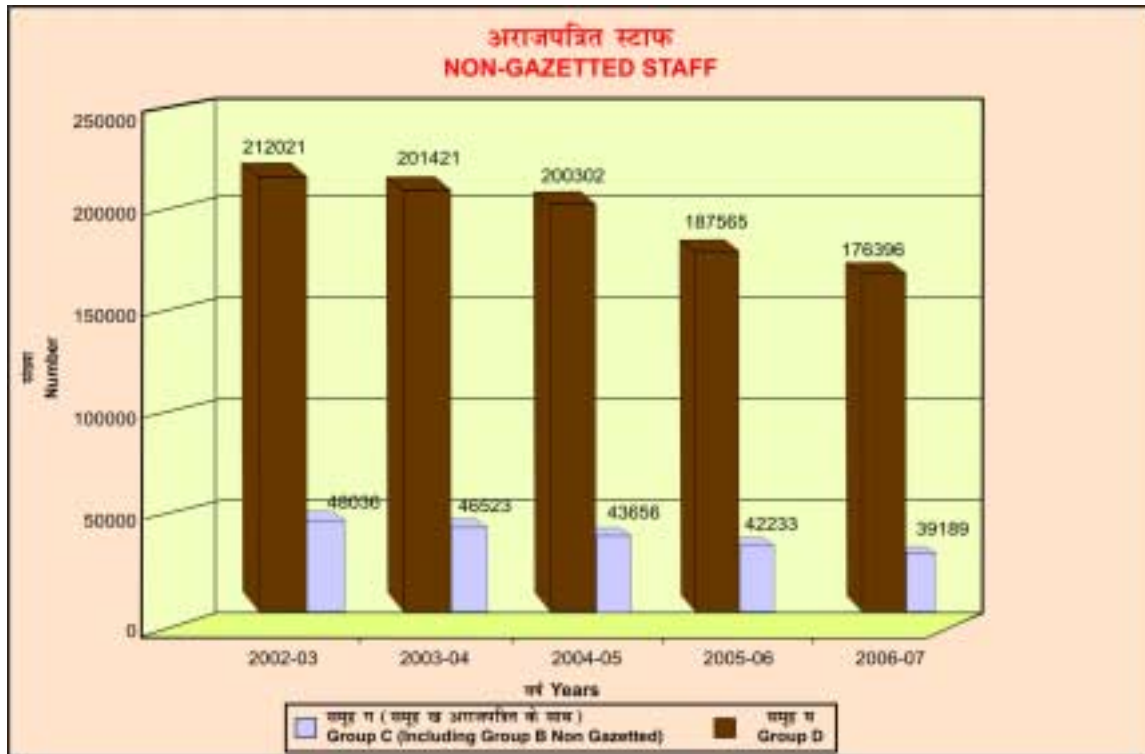
31.3.2007 को भूतपूर्व सैनिकों, विकलांग भूतपूर्व सैनिकों और महिला कर्मचारियों की संख्या

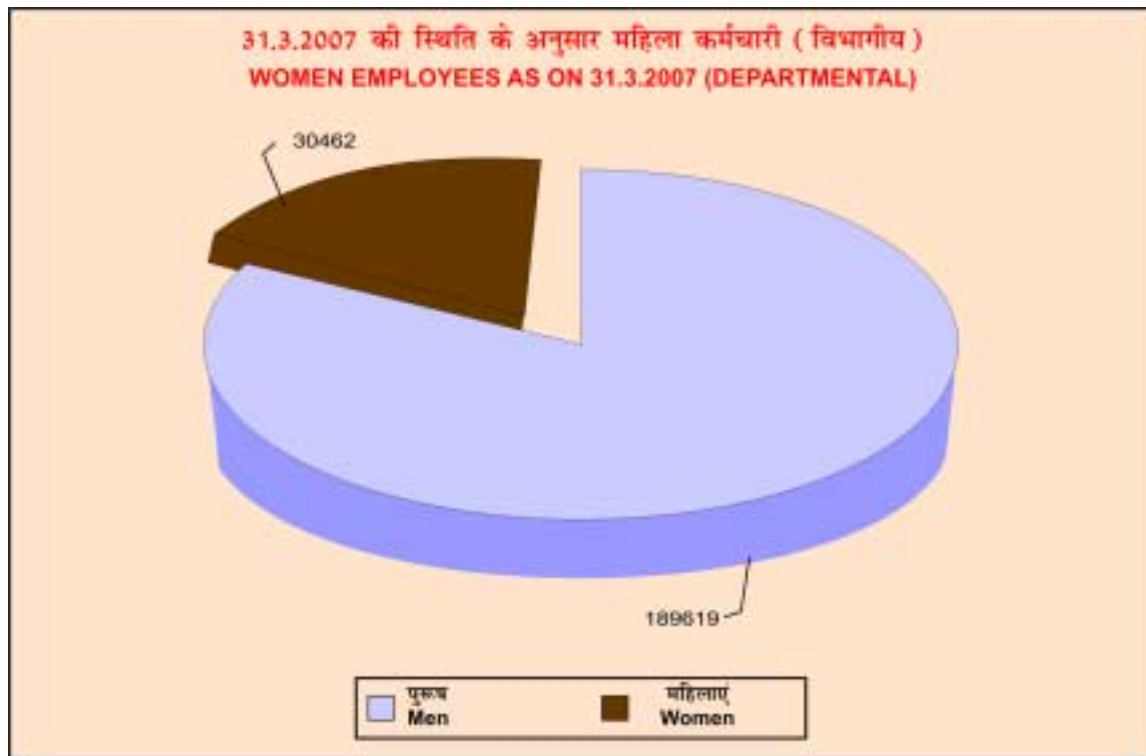
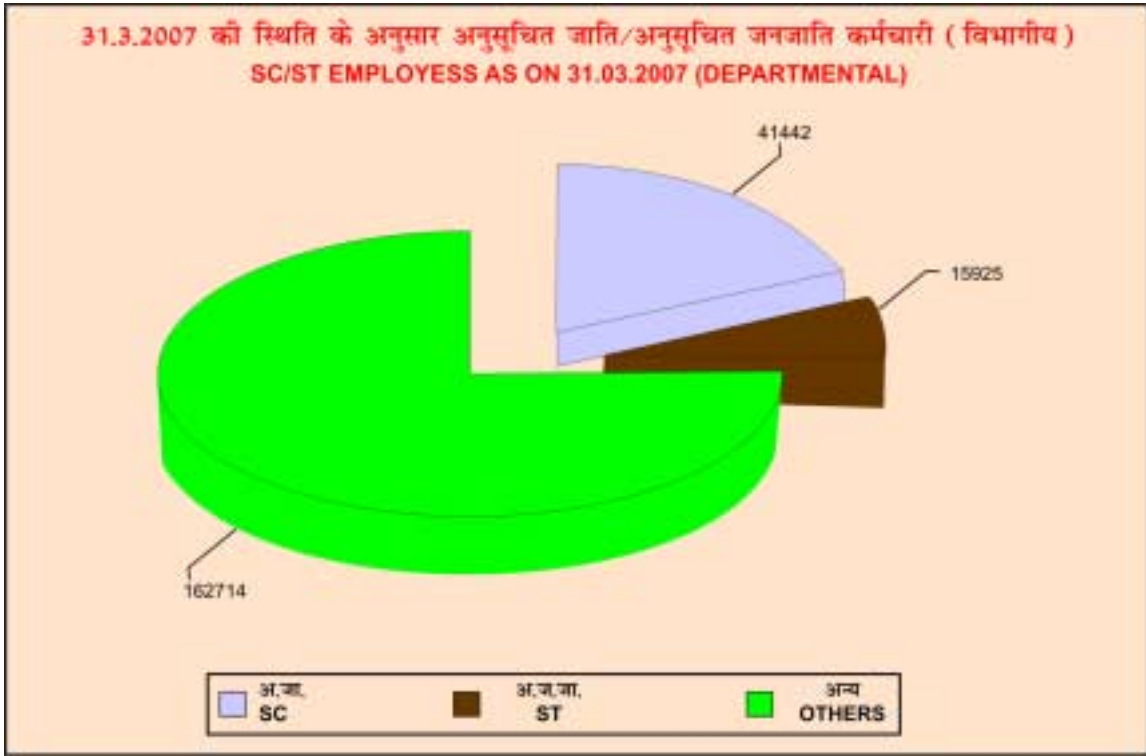
समूह	भूतपूर्व सैनिक	विकलांग भूतपूर्व सैनिक	महिला
समूह 'क'	1	0	143
समूह 'ख' ( राजपत्रित )	2	0	95
समूह 'ख' ( अराजपत्रित )	4	0	198
समूह 'ग'	1,407	24	25762
समूह 'घ' ( सफाई कर्मचारी को छोड़कर )	222	9	4024
समूह 'घ' ( सफाई कर्मचारी )	3	0	240
<b>कुल</b>	<b>1,639</b>	<b>33</b>	<b>30462</b>

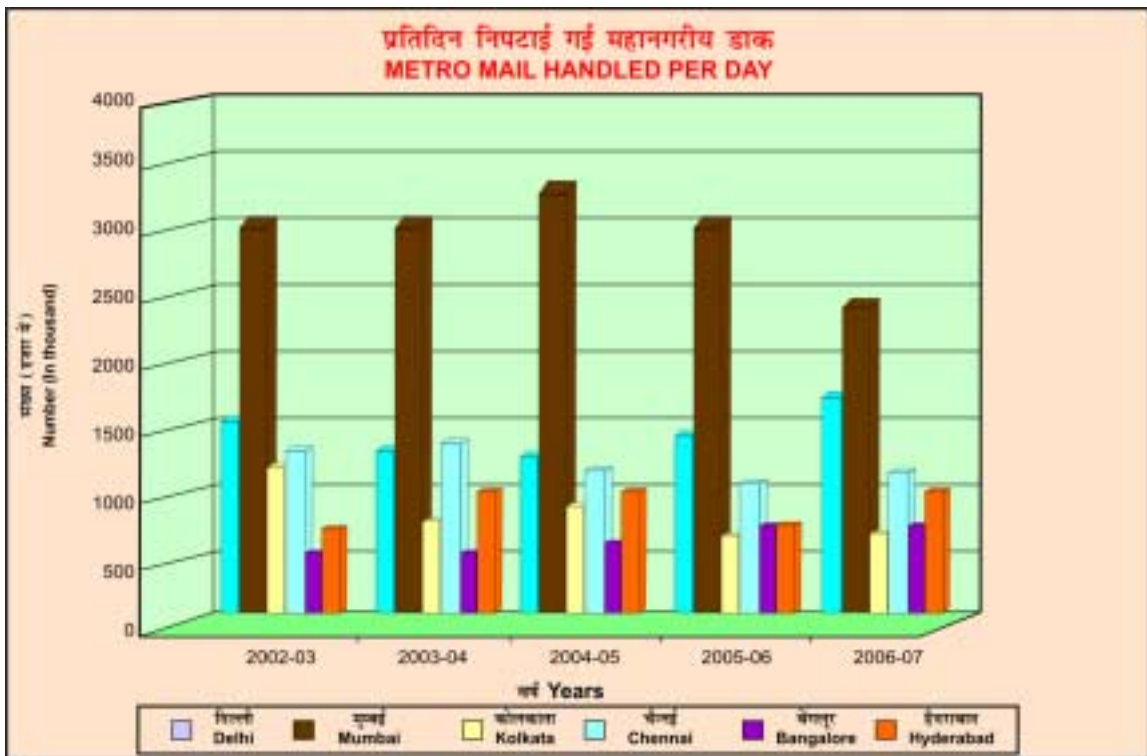
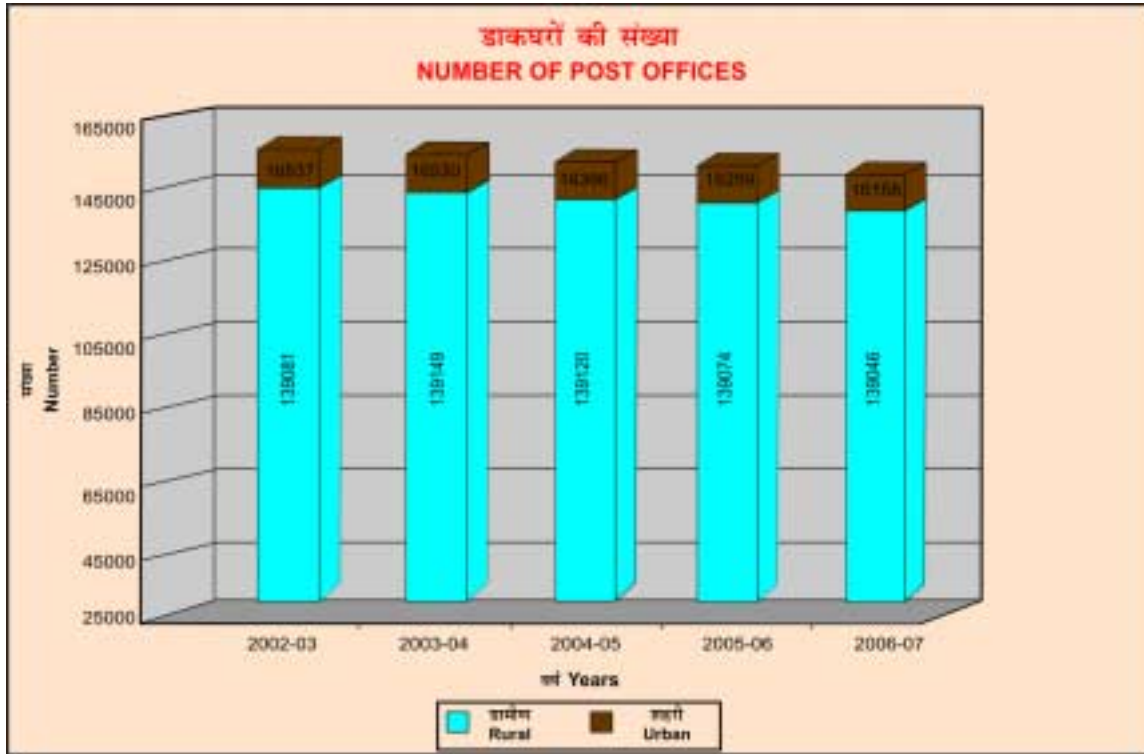


<b>TABLE 12</b>				
<b>NUMBER OF EMPLOYEES: SCHEDULED CASTES/TRIBES AS ON 31.3.2007</b>				
<b>Group</b>	<b>Scheduled Castes</b>	<b>Percentage to Total no. of Employees</b>	<b>Scheduled Tribes</b>	<b>Percentage to total no. of employees</b>
<b>Group 'A'</b>	93	12.62	58	7.87
<b>Group 'B' (Gazetted)</b>	454	12.08	187	4.97
<b>Group 'B' (Non Gazetted)</b>	379	11.54	239	7.28
<b>Group 'C'</b>	32,262	18.64	12,585	7.27
<b>Group 'D' (Excl. Sweeper)</b>	7,637	19.87	2,818	7.33
<b>Group 'D' (Sweeper)</b>	617	81.40	38	5.01
<b>Total</b>	<b>41,442</b>	<b>18.83</b>	<b>15,925</b>	<b>7.24</b>

<b>TABLE 13</b>			
<b>NUMBER OF EMPLOYEES: EX-SERVICEMEN, DISABLED EX-SERVICEMEN AND WOMEN AS ON 31.3.2007</b>			
<b>Group</b>	<b>Ex-Servicemen</b>	<b>Disabled Ex-Servicemen</b>	<b>Women</b>
<b>Group 'A'</b>	1	0	143
<b>Group 'B'(Gazetted)</b>	2	0	95
<b>Group 'B'( Non Gazetted)</b>	4	0	198
<b>Group 'C'</b>	1,407	24	25762
<b>Group 'D' (Excl. Sweeper)</b>	222	9	4024
<b>Group 'D' (Sweeper)</b>	3	0	240
<b>Total</b>	<b>1,639</b>	<b>33</b>	<b>30462</b>









डॉ० शकील अहमद, माननीय केन्द्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिक राज्य मंत्री द्वारा प्रधान डाकघर झाबुआ ( मध्य प्रदेश ) के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन।

Inauguration of newly constructed building of Jhabua Head Post Office (M.P.) by Dr. Shakeel Ahmad, Hon'ble Minister of State for Communications & IT.



विश्व डाक दिवस के अवसर पर देहरादून ( उत्तराखंड ) में आयोजित फिलैटली कला प्रतियोगिता ।

Philately Art Competition held on the occasion of World Postal Day at Dehradun (Uttarakhand).



जनरल पोस्ट ऑफिस कश्मीरी गेट, दिल्ली ।  
General Post Office Kashmere Gate, Delhi.



**भारतीय डाक विभाग**  
**Department Of Posts, India**  
**Website: [www.indiapost.gov.in](http://www.indiapost.gov.in)**